ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

डालटनगंज (मेदिनीनगर) एवं रांची से एक साथ प्रकाशित

www.rastriyanaveenmail.com • डालटनगंज • श्रावण कृष्ण पक्ष 06 • विक्रम संवत 2080 • रविवार, 09 जुलाई 2023 • वर्ष-29 • अंक-263 • पृष्ठ-12 • मूल्य ₹ 2.00

शरमन जोशी ने थ्री इडियट्स सीक्वल पर... पेज 10 पर

स्विट्जरलैंड के फिल्म फेस्टिवल के पर्दे पर पलामू के सैकत

पलामू व धनबाद में हुई है फिल्म की शूटिंग

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। आगामी 2 से 12 अगस्त तक स्विट्जरलैंड में आयोजित लोकार्नो फिल्म फेस्टिवल के लिए पलामू में शूट की गयी फिल्म का चयन हुआ है। यह फेस्टिवल सबसे पुराणी फिल्म फेस्टिवलों में से एक है। फिल्म का नाम व्हिस्पर ऑफ फायर एंड वाटर है। यह फिल्म हिंदी और बांग्ला में है। फिल्म के निर्देशक लुद्धक चटर्जी है जो उनकी पहली फिल्म है। श्री चटर्जी ने बताया की यह एक सामान्य फिल्म नहीं है, यह एक कलात्मक फिल्म है। इसकी कहानी भी लीक से हटकर है। यह एक ऐसी युवा की कहानी है जो ब्रह्मांड में पाये जाने वाले शब्दों की खोज में भटक रहा है। इस फिल्म को फेस्टिवल में दिखाया जायेगा। साथ ही इस फिल्म को प्रतिष्ठित ग्रीन पार्दो पुरस्कार के लिए भी

नामित किया गया है। इस फिल्म को झारखंड के धनबाद और पलामू में फिल्माया गया है। इस फिल्म में पलामू टाइगर रिजर्व के प्राकृतिक सुंदरता को भी शानदार ढंग से दिखाया गया है। निदेशक श्री चटर्जी ने कहा की आने वाले समय में पलामू की खूबसूरत वादियों में फिर से नई फिल्म की शूटिंग करने की प्लानिंग की जा रही है। फिल्म के हीरो बंगाल के जाने माने अभिनेता साग्निक मुखर्जी है। इनके साथ इस फिल्म में झारखंड के वरीय रंगकर्मी व छायाकार सैकत चटर्जी एक अहम भूमिका निभाते दिखेंगे। धनबाद के अभिनेता रोहित कुमार भी इस फिल्म में अभिनय किया है। इनके साथ बंगाल के फिल्म इंडस्ट्री के स्थापित अभिनेता दीपक हालदार, अमित साहा, रोहिणी चटर्जी आदि नजर आयेंगे। निर्देशक ने बताया की पलामू में इस फिल्म की शूटिंग संपन्न कराने में मासूम आर्ट ग्रुप और सैकत चटर्जी की अहम भूमिका रही है। मासूम आर्ट ग्रुप के अमर कुमार भांजा व राहुल कुमार ने इस फिल्म के तकनीकी टीम में शामिल थे। सैकत चटर्जी ने कहा की उनकी फिल्मों का सफर काफी देर से शुरू हुई है, पर अब उनका लक्ष्य है कि पलामू का नाम फिल्मी दुनिया में स्थापित किया जाये। सैकत ने कहा कि वे आज अपने कैरियर के जिस भी मुकाम पर है वो पलामू के लोगों और मासूम आर्ट ग्रुप के साथी कलाकारों से मिले प्यार, सहयोग और आशीर्वाद के कारण ही है। उन्होंने बताया कि आने वाले दिनों में पलामू में और भी कई फिल्म व वेब सीरीज की शूटिंग होने वाली है जिसमें स्थानीय कलाकारों को भरपूर मौका मिलेगा।

टीएसपीसी नक्सली संतोष भुइयां गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू प्रतिबंधित नक्सली संगठन तृतीय सम्मेलन प्रस्तुति कमेटी के खिलाफ पलामू पुलिस को सफलता मिली है। सूचना है कि टॉप टीएसपीसी कमांडर संतोष भुइयां को पलामू पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। शुक्रवार को पलामू चतरा सीमा पर अनगड़ा जंगल में पुलिस और टीएसपीसी के नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई थी। इस मुठभेड़ में पुलिस को बड़ी सफलता मिली थी, मौके से नक्सलियों के हथियार समेत कई सामग्री बरामद किया गया था। मुठभेड़ के बाद पलामू पुलिस सीमावर्ती इलाके में सर्च अभियान चला रही थी। इसी सर्च ऑपरेशन में टीएसपीसी नक्सली संतोष भुइयां को गिरफ्तार किए जाने की सूचना है। संतोष भुइयां पुलिस नक्सली मुठभेड़ में सुरक्षाबलों के हाथों बच गया था और भागकर पलामू के सीमावर्ती इलाके में दाखिल हुआ। इसी क्रम में पुलिस के हत्थे चढ़ा है। संतोष भुइयां पलामू के मनातू थाना क्षेत्र में 2021 में सुरक्षा बलों के साथ हुए मुठभेड़ व 2022 में चतरा के कुंदा थाना क्षेत्र में हुए सुरक्षाबलों के साथ हुए मुठभेड़ की घटना में शामिल रहा है। संतोष मूल रूप से मनातू के नागद के इलाके का रहने वाला है। पलामू चतरा सीमा पर अनगड़ा के जंगल में हुए मुठभेड़ के बाद पुलिस एवं सुरक्षाबल इलाके में सर्च अभियान चला रहे हैं। सर्च अभियान में जगुआर, जैप, आईआरबी के साथ साथ पलामू चतरा के जिला बल के जवानों को तैनात किया गया है।

युवाओं के लिए बेहतर अवसर साबित हो रही यह खेती

प्रमंडल में फूलों की खेती को बढ़ावा

फूलों की खुशबू, व्यापारियों को मिल रहा ताजा फूल

450 से अधिक किसानों के बीच बांटे गये फूलों के पौधे

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू में खेती के तौर तरीके बदल रहे हैं। अब गेंहू, मक्का, धान जैसी अन्य पारंपरिक फसलों की खेती छोड़ पलामू प्रमंडल के किसान अब फूलों की खेती में जोर आजमा रहे हैं। लागत कम और मुनाफा अधिक होने की उम्मीद से किसानों ने पारंपरिक खेती के स्थान पर अन्य दूसरे फसलों में रूचि ले रहे हैं, ताकि वे आर्थिक रूप से सबल हो सकें और खेती-किसानी में उनका मान-सम्मान भी बना रहे। पलामू प्रमंडल के जिले पलामू, गढ़वा एवं लातेहार के कुछ किसानों ने फूलों की खेती कर अपनी पहचान बनाई है। किसान फूलों की खेती में न केवल संभावनाएं तलाश रहे हैं, बल्कि अधिक मुनाफा पाकर आत्मनिर्भर बन रहे हैं। फूलों की खेती का सुखद परिणाम भी सामने आये हैं। खेतों में फूलों की विभिन्न प्रजातियां अपनी खुशबू बिखेर रही है। किसानों की कड़ी मेहनत और स्थानीय प्रशासन के सहयोग से यह

गढ़वा के 175 किसानों ने लिए थे गेंदा फूल

जिले के 60 किसानों को गुलाब, 74 किसानों को ग्लैडियोलस एवं 175 किसानों के बीच गेंदा फूल के पौधे वितरण हुए थे। जिले के मेराल प्रखंड अंतर्गत अरंगी पंचायत के बनखेता गांव निवासी आरमा कुशवाहा एवं केतार प्रखंड के वेलावार निवासी अलताफ अंसारी ने भी फूलों की खेती प्रारंभ की है। किसानों ने बताया कि अन्य पारंपरिक खेती की अपेक्षा फूलों की खेती से उन्हें काफी फायदा हुआ है। आर्थिक समृद्धि आ रही है। फूलों की अच्छी खेती देख उनके मन भी प्रफुलित हो उठता है। अच्छी आमदनी से उनमें संभावनाओं वाली खेती की ओर रूचि भी जागृत किया है। उनके मान-सम्मान भी बढ़े हैं और क्षेत्र में अलग पहचान भी बनी है। वेलावार के ही सकील अंसारी, केतार के जितेन्द्र कुमार मेहता, मकरी के नसरूदीन मियां, रंका के पिंटू मालाकार आदि ने भी फूल की खेती प्रारंभ की है। इसके अलावा करूआ कला, नगर उंटारी आदि विभिन्न प्रखंडों के गांवों में किसान फूलों की खेती में जोर आजमा रहे हैं।

पलामू में 130 किसानों ने की फूलों की खेती

पलामू के चैनपुर प्रखंड क्षेत्र के कंकारी, बसरिया कला, सलतुआ, बंदुआ आदि पंचायत के 130 किसानों के बीच गेंदा एवं ग्लैडियोलस के पौधे उपलब्ध कराये गये थे। चैनपुर के बसरिया कला की ललिता देवी, मंजू देवी, सोकरा की रीतू देवी, मीना देवी सहित अन्य महिला किसानों ने छोटे-छोटे पैच में फूलों की खेती की।

लातेहार में 20 हेक्टेयर क्षेत्रफल के लिए पौधे

जिले में 20 किसानों को गेंदा और ग्लैडियोलस फूल के पौधे उपलब्ध कराये गये थे। चंदवा प्रखंड क्षेत्र के किसानों ने 20 हेक्टेयर के क्षेत्रफल के लिए फूलों के पौधे विभाग से प्राप्त कर खेती की। मुख्य रूप से राजेन्द्र उरांव, निर्मला देवी, सगुना कुमारी आदि किसानों ने फूलों की खेती कर अपनी आमदनी बढ़ाई है।

अलताफ ने लगाये विभिन्न प्रजाति के फूल

केतार प्रखंड के वेलावार निवासी अलताफ अंसारी एक एकड़ भूमि पर फूलों की खेती कर रहे हैं। वे गेंदा, गुलाब, रजनीगंधा, सूर्यमुखी आदि विभिन्न प्रजाति के फूलों की खेती की है। खेती में उनका परिवार भी सहयोग कर रहा है। फूल केतार सहित भवनाथपुर, कांडी एवं नगर उंटारी तक व्यापारी ले जाते हैं। फूल के साथ-साथ वे माला बनाकर भी बेचते हैं। कृषि विभाग से उन्हें सहयोग मिला है।

कम लागत में ज्यादा मुनाफा

मेराल प्रखंड के अरंगी बनखेता निवासी आरमा कुशवाहा ने बताया कि कृषि-सह-उद्यान पदाधिकारी के प्रयास से उन्हें फूल के बीज उपलब्ध कराये गये थे। फूलों की खेती की जानकारी और उसके फायदे भी बताये गये थे, जिसके बाद फूल की खेती प्रारंभ किया है। फूल के साथ-साथ माला बनाकर भी बेचते हैं। इससे अच्छी आमदनी हो रही है। फूलों की खेती में बहुत फायदा समझ में आ रहा है। कम लागत में ज्यादा मुनाफा हो रहा है।

सब संभव हो पाया है। पलामू प्रमंडल के 459 किसानों के बीच उद्यान विभाग की ओर से फूल के पौधे वितरित किये गये थे। **अच्छी आमदनी कर रहे किसान :** गढ़वा जिले के कृषि-सह-उद्यान पदाधिकारी शिवशंकर प्रसाद ने बताया कि जिले के किसान गेंहू, धान, मक्का आदि मौसमी एवं पारंपरिक खेती ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

गैंगस्टर सुजीत सिन्हा का भाई छत्तीसगढ़ से गिरफ्तार

पुलिस को मिले कई अहम सुराग

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू गैंगस्टर सुजीत सिन्हा के भाई अरुण सिन्हा को पलामू पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधिकारी अरुण सिन्हा से पूछताछ कर रहे हैं। सूचना है कि अरुण सिंह को छत्तीसगढ़ के रायपुर के इलाके से पलामू पुलिस ने गिरफ्तार किया है। अरुण सिन्हा पहली बार पुलिस की गिरफ्त में आया है।पलामू में नेशनल हाइवे 98 के कंस्ट्रक्शन कंपनी शिवालया पर सुजीत सिन्हा ने हमला किया था। इस हमले में बिहार के एक ठेकदार शिवजी दास को गोली लगी थी। सुजीत सिन्हा गिरोह ने हमले को अंजाम दिया था, एक सप्ताह पहले पलामू पुलिस ने रांची से गिरोह से जुड़े हुए रिक्की खान को गिरफ्तार किया था। रिक्की खान की गिरफ्तारी के बाद अरुण सिन्हा का नाम पहली बार अपराध से जुड़ा था। पलामू पुलिस के सीनियर अधिकारियों की टीम मामले में छापेमारी कर रही थी, इसी छापेमारी में पुलिस को सफलता मिली है। सुजीत सिन्हा मूल रूप से पलामू के रेड़मा के इलाके का रहने वाला है। सुजीत सिन्हा की पत्नी भी अपराध के मामले में जेल जा चुकी हैं। सुजीत सिन्हा फिलहाल खूंटी जेल में बंद है। अरुण सिन्हा की गिरफ्तारी के बाद पलामू पुलिस को कई अहम जानकारी मिली है। पुलिस को सुजीत सिन्हा गिरोह से जुड़े हुए वित्तीय लेनदेन और कई बड़े बातों की जानकारी मिली है। पुलिस को यह भी जानकारी मिली है कि सुजीत सिन्हा गिरोह से जुड़े हुए छत्तीसगढ़ रायपुर के इलाके में इन्वेस्टमेंट भी किया गया है। अरुण सिन्हा की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने लगातार कई इलाकों में छापेमारी कर रही है। जिला पुलिस सुजीत सिन्हा के लोगों की गिरफ्तारी के लिए भी छापेमारी कर रही है।

रांची को एक और वंदे भारत एक्सप्रेस की सौगात मिलेगी

रांची। रांची को एक और वंदे भारत एक्सप्रेस की सौगात मिलने वाली है। रांची और हावड़ा के बीच चलने वाली इस ट्रेन की टाइमिंग फिक्स कर दी गई है। शुक्रवार को सिकंदराबाद में इंडियन रेलवे टाइम टेबल कमेटी की मीटिंग में इसको मंजूरी दी गई। रांची से वंदे भारत सुबह 5:20 मिनट पर खुलेगी और दिन में 11:55 मिनट पर हावड़ा पहुंचेगी। वहीं हावड़ा से दोपहर 3:30 मिनट पर खुलेगी और रात ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

हेमंत सरकार छात्रों को उच्च शिक्षा के लिए बगैर गारंटी 10 लाख तक का देगी लोन

रांची। झारखंड सरकार छात्रों को करियर, उच्च शिक्षा और प्रतियोगिता परीक्षाओं के लिए मदद करने की तीन योजनाएं शुरू करने जा रही है। इनमें सबसे महत्वपूर्ण योजना गुरुजी क्रेडिट कार्ड स्कीम है। गुरुजी क्रेडिट कार्ड स्कीम के तहत 12वीं के बाद प्रोफेशनल कोर्सेज की पढ़ाई करने वाले स्टूडेंट्स को बिना गारंटी दस लाख रुपए तक का लोन उपलब्ध कराया जा सकेगा। इसके अलावा सीएम शिक्षा प्रोत्साहन योजना में 10वीं पास करने वाले छात्रों को उच्च शिक्षा संस्थानों में एडमिशन के लिए कोचिंग करने हेतु एक सत्र की पूरी फीस के अलावा 2500 रुपए प्रतिमाह की छात्रवृत्ति और एकलव्य प्रशिक्षण योजना के तहत प्रतियोगी परीक्षाओं की निःशुल्क कोचिंग के साथ प्रतिमाह ढाई हजार रुपए की छात्रवृत्ति दी जाएगी। झारखंड कैबिनेट की अगली बैठक में इन्हें मंजूरी मिलने की उम्मीद है। गुरूजी क्रेडिट कार्ड योजना के लिए तो सरकार ने 26.13 करोड़ का प्रावधान किया है। गुरूजी क्रेडिट कार्ड योजना झारखंड सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है। इसके जरिए झारखंड से दसवीं और 12वीं पास करने वाले स्टूडेंट्स को इंजीनियरिंग, मेडिकल और लॉ की पढ़ाई के लिए बिना गारंटी दस लाख रुपये तक का लोन मिलेगा। स्टूडेंट्स को चार प्रतिशत ब्याज पर 15 साल के लिए लोन मिलेगा। इसमें 30 फीसदी राशि रहने-खाने और 70 फीसदी फीस के रूप में भुगतान होगा। सरकार की दूसरी योजना ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

अवैध खनन मामले में कारोबारी टिंकल और भगवान भगत भेजे गये जेल

नवीन मेल संवाददाता

रांची। साहिबगंज में हुए लगभग एक हजार करोड़ के अवैध खनन मामले में गिरफ्तार पत्थर कारोबारी टिंकल भगत और भगवान भगत को शनिवार को ईडी ने कोर्ट में प्रस्तुत किया। ईडी के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा के आवासीय अदालत में दोनों को पेश किया गया। पेशी के बाद दोनों पत्थर कारोबारियों को जेल भेज दिया गया है। दोनों पत्थर कारोबारी को शुक्रवार को पूछताछ के बाद संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर ईडी ने गिरफ्तार किया था। ये दोनों अवैध खनन मामले में जेल में बंद आरोपित पंकज मिश्रा के सहयोगी बताए जा रहे हैं। पेश करने के साथ ही पूछताछ के लिए ईडी ने सात दिनों की रिमांड मांगी है। ईडी के रिमांड संबंधी आवेदन पर सोमवार को बहस होगी। उल्लेखनीय है कि टिंकल भगत सीएम के विधायक प्रतिनिधि पंकज मिश्रा का सहयोगी है। अवैध खनन मामले में ईडी ने कार्रवाई करते हुए सात जुलाई को टिंकल भगत और भगवान भगत को गिरफ्तार किया था।

पुलिस ने दर्ज की प्राथमिकी, एक आरोपी गिरफ्तार

आरएसएस पदाधिकारी सहित दो पर भीड़ ने किया हमला

नवीन मेल संवाददाता। मझिआंव

बरडीहा थाना क्षेत्र के ओबरा गांव स्थित एकल विद्यालय की बैठक में शामिल होकर मोटरसाइकिल से वापस हो रहे मझिआंव निवासी आरएसएस के जिला धर्म जागरण प्रमुख विवेक सोनी एवं एकल विद्यालय संघ के प्रखंड प्रमुख ऋषि पांडेय के साथ घुरुआ गांव में मुश्लिम समुदाय के लोगों द्वारा मारपीट की गई। घायल ऋषि पांडेय किसी तरह भाग निकले और तत्काल थाना प्रभारी कमलेश कुमार महतो को मोबाइल फोन पर इस घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ घटना स्थल पर पहुंच गए जहां पर पुलिस को देखते ही मारपीट करने वाले लोग भाग निकले। इसके बाद पुलिस द्वारा विवेक सोनी को रेफरल अस्पताल लाया गया, जहां पर दोनों घायलों का इलाज किया गया। इस संबंध में घायल विवेक ने बताया कि वे दोनों ओबरा गांव में स्थित एकल विद्यालय की बैठक में भाग लेकर वापस लौट रहे थे कि घुरुआ गांव में मोड़ पर स्कूटी सवार एक व्यक्ति ने रोक लिया और मोटरसाइकिल की चाबी छीन कर मारने लगा। देखते ही देखते काफी संख्या में लोग जमा हो गए और यह कहते हुए कि बड़ा हिंदू का नेता बना फिरता है, आज नहीं छोड़ेंगे। इसके बाद लाठी डंडे के साथ कांट वाले हरसइन की झांखी तोड़कर उससे मारने लगे। इसी बीच आरके पब्लिक की बस को रोकवा कर मैं उस पर किसी तरह चढ़ गया और ड्राइवर से जान बचाने की गुहार लगायी। बस थोड़ी दूर आगे बढ़ी ही थी कि तीन चार मोटरसाइकिल पर सवार कई लोग बस को ओवरटेक कर रोक दिया और बस में चढ़कर मारने लगे। यहां से ऋषि पांडेय ने भागते हुए ही फोन पर थाना प्रभारी को जल्द आने का आग्रह किया। घटना के संबंध में विवेक सोनी एवं ऋषि पांडेय द्वारा थाने में कई लोगों पर प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। इसमें सुरक्षा की मांग की गई है। जाय बताया जाता है कि विवेक सोनी व ऋषि पांडेय के साथ घुरुआ गांव में मारपीट होने की खबर पूरे शहर में फैल गई और लोग उन्हें देखने अस्पताल आने लगे तथा मझिआंव प्रखंड के माहौल को बिगाड़ने का प्रयास करने वाले को उपद्रवी बताते हुए मारपीट में शामिल सभी लोगों को तत्काल गिरफ्तार करने की मांग की।

दुष्प्रभाव — एसडीएम ज्योति मौर्या व नर्स सविता मौर्या प्रकरण का असर तमाम पत्नियों पर

उप्र व बिहार के गरीब पति अपनी पत्नियों की छुड़ाने लगे पढ़ाई

कोचिंग शिक्षक खान सर- बीपीएससी बैच के 93 लोगों ने अपनी पत्नी को कोचिंग से हटा लिया

..भौजी ने ऐसा काम किया कि पूरे इंडिया को तबाह कर दिया, वह बेचारा पढ़ाया-लिखाया, लोन लेकर एसडीएम बनाया और छोड़कर चली गई

-आरएनएम

लखनऊ। पति मेहनत, मजदूरी, कर्ज लेकर, नौकरी करके पत्नी को बढ़ाये। और पत्नी जब सीपीएस बन जाए, नर्स बन जाए तो पत्नी को लड़कर चली जाए। ऐसे दो मामले इन दिनों उ.प्र. में हर दूसरे घर में चर्चा का विषय बन गये हैं। इसका असर अब न कवल उ.प्र. बल्कि बिहार व अन्य राज्यों के पतियों पर पड़ने लगा है। मेहनत , मजदूरी व नौकरी करके , पेट काट कर अपनी पत्नियों को पढ़ा रहे पतियों ने अपनी पत्नियों को वापस बुलाना शुरू कर दिया है। ऐसे पतियों पर उनके घर वालों का भी दबाव बढ़ गया है कि पत्नी को पढ़ावोगे तो वह नौकरी लगने के बाद तुमको छोड़कर चली जा सकती है । फिर उसकी पढ़ाई में लिया कर्ज. भरते रहना। बच्चे पालते रहना। बरेली में एसडीएम पद पर तैनात दो बच्चों की माँ ज्योति मौर्या ने अपने पति आलोक मौर्या के साथ जो कुछ किया ,उसके बाद अब कानपुर की नर्स सविता मौर्या द्वारा अपने पति अर्जुन को छोड़ने का मामला गरमा गया है। सविता मौर्या का पति अर्जुन अपनी पत्नी की पढ़ाई में लिए गए कर्ज की भरपाई मजदूरी से करने को मजबूर है। इसके चलते परिवार परेशान है और आस लगाए बैठा है कि किसी तरह बेटे का परिवार पहले की तरह हरा-भरा हो जाए। साथ ही, बहु घर वापस आ जाए। कानपुर देहात के तहसील मैथा क्षेत्र के रविन्द्र पुरम गांव के रहने वाले अर्जुन की शादी 2017 में बस्ती जिले की रहने वाली सविता मौर्या से हुई थी। शादी के बाद सविता मौर्या में पढ़ाई की लगन देख अर्जुन ने सविता को पढ़ा लिखा कर काबिल बनाने का फैसला किया।नर्सिंग कराने ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

पति ने छुड़वा दी अपनी मेहरारू की पढ़ाई

यूपी की पीसीएस अधिकारी ज्योति मौर्या केस के कारण एक पति अपनी पत्नी को शक की नजर से देखने लगा। अंत में ऐसा हुआ कि उसने अपनी पत्नी को प्रयागराज से बक्सर बुला लिया। दरअसल उसकी पत्नी प्रयागराज में रहकर सिविल सेवा की तैयारी कर रही है।

मनरेगा लोकपाल ने की मनरेगा योजना की जाँच

नवीन मेल संवाददाता

पाटन। पलामू जिला के मनरेगा लोकपाल शंकर कुमार ने पाटन के सगुना पँचायत के साकिनपीढ़ी गांव में मनरेगा योजना की जाँच, ग्रामीण विकास के संयुक्त सचिव से प्राप्त शिकायत पत्र के आलोक में, की। लोकपाल की जांच के समय एई डीआरडीए -प्रमोद कुमार, कनीय अभियंता प्रखण्ड मनरेगा, प्रखण्ड मनरेगा बीपीओ निर्मलकान्त ठाकुर, सगुना के मुखिया मंजू देवी सहित स्थानीय ग्रामीण उपस्थित थे। हालांकि जॉच स्थल पर योजना की जांच करवाने वाले नामित शिकायत कर्ताओ ने किसी तरह की जांच व शिकायत पत्र देने से अनभिज्ञता जतायी तथा कहा की हमलोग जांच के लिए कोई पत्र नही दिये हैं। लोकपाल शंकर कुमार ने क्रियान्वित मनरेगा योजना की गुणवत्ता एवं प्राक्कलन के अनुसार काम नही होने की खामियाँ जाचक्रम में पाई हैं। सबंधित योजना के अभिलेख रिकार्ड की माँग की गयी है। अभिलेख की जाच पड़ताल के उपरांत जांच रिपोर्ट डीडीसी को आवश्यक करवाई हेतु सौपेंगे।

सर्वेश्वरी समूह की विश्रामपुर शाखा में लगा निःशुल्क होम्योपैथिक चिकित्सा शिविर

नवीन मेल संवाददाता

विश्रामपुर। सर्वेश्वरी समूह की विश्रामपुर शाखा द्वारा स्थानीय आश्रम में निशुल्क होमियोपैथिक चिकित्सा शिविर लगाया गया। शिविर का उद्घाटन सासाराम से आये डॉ उपेंद्र कुमार सिंह व शाखा मंत्री नागेंद्र प्रसाद पांडेय ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। शिविर में होम्योपैथिक चिकित्सको द्वारा कई मरीजो का स्वास्थ्य जांच किया गया। जांचोपरांत सभी

मरीजो को निशुल्क दावा भी दी गई। नागेंद्र प्रसाद पांडेय ने कहा कि सर्वेश्वरी समूह मानव सेवा का पर्याय बन चूका है। समूह बगैर किसी भेद-भाव के निस्वार्थ भाव से मानव मात्र के कल्याण में लगा रहता है। मौके पर संतोष सिंह, संजय कुमार सिंह, बामदेव सिंह,डॉ नरेंद्र पाल, अचितानंद पांडेय, नागेंद्र प्रसाद सिंह, अचितानंद गर्ग सहित कई लोग मौजूद थे।

NEWS इन ब्रीफ

बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष से मिली विधायक पुष्पा देवी

पाटन। छतरपुर पाटन विधायक पुष्पा देवी व पूर्व सांसद मनोज कुमार ने भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय रांची में झारखंड के प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने पर पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी को पुष्प गुच्छ देकर स्वागत व बधाई दी। इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री सह प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा की हम सभी एक टीम का हिस्सा है और मिलकर काम करना ही हमारी मजबूती है।

अवैध संबंध के शक मे पत्नी की हत्या

सतबरवा। थाना क्षेत्र के सलैया गांव निवासी विजय परहिया ने पत्नी फुनका देवी 25 वर्ष की हत्या कर दी। हत्या अवैध संबंध के शक मे शुक्रवार की रात में लगभग एक बजे साड़ी से गला घोंट कर की गई और शनिवार की सुबह उसने सतबरवा थाना में सरेंडर कर दिया । पुलिस ने विजय परहिया के निशान देही पर शनिवार की सुबह शव को औरंगा नदी के किनारे ढोढा से बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए एमएमसीएच मेदिनीनगर भेंज दिया है। जबकि हत्यारे को पुलिस ने न्यायिक हिरासत में भेंज दिया । मृतक की मां मान्ती देवी ने सतबरवा थाना में अपने दामाद विजय परहिया के साथ तीन अन्य लोगों पर हत्या का आरोप लगाते हुए सतबरवा थाना में आवेदन दिया है। इस संबंध में सतबरवा थाना प्रभारी अमीत कुमार सोनी ने बताया कि पुलिस हत्या के सभी पहलुओं पर जांच कर रही है।

झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड के विशेष छापेमारी अभियान में

सात लोगों पर अवैध कनेक्शन से उपभोग के लिए प्राथमिकी दर्ज

5000 रुपए से अधिक के बकायेदारों के खिलाफ भी ऐसी कार्रवाई की जायेगी : कनीय अभियंता

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड के द्वारा चलाए गए विशेष छापेमारी अभियान में शनिवार को 7 लोगों को अवैध कनेक्शन से बिजली का उपभोग करते पाए जाने पर उन सभी के खिलाफ मोहम्मदगंज थाने में बिजली अधिनियम 2003 की धारा 135 के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। जिन लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई है, उनमें बबिता देवी कीसुंडीह मोहम्मदगंज, राजकुमार शर्मा, बच्चन शर्मा, विजय राम, निर्मला देवी, एस कुमार शर्मा, मनोजशर्मा सभी लटपोरी के नाम शामिल हैं।

अवर विद्युत प्रमंडल जपला के कनीय अभियंता प्रदीप कुमार सिंह ने एफआईआर दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि इन सभी पर 6000-6000 रुपया कुल 42,000 रुपए जुर्माना भी लगाया गया है। उन्होंने बताया कि इनमें पहले से ही विजय राम पर 23905 रुपए बिजली बिल का बकाया है। इस वजह से उनका कनेक्शन विच्छेदित कर दिया गया था। बावजूद इसके दोनों विद्युत विच्छेदित घरेलू परिसर में बिना वैध संबंध लिए विद्युत ऊर्जा की घरेलू चोरी करते पाए गए। इस अभियान में इनके अलावा सहायक अभियंता संजय कुमार, मानव दिवसकर्मी जितेंद्र ठाकुर, ललितेश्वर मेहता, रविशंकर सिंह रंजय कुमार शामिल थे। कनीय अभियंता ने बताया कि आगे भी छापेमारी अभियान में 5000 रुपए से अधिक के बकाएदारों के खिलाफ भी ऐसी कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने ऐसे बकाएदारों को इससे बचने के लिए यथाशीघ्र बकाए बिल का भुगतान करने की हिदायत की है।

बीडीओ ने पीडीएस दुकानों की जांच कर दिये कई निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

विश्रामपुर। शनिवार को विश्रामपुर प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रशांत हेंब्रम ने नगर परिषद अंतर्गत रेहला के पीडीएस दुकानों की जांच की। जिसमें बीडीओ ने डीलरो को समय पर राशन वितरण करने तथा नियमित दुकान खोलने का निर्देश दिया। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि ग्रीन कार्ड धारियों का जनवरी माह का राशन तथा अंत्योदय व लाल कार्ड धारियों का जुलाई माह तक का राशन सभी डीलरो को प्राप्त हो चुका है। जिसे लाभुक उठा सकते है। बीडीओ ने कहा डीलरो की कोई भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं कि जायेगी।

जपला आरपीएस स्कूल में वन महोत्सव का आयोजन

हुसैनाबाद। आरपीएस पब्लिक स्कूल जपला में वन महोत्सव के उपलक्ष्य पर सभी कक्षाओं के छात्र-छात्राओं के द्वारा विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं एवं गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं के बीच वृक्षारोपण, पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता, इंटर हाउस बोर्ड डेकोरेशन आदि कार्यक्रम आयोजित किये गये। इस अवसर पर प्री प्राईमरी के छात्र-छात्राओं ने ग्रीन डे के रूप में इस दिन को हरा-भरा बनाया तथा चारों दिशाओं में अपने नृत्य एवं गीतों के माध्यम से हरियाली का झंडा लहराया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य श्री मनुज शर्मा ने फलदार वृक्ष लगाकर सभी छात्र छात्राओं को प्रोत्साहित किया तथा उन्होंने कहा कि पर्यावरण को स्वच्छ एवं हरा भरा बनाना हमारा ही कर्तव्य है। इस अवसर पर सभी शिक्षक शिक्षिकाओं ने अपना भरपूर सहयोग दिया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष से मिले हुसैनाबाद क्षेत्र के पार्टी नेता

हुसैनाबाद। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सह पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी से हुसैनाबाद विस क्षेत्र के पार्टी नेता सह प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रविन्द्र कुमार सिंह और अविनाश वर्मा ने शिष्टाचार मुलाकात की। उन्होंने हुसैनाबाद विधानसभा क्षेत्र में पार्टी की गतिविधि सहित संगठन विस्तार पर चर्चा के दौरान कहा कि संपूर्ण विधानसभा क्षेत्र के उपरवार भूमि में सिंचाई की मुक्कमल व्यवस्था नहीं रहने से आज भी वर्षाभाव के बीच छोटे व मध्यम दर्जे के किसान आसमान ताकते हैं। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र के मोहम्मदगंज भीम बैराज से निकली एकमात्र उत्तर कोयल मुख्य नहर से एक तिहाई ही भूमि सिंचित हो पाती है।

भव्य भंडारे का होगा आयोजन

सावन माह सोमवारी पर अष्टभुजी मंदिर से निकलेगी कांवर यात्रा

कावर यात्रा में कांवरिया आठ किलोमीटर पैदल चल कर रेहला कोयल तट जायेंगे

नवीन मेल संवाददाता

विश्रामपुर। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सावन के पवित्र महीने में सोमवारी पर विश्रामपुर के नावाडीह आरसीआईटी कॉलेज परिसर में स्थित अष्टभुजी व शिव-पार्वती मंदिर से कांवर शोभायात्रा निकाली जायेगी। इसकी जानकारी आज भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य डॉ ईश्वर सागर चंद्रवंशी ने विश्रामपुर के नावाडीह कला स्थित

आरसीआईटी कॉलेज परिसर में प्रेसवार्ता कर पत्रकारों को दी। उन्होंने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सावन माह के पवित्र महीने में सभी सोमवारी को मंदिर से कावर यात्रा निकलेगी जिसमें कांवरिया आठ किलोमीटर पैदल चल कर रेहला कोयल तट जायेंगे।जहां से कलश में जल भरकर वापस मंदिर पहुंचेंगे तथा वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच शिव-पार्वती सहित सभी देवी-देवताओं के प्रतिमाओं का जलाभिषेक किया जायेगा।मंदिर प्रबंधन द्वारा भव्य भंडारे का भी आयोजन किया गया है।जिसमे सैकड़ो श्रद्धलू प्रसाद ग्रहण करेंगे।प्रेसवार्ता में विधायक के जिला प्रतिनिधि रामचंद्र यादव, इंद्रीश हवरी, उखमजी यादव, मजमुदिं अंसारी सहित कई लोग मौजूद थे।

जनता की समस्याओं को दूर करने का निरंतर प्रयास जारी है : प्रमिला

मेदिनीनगर। नगर निगम क्षेत्र के वार्ड नंबर 31 में जल संकट की समस्या को देखते हुए कुछ महीने पहले ही नगर निगम बोर्ड की बैठक में यहां की प्रथम पार्षद प्रमिला देवी ने जल संकट की समस्याओं को उठाया था। जहां बोर्ड की बैठक में पारित करते हुए सभी वार्डों में 3 - 3 चापाकल उपलब्ध कराये गये थे।आज वार्ड 31की प्रथम पार्षद प्रमिला देवी ने अपनी निगरानी में पूजा अर्चना कर बोरिंग कराने का कार्य प्रारंभ कराया। मौके पर पार्षद प्रमिला देवी ने कहा कि चापाकल लगाने से जल संकट की समस्या का स्थाई निदान तो नहीं होगा, किन्तु अपने क्षेत्र की जनता को थोड़ी राहत जरूर पहुंचेगी । स्थाई रूप से समस्या दूर करने के लिए सेकंड फेज की पाइप बिछवाकर क्षेत्र की जनता को शुद्ध पेयजल पहुंचाने की जरूरत है।

लापता प्रेमी प्रेमिका परिणय सूत्र में बंधे

हैदरनगर देवी मंदिर में हुई दोनों की शादी

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। पलामू जिले के हैदरनगर (पूर्वी) पंचायत के टोला नोनियाडीह निवासी कमलेश चौहान के पुत्र पंकज कुमार व मनोज चौहान की पुत्री सुनीता कुमारी के माता पिता अंततः दोनों की देवी धाम में शादी कराने को राजी हो गये। उक्त युवक व युवती गत पांच दिनों से घर छोड़कर फरार हो गये थे। मामला मुखिया संतोष कुमार सिंह व खरडीहा पंचायत के मुखिया जितेन्द्र सिंह के समक्ष दोनों पक्षों ने रखा था। युवक युवती सजातिय हैं। दो दिन पूर्व दोनों के माता पिता के साथ मुखिया सहित कई प्रबुद्ध लोगों ने बैठक कर उनकी देवी धाम में शादी कराने पर सहमति ली। शनिवार को मंदिर के मुख्य द्वार पर देवी माता को साक्षी मानकर उक्त प्रेमी प्रेमिका को परिणय सूत्र में पुरोहित पं. मुकेश दूबे, महेन्द्र दूबे ने विधिवत वैदिक मंत्रोच्चार के साथ बांधने का कार्य किया। दोनों की उम्र 20 वर्ष बतायी जाती है।

लेस्लीगंज कांग्रेस की कार्यकारिणी की बैठक में 24 चुनाव की तैयारी पर चर्चा

मेदिनीनगर। पांकी विधानसभा के प्रखंड लेस्लीगंज में शनिवार को प्रखंड कांग्रेस कमेटी की कार्यकारिणी की बैठक आयोजित की गई। मौके पर अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष सुरेंद्र शुक्ला के द्वारा की गयी । बैठक में मुख्य अतिथि जिला अध्यक्ष जैश रंजन पाठक ऊर्फ बिट्टू पाठक एवं विशिष्ट अतिथि जिला राज्य सभा सांसद प्रतिनिधि ओम प्रकाश अमन की उपस्थित हुए। बैठक में कार्यक्रम प्रभारी सुरेश पाठक एवं सह प्रभारी शमीम अंसारी भी उपस्थित हुए। प्रखंड कमेटी एवं मंडल कमेटी के संयुक्त बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष ने कहा कि कार्यकताओं के बल पर लोकसभा एवं विधानसभा में कांग्रेस पार्टी परचम लहरागी। प्रखंड, मंडल, पंचायत अध्यक्षों को निर्देश दिया गया कि जल्द से जल्द लक्ष्य 2024 को लक्ष्य बनाकर कार्य को प्रारंभ करें उन्होंने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा का यह परिणाम है कि काफी संख्या में युवा महिला किसान एवं आम आवाम कांग्रेस के साथ जुड़ रहे हैजिला अध्यक्ष बिट्टू पाठक आगे कहां की जिस प्रकार देश के प्रधानमंत्री और गृह मंत्री नफरत की राजनीति कर रही है उसी प्रकार चतरा का सांसदों या पाकी का विधायक हो वह भी नफरत फैलाने की राजनीति कर रही है जो जनता जान चुकी है और जनता पहचान चुकी है। देश की जनता समझ चुकी है कांग्रेस के नेतृत्व में ही संविधान और लोकतंत्र बचाया जा सकता है। जिसका जवाब देश की जनता 2024 के लोकसभा में देगी बैठक का संचालन राघव तिवारी ने कियाबैठक में प्रमुख रूप से जिला उपाध्यक्ष तालकेश्वर पासवान, 20 सूत्री अध्यक्ष नंदकिशोर सिंह, प्रखंड प्रभारी सुरेश पाठक एवं सह प्रभारी शमीम अंसारी कोषाध्यक्ष, अजय साहू, नंदकिशोर मिश्रा ,मंडल अध्यक्ष अर्जुन सिंह, मंडल अध्यक्ष राजू पासवान, अभिमन्यु मेहता, मंगल पांडे वेदनाथ चौधरी, नगीना चौधरी आदि शामिल हुए।

प्लस टू उच्च विद्यालय सोहड़ी खास में बाल संसद का चुनाव

नवीन मेल संवाददाता

सतबरवा। प्रखंड के स्तरोन्नत प्लस टू उच्च विद्यालय सोहड़ी खास में बाल संसद का चुनाव शांति पूर्वक संपन्न हुआ। जिसमें सरस्वती कुमारी को प्रधानमंत्री, मुन्नी कुमारी को शिक्षा मंत्री, रवनीत कुमार को स्वास्थ्य मंत्री ,अनिता कुमारी को स्वच्छता मंत्री ,छोटू यादव को सुरक्षा एवं न्याय मंत्री, कांग्रेश कुमार को पोषण मंत्री ,प्रियंका कुमारी को उपस्थिति मंत्री, सुशीला कुमारी को कौशल विकास मंत्री, निरंजन उरांव को पर्यावरण मंत्री, यशवंत कुमार सिंह को खेलकूद एवं संस्कृति मंत्री ,बबीता कुमारी को सूचना एवं संपर्क मंत्री का पदभार सौंपा गया वही मनोनीत सदस्य के रूप में अर्चना कुमारी ,बेबी कुमारी, पूजा कुमारी ,अखिलेश यादव, गोविंदा कुमार गुप्ता ,अनुपा कुमारी को नामित किया गया। नए सत्र के प्रारंभ में हर वर्ष बाल संसद का चुनाव, मतदान की पूरी प्रक्रिया अपनाकर किया जाता है। उसके बाद बाल संसद के सदस्य आपस में मिलकर एक मंत्रिमंडल का गठन करते हुए मिलकर प्रधानमंत्री का चुनाव करते हैं। निवार्ची पदाधिकारी के रूप में विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक भरदूल कुमार सिंह, पर्यवेक्षक में अर्पण कुमार गुप्ता, अभिजीत सतीश बारा, मतगणना पर्यवेक्षक में संतोष कुमार शर्मा और विधि व्यवस्था में नंद किशोर सिंह व कौशल किशोर,व व्यवस्था में राजकिशोर प्रसाद ने भाग लिया विजयी उम्मीदवारों को निवार्ची पदाधिकारी हेडमास्टर साहब ने सर्टिफिकेट प्रदान किया और उनके दायित्वों को ठीक ढंग से समझाते हुए शुभकामनाएं दी।

आजसू का प्रमंडलीय कार्यकर्ता सम्मेलन 23 जुलाई को

मेदिनीनगर। आजसू पार्टी का प्रमंडलीय कार्यकर्ता सम्मेलन मेदिनीनगर टाउन हॉल में आयोजित होगा। लातेहार गढवा व पलामू जिला के सभी प्रखंड के कार्यकताओं व सभी अनुसांगीक इकाई के पदाधिकारी व कार्यकर्ता शामिल होंगे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से मिशन 2024 की तैयारी व झारखण्ड सरकार के असफलता व झुठ फरेब लुट भ्रष्टाचार व झारखण्डी जनता के खिलाफ सरकार की नीतियों को उजागर किया जाएगा। पार्टी के केन्द्रीय सचिव सह गढवा जिला प्रभारी सतीश कुमार ने कहा कि हेमंत सोरेन के नेतृत्व में यूपीए सरकार उसूल की नही वशुली की सरकार चला रही हैं। झारखंड के एस टी, ए सी, ओबीसी व अल्पसंख्यक समुदाय सबसे ज्यादा उत्पीडित है।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल सं.– 02 गढ़वा
ई–निविदा सूचना सं0–RDD/SD/GARHWA/07/2023-24

CORRIGENDUM (शुद्धिपत्र)

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि इस प्रमण्डल द्वारा आमंत्रित ई–निविदा आमंत्रण सूचना सं0– **RDD/SD/GARHWA/07/2023-24, PR 301113 Rural Development (23-24).D** द्वारा प्रकाशित निविदा में अपरिहार्य कारणों से कंडिका 03, 04, 05 एवं कंडिका–08 में आंशिक संशोधन करते हुए पूर्व NIT के निविदा आमंत्रित की जाती है, शेश कंडिकाएँ यथावत् बनी रहेंगी।

3. ई–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय दिनांक–03.07.2023 से दिनांक–10.07.2023 को अपराह्न 5:00 बजे तक के स्थान पर 03.07.2023 से दिनांक–14.07.2023 को अपराह्न 5:00 बजे तक पढ़ा जाय।
4. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय दिनांक–03.07.2023 से दिनांक–13.07.2023 (कार्यालय अवधि तक) के स्थान पर दिनांक–03.07.2023 से दिनांक–18.07.2023 पढ़ा जाय।
5. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि जमा करने का स्थान :– जिला नियंत्रण कक्ष, पलामू की जगह जिला नियंत्रण कक्ष, गढ़वा।
8. निविदा खोलने की तिथि एवं समय–दिनांक–14.07.2023 अपराह्न 2:00 बजे के स्थान पर दिनांक–19.07.2023 अपराह्न 2:00 बजे पढ़ा जाय।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल सं.–02
गढ़वा।

PR 301794 Rural Development(23-24)D

कार्यालय : जिला परिषद,चतरा
(E.mail: districtboardchatra@gmail.com)

–: शुद्धि पत्र :–

इस कार्यालय के पत्रांक 753/जि0प0, दिनांक 04.07.2023 द्वारा आमंत्रित सूचना जो (PR No. 301601 District (23-24) # D) से प्रकाशित है में निम्न प्रकार आंशिक संशोधन किया जाता है–

क्र	कार्य का नाम
1	चतरा नगर परिषद चतरा अन्तर्गत परिसदन भवन में 5KWH का सोलर रूफ टॉप अधिष्ठापन कार्य।
2	गोपनीय शाखा (उपायुक्त चतरा) में 5KWH का सोलर रूफ टॉप अधिष्ठापन कार्य।

शेष शर्तें यथावत् रहेगी।
जिला अभियंता,
जिला परिषद, चतरा

PR 301839 District(23-24).D

उपायुक्त–सह–जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय, लोहरदगा।

(जिला योजना)

शुद्धि पत्र

प्रकाशित **PR No. 301242** एवं इस कार्यालय के पत्रांक 974 दिनांक 01.07.2023 द्वारा नीति आयोग, भारत सरकार से प्राप्त Award Money अन्तर्गत लोहरदगा जिला के कुडू प्रखण्ड के जीमा पंचायत में दुग्ध आधारित खाद्य उत्पादन केन्द्र की स्थापना हेतु मशीन, उपकरण एवं अन्य आवश्यक सामग्रियों के आपूर्ति, अधिष्ठापन, FPO को उपकरण संचालन का प्रशिक्षण और 01 वर्श रख–रखाव हेतु ईच्छा की अभिव्यक्ति (Expression of Interest) की सूचना प्रकाशन कर दिनांक 11.07.2023 के 11:30 बजे पूर्वा0 तक आमंत्रित की गयी थी, अपरिहार्य कारणों से बीड आमंत्रण तिथि में आंशिक संशोधन करते हुए दिनांक 13.07.2023 को 11:30 बजे अप0 तक आमंत्रित की जाती है, जिसका निष्पादन दिनांक 13.07.2023 को अप0 12:30 बजे से किया जायेगा।

इस हद तक पूर्व प्रकाशित बीड हेतु आमंत्रण तिथि संबंधी सूचना संशोधित समझी जायेगी।

ह0/–
उपायुक्त,
लोहरदगा।

PR 301845 Lohardaga(23-24)D

NEWS इन ब्रीफ

हादसे को आमंत्रण दे रहे हैं बिजली के जर्जर तार : अरविन्द

मेदिनीनगर। छतरपुर बारिश शुरू होने के बाद इलाके में जर्जर तारों के कारण लोगों की परेशानी बढ़ने के साथ आये दिन जर्जर तारों के टूट जाने से बिजली आपूर्ति बाधित हो जाती है और जान माल का भी खतरा बना रहता है। ताजा मामला नगर मुख्यालय अंतर्गत दास मुहल्ले का है जहां जर्जर बिजली के तार टूट गया था जिसके चपेट में आने से कई लोग बच गए। तत्काल सूचना देने के बाद कार्यपालक अभियंता ने मरम्मत सुनिश्चित करा कर बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करायी। यहां लगे तार जर्जर हो गए तथा दुर्घटना को आमंत्रण दे रहे हैं। इस सबन्ध में नगर पंचायत के पूर्व अध्यक्ष पद के प्रत्याशी अरविन्द गुप्ता चुनमुन ने दास मुहल्ला निवासी प्रदीप सिंह और अरविन्द विश्वकर्मा के साथ जर्जर तारों के जगह पर कवर वायर लगाने हेतु बिजली विभाग के कार्यपालक अभियंता के नाम से कार्यालय को आवेदन सौंपा है।

अनुसंधान केन्द्र में मक्का व अरहर की खेती की दी गई जानकारी

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र चियाँकी, पलामू के निक्रा परियोजना के अन्तर्गत ग्राम चिरोजिया एवं सिरहे जिला गढ़वा के कृषकों को आज दिनाँक 08/07/2023 को प्रशिक्षण सह बीज वितरण का कार्यक्रम का आयोजन किया गया।इस अवसर पर क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र चियांकी के वैज्ञानिक प्रमोद कुमार ने कृषकों को अरहर और मक्का की खेती के बारे में बताया कहा कि मक्का और अरहर दोनों सिथी लाइन से बुआई करे और रो से रो की दूरी 60 सेमी. रखें और साथ में कम पानी में कैसे खेती करें ये भी बताया। निक्रा परियोजना के सहायक अभिषेक परेल ने धान की सीधी बुआई के बारे में विस्तार पूर्वक बताये। इसके उपरांत बीज वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें धान के प्रवेद बीयूडी-203, मक्का बीबीएम-2 और अरहर प्रमेद क एपी- 203 बीज का वितरण किया गया।इस अवसर पर संस्थान के अमित विश्वकर्मा, अजय ठाकुर, इस्ताक आलम मौजूद थे।चिरौजिया गाँव के प्रगतशील किसान रामचन्द्र महतो, राम जी, महावीर, संगीता देवी, विमाला देवी, कुत्ता देवी एवं सिरेह के कुलदीप महतो, ब्रिजलाल, विकेश महतो सहित 35 कृषको ने वीज वितरण सह पशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

हाई स्कूल का दर्जा देने व चहारदीवारी निर्माण की मांग

सतबरवा । प्रखंड बारी पंचायत के मुखिया निरोतमा कुमारी ने शनिवार को पलामू उपायुक्त से मुलाकात कर बारी पंचायत के राजकीय मध्य विद्यालय को हाई स्कूल दर्जा दिलाने व चहारदीवारी बनाने की मांग से संबंधित आवेदन दिया है, जिसमें एक सौ से ज्यादा ग्रामीणों के हस्ताक्षर हैं। मुखिया निरुपमा कुमारी ने डीसी पलामू से अनुरोध करते हुए कहा कि मिडिल स्कूल पास करने के बाद बच्चों को यहां से 7 से 8 किमी दूर सतबरवा या सरजा पोलपोल जाना पडता है। जिससे बच्चों व अभिभावकों को काफी परेशानी होती है।

अंधकार में डूबे है लकड़मुड़ी टोला के ग्रामीण : शत्रुघ्न

मेदिनीनगर। नावाबाजार प्रखण्ड के रबदा ग्राम पंचायत के लकड़मुड़ी टोला में पिछले 15 दिनों से विद्युत आपूर्ति बाधित होने की वजह से भीषण अंधकार में डूबे रहने के खिलाफ ग्रामीणों ने झारखण्ड क्रांति मंच के बैनर तले आक्रोशपूर्ण प्रतिवाद सभा की। सभा की अध्यक्षता राजेश राम व संचालन अमित राम ने किया। कार्यक्रम में झारखण्ड क्रांति मंच के संस्थापक सह केन्द्रीय अध्यक्ष शत्रुघ्न कुमार शत्रु मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे।जले हुए ट्रांसफर के पास सैकड़ों की संख्या में उपस्थित महिलाओं व पुरुषों ने बिजली विभाग की भीषण उदासीनता पर गहरा आक्रोश व्यक्त करते हुए शीघ बिजली आपूर्ति शुरू करने की मांग से सम्बन्धित नारेबाजी की।सभा में उपस्थित नावाबाजार प्रखण्ड की पूर्व प्रमुख रेणु देवी ने बिजली विभाग को सुधरने की चेतावनी दिया।सभा को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि झारखण्ड क्रांति मंच के संस्थापक सह केन्द्रीय अध्यक्ष शत्रुघ्न कुमार शत्रु ने कहा कि पिछले 15 दिनों से अंधकार में डूबे इस टोले के ग्रामीण काफी परेशान हैं।

मेदिनीनगर। अभी मौनसून ने अपना रंग भी नहीं दिखाया है। बरसात तो अभी बाकी है। लेकिन हल्की बरसात ने ही विकास के दावो की पोल खोलनी शुरू कर दी है। चैनपुर की मुख्य सडके जलमग्न होने लगी है। तस्वीर मेदिनीनगर नगर निगम के चैनपुर वार्ड न.34 के थाना मोड़ पूरनचंद चौक के मुख्य सड़क की है। आज दोपहर बाद हुई हल्की वर्षा के बाद सड़क पर वर्षा का पानी जमा हो गया है। इससे सड़क पर चलना मुश्किल हो गया है। जल जमाव से सड़क पर तालाब का दृश्य दीख रहा है।

बकायेदार बिजली के उपभोक्ताओं के लिए थी योजना

पलामू में ओटीएस योजना का दिखा आंशिक असर

डालटनगंज विद्युत प्रमंडल में 12 हजार बिजली उपभोक्ता हैं

केवल 2818 बकायेदार उपभोक्ताओं ने ही ओटीएस का लाभ लिया

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। राज्य सरकार ने एक अप्रैल से 30 जून तक ओटीएस योजना चलायी। यह योजना बकायेदार बिजली के उपभोक्ताओं के लिए थी। इस ओटीएस में सरकार ने डीपीएस के माफ करने की गारंटी दी थी। सरकार ने इस गारंटी को निभाया, लेकिन बकायेदार बिजली के उपभोक्ता ने इसका पूरा लाभ नहीं उठाया। डालटनगंज विद्युत प्रमंडल में 12 हजार बिजली उपभोक्ता हैं। इनमें से केवल 2818 बकायेदार उपभोक्ताओं ने ही ओटीएस का लाभ लिया। 9000 से कुछ ऊपर बकायेदारों के पास आज भी बिजली विभाग के करोड़ों रुपये बाकी है। इस ओटीएस योजना अवधि में डालटनगंज प्रमंडल में चार करोड़ 48 लाख 10 हजार 29 रुपये 2818 उपभोक्ताओं से वसूले गये। बिजली विभाग ने 2 करोड़ 23 लाख 21 हजार 6 सौ पचासी रुपये, जो डीपीएस हुआ उसे माफ कर दिया। यह एक बड़ी राशि रही। विद्युत विभाग के कार्यपालक अभियंता शंभूनाथ चौधरी ने बिजली उपभोक्ताओं से आग्रह किया है कि वे अपने बकाए बिजली बिलों को यथाशीघ्र पेमेंट कर दें। उन्होंने बताया है कि ओटीएस योजना के अधीन 64 कैंप लगाया गए, जिनमें बकायेदार बिजली उपभोक्ताओं को इस योजना के लाभ के बारे में जानकारी दी गई और बकाए बिलों का भुगतान भी लिया गया। शंभूनाथ चौधरी ने जानकारी दी कि विभाग ने ऑनलाइन ऊर्जा संवाद शुरू किया है, जिसमें बिजली के उपभोक्ता अपनी देनदारी के बारे में जानकारी लेकर बिल को अदा कर सकते हैं।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले चिकित्सक कादिर परवेज हुए सम्मानित

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने आयुष्मान भारत व मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत राज्य में बेहतर काम करने वाले चिकित्सक कादिर परवेज को सम्मानित किया है। बताते चलें कि कादिर परवेज पलामू के जाने-माने चिकित्सक है। उन्होंने अपने कार्यकाल में कई तरह के सफल ऑपरेशन कर लोगों के जीवन को बचाने का काम किया है।उनके सम्मानित होने पर पांकी रोड रेडमा के मईया बाबू हॉस्पिटल में जश्न का माहौल है। हॉस्पिटल के सभी स्टाफ के द्वारा डॉक्टर कादिर परवेज को फूल और माला पहनाकर उन्हें सम्मानित किया गया। मौके पर डॉक्टर कादिर परवेज ने कहा कि यह सम्मान हमारा नहीं बल्कि पलामू के लोगों का है जो हमें बेहतर चिकित्सक के रूप में मानते हैं। मौके पर डॉ राजेश मालवा भी मुख्य रूप से उपस्थित थे उन्होंने डॉक्टर कादरी प्रवेश को सम्मानित होने पर धन्यवाद दिया है।

राजकीयकृत +2 उवि. हैदरनगर में कक्षा 11 वीं का नामांकन शुरु

हुसैनाबाद। पलामू जिले के हैदरनगर प्रखंड के हाईस्कूल से पास विद्यार्थियों का 11 वीं कक्षा में नामांकन सोमवार से शूरु होगा। प्राचार्या गंगा अग्रवाल ने बताया कि जो परीक्षार्थी 90 प्रतिशत या इससे अधिक प्राप्तांक लाये हैं। उनका सीधे प्रवेश 10 से 14 जुलाई तक लिया जायेगा। उन्होंने बताया कि इसके लिए इच्छुक विद्यार्थीयों को फॉर्म 9. 30 बजे से 10. 30 बजे तक नामांकन फार्म दिया जायेगा। जबकि नामांकन का समय 11. 00 बजे से दोपहर 1. 00 बजे तक रहेगा।

हेल्थ मैप सेंटर के क्वालिटी मैनेजर ने रजिस्टर पंजी की जांच की

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। हेल्थ मैप सेंटर के क्वालिटी मैनेजर संदीप सिंह और हरीश गुलिया दिल्ली से शनिवार को मेदनीनगर सदर अस्पताल हेल्थ मैप सेंटर पहुंचे। वहां पर उन्होंने हेल्थ मैप सेंटर में होने वाले सीटी स्कैन ,एक्सरे, अल्ट्रासाउंड की रिपोर्ट सहित अन्य कागजात की जांच की। जांच के उपरांत हेल्थ मैप सेंटर के सभी रजिस्टर पंजी को सही पाया गया। इसके बाद क्वालिटी मैनेजर के द्वारा हेल्थ मैप सेंटर के मैनेजर शैलेंद्र कुमार सिंह से यहां पर मरीजों को होने वाले असुविधाओं के बारे में जानकारी ली गई। जानकारी देते हुए मैनेजर शैलेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि यहां पर मरीजों को बैठने के लिए उचित व्यवस्था का होना बहुत जरूरी है,इसके अलावा जो मरीज यहां पर अपना सीटी स्कैन, एक्सरे करवाने आते हैं उनको बाथरूम आने जाने में काफी असुविधा होती है उसकी समुचित व्यवस्था की जाय। इसके अलावा हेल्थ मैप सेंटर में असुविधाओं का घोर अभाव है इसकी भी व्यवस्था कराया जाए। इन सभी समस्याओं को सुनकर क्वालिटी मैनेजर ने कहा कि जल्द ही सदर अस्पताल के हेल्थ मैप सेंटर में मरीजों को सुविधा के साथ साथ हर तरह की परेशानियों को दूर किया जाएगा।

अधिवक्ता पुत्री की बरामदगी के लिए एसपी को आवेदन

मेदिनीनगर। अधिवक्ता द्वारा अपनी पुत्री के वापस घर नहीं लौटने की लिखित गुहार लगाने के बावजूद प्राथमिकी दर्ज नहीं करने पर पलामू जिला अधिवक्ता संघ कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त है। अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष रामदेव प्रसाद यादव ने कहा की सारे अधिवक्ता गण में बहुत रोष व्याप्त है। उन्होंने कहा की अधिवक्ता गण के आक्रोश को देखते हुए उन्होंने पलामू एसपी को शुक्रवार को पत्र दिया है। जिसमें कहा गया है की अधिवक्ता प्रभु शर्मा की पुत्री शालनी कुमारी के महाविद्यालय से घर वापस नहीं आने की स्थिति में अविलम्ब कानूनी कारवाई करने के लिये लिखित आग्रह के बाद भी अब तक प्राथमिकी दर्ज नहीं किए जाने और न ही अब तक अधिवक्ता पुत्री की बरामदगी की कोई सूचना नहीं मिलने की स्थिति में पलामू जिला अधिवक्ता संघ को आन्दोलन करने पर मजबूर होना पड़ सकता है। संघ द्वारा एसपी को लिखे पत्र में कहा गया है की पलामू जिला अधिवक्ता संघ द्वारा 30 जून को दिए गए पत्र के आलोक में पुनः कहना है कि ज्योत्सना देवी, पति प्रभू कुमार शर्मा, अधिवक्ता द्वारा 20 जून को शहर थाना, मेदिनीनगर में अपनी पुत्री शालनी कुमारी की महिला महाविद्यालय से घर वापस नहीं आने संबंध में लिखित आवेदन दिया। बाद में 28 जून को एसपी ने नाम दिए आवदेन में अपने शहर थाना में दिए आवेदन का जिक्र करते हुए अभी तक पुत्री शालनी कुमारी घर वापस नहीं आने का जिक्र किया था। संघ के अध्यक्ष ने एसपी से पुनः आग्रह करते हुए कहा है की अधिवक्ता की पुत्री शालनी कुमारी की बरामदगी हेतू कानूनी कारवाई करने की कृपा की जाय।

दो जोड़ी बैल के जगह ट्रैक्टर ने ले ली है

बदलते जमाने के साथ खेती करने का स्वरूप बदला

ओम प्रकाश प्रजापति

मेदिनीनगर। पलामू में किसानो का अब खेत और बैल का रिश्ता टूटने लगा है। पहले हर किसान के पास दो जोड़ी बैल होते थे, लेकिन आज स्थान ट्रैक्टर ने ले लिया है। मशीनों के बढ़ते प्रयोग ने किसानों को एडवांस बना दिया है। अब जुताई रोपाई, कटाई से लेकर अनाज साफ करने तक में किसान मशीनों का प्रयोग कर रहे हैं। नई कृषि प्रौद्योगिकी ने बीज, उर्वरक,पौधा संरक्षण और सिंचाई सहित खेती की अन्य गतिविधियों में किसानों को अधिक सक्षम बना दिया है। किसान अब व्यवसायिक रूप से खेती कर आत्मनिर्भर बन रहे हैं और गरीबी उन्मूलन में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। वही आज के समय में तकनीक ने खेती के स्वरूप को बदल दिया है।बैलों का पालना काफी खचीर्ला होता जा रहा है, जहां गांव के मवेशी चरते थे, वे खेत अब बिक चुके हैं। वहां उस स्थान घर व मकान बन गये।चारागाह की कमी के साथ ही गांव में खेत जोतने वाले मजदूरों की कमी होती जा रही है। इसके कारण किसान अब मशीनों की सहायता ले रहे हैं।पुरानी परंपरा को जीवित रखने के लिए किसान के पास दो जोड़ी बैल के सिर्फ यादें ही रह गई है। पहले किसान परंपरागत खेती में बैलों से जुताई और बैलगाड़ी के जरिये फसलों व अनाज की ढुलाई करते थे। खेत से खलिहान तक, खलिहान से घर तक और घर से बाजार तक किसान बैलगाड़ियों से अनाज ढोते थे। गांव में बढ़ई का काम कृषि यंत्र बनाना होता था। वह बैलगाड़ी के चक्के, बक्खर और हल बनाता था।

डेंगू रोधी माह
(जुलाई 2023)

डेंगू/चिकनगुनिया संक्रमित एडिस मच्छर के काटने से होता है

याद रखें- प्रत्येक रविवार दिन में 10 बजे, 20 मिनट- अपने घर एवं आस पास मच्छरों के प्रजनन को रोकने हेतु आवश्यक उपाय करें।

क्या करें

- डेंगू/चिकनगुनिया फैलाने वाले एडिस मच्छर साफ पानी में ही पनपते हैं, इसलिए पानी के बर्तनों, पानी की टंकी आदि को ढक कर रखें। घर के आस-पास सफाई रखें।
- जब भी सोयें, मच्छरदानी के अंदर ही सोयें।
- एडिस मच्छर हमेशा दिन के समय काटते हैं, इसलिए पूरे शरीर को ढकने वाले कपड़े पहनें।
- डेंगू/चिकनगुनिया बुखार के उपचार के लिए कोई विशेष दवा नहीं है। अगर डेंगू/चिकनगुनिया के लक्षण दिखाई दे, तो तुरंत चिकित्सक से संपर्क करें।
- मच्छरों से बचाव के लिए घर की खिड़की तथा दरवाजे पर जाली लगवायें

क्या नहीं करें

- घर के आस-पास या छत पर प्रयोग में न आने वाले बर्तन, टायर आदि न रखें एवं घर में कूलर, बाल्टी, फूलदान, फ्रिज ट्रे में पानी जमा नहीं होने दें।
- टूटे हुए बर्तन, प्रयोग में नहीं आने वाली बोतलें, टिन, बेकार के टायरों को जमा न रखें, क्योंकि बारिश के मौसम में इन्हीं में पानी जमा होता है, जिसमें एडिस मच्छर पनपते हैं।
- बिना मच्छरदानी के नहीं सोयें।
- शरीर को पूरी तरह न ढकने वाले कपड़ों का प्रयोग नहीं करें।
- बुखार होने पर उसे अनदेखा नहीं करें।
- बगैर जाली लगे खिड़की तथा दरवाजे शाम एवं सुबह में खुले न रखें, क्योंकि इस समय मच्छरों का प्रकोप अधिक रहता है।

तेज बुखार, जोड़ों एवं मांसपेशियों में दर्द को अनदेखा न करें, यह डेंगू/चिकनगुनिया हो सकता है।

ये लक्षण दिखाई दें, तो तुरंत चिकित्सक से संपर्क करें।

104 स्वास्थ्य सलाह के लिए डायल करें

स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग, झारखण्ड सरकार

PR No. 301877 (Health Med Edu and Family Welfare) 2023-24

रंका के बाहाहारा पंचायत के पांच गावों में मंत्री ने किया जनसंवाद

'जन समस्या का निदान करना मेरा धर्म'

नवीन मेल। रंका/गढ़वा

गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने शनिवार को रंका प्रखंड के बाहाहारा पंचायत में जनसंवाद कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान पंचायत के गौरगाड़ा गांव में दुर्गा मंडप के समीप, चटकमान गांव में स्कूल के बगल में, गासेदाग गांव में स्थित चार मुहान पीपल पेड़ के समीप, जासोबार गांव में बड़का आम के समीप तथा बाहाहारा गांव में स्थित पंचायत भवन में जनसंवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान मंत्री ने उपस्थित ग्रामीणों से रू-ब-रू होते हुए लोगों की समस्याओं को सुना। कई समस्याओं का मंत्री ने ऑन द स्पॉट निदान कराया जबकि से समस्याओं का यथाशीघ्र निदान के लिए संबंधित विभाग के पदाधिकारियों को निर्देश दिया। जनसंवाद में ग्रामीणों ने पेयजल, राशन, आवास, पेंशन आदि की समस्या से मंत्री को अवगत कराया। मंत्री ने संबंधित विभाग के

पदाधिकारियों को समस्याओं का त्वरित निदान करने का निर्देश दिया। इस दौरान बाहाहारा गांव में मंत्री ने स्वतंत्रता सेनानी फेतल सिंह खरवार के वंशजों को सम्मानित किया।

मंत्रीने कहा कि गढ़वा वासियों की समस्या मेरी अपनी समस्या है। जनसमस्या का निदान करना मेरा कर्म एवं धर्म है। गढ़वा के लोगों ने जिस उम्मीद के साथ मुझे अपना सेवक चुना है, मैं उनकी उम्मीदों पर पूरी तरह से खरा उतरने के लिए प्रयासरत हूं। मंत्री ने कहा कि पहले के जनप्रतिनिधि और आज के जनप्रतिनिधि बहुत अंतर है। अब क्षेत्र में विकास कार्यों का मायने पूरी तरह बदल चुका है। पहले के लोग पूरे लाव-लस्कर एवं झूठे आश्वासन का पुलिंदा लेकर चुनाव के समय क्षेत्र में नजर आते थे और जीतने के बाद सब कुछ भूल जाते थे, परंतु अब उन्होंने जनप्रतिनिधि और विकास का मतलब ही पूरी तरह से बदल दिया है। आज पूरे गढ़वा के चप्पे-चप्पे पर बेहतर और गुणवतापूर्ण विकास कार्य नजर आ रहा है। उन्होंने कहा कि वे चौबीसों घंटे जनसमस्या के निदान के लिए सोचते एवं उसके लिए प्रयास करते रहते हैं। चुनाव जीतने के बाद लोग पांच साल बाद ही जनता के बीच नजर आते थे, परंतु मैं जिस दिन से चुनाव जीता हूं, मैं हमेशा जनता के बीच में हूं। क्षेत्र की समस्या दूर करने के लिए पहले लोगों को जनप्रतिनिधि एवं अधिकारियों के पीछे-पीछे चक्कर काटना पड़ता था। फिर भी कोई सुनवाई नहीं होती थी, परंतु आज खुद जनप्रतिनिधि जनता के सेवक के रूप में अधिकारियों की टीम के साथ घर-घर पहुंचकर एक-एक समस्याओं का निदान कर रहा है। मंत्री ने कहा कि जिन समस्याओं का तत्काल निदान होना था, उसे कर दिया गया। शेष का निदान यथाशीघ्र कर दिया जाएगा। झामुमो के बाहाहारा पंचायत अध्यक्ष ओमप्रकाश यादव, युवा मोर्चा सचिव विकास कुमार यादव, पंचायत प्रभारी ललन यादव, रमेश यादव, राजकुमार यादव, संजय साव, फुलटुन यादव, संदीप यादव, सुकुल यादव, सूरज सोनी आदि ने विचार व्यक्त किया। मौके पर मुख्य रूप से रंका एसडीएम रामनारायण सिंह, बीडीओ देवानंद राम, सीओ शंभु राम, झामुमो जिलाध्यक्ष तनवीर आलम, संजय सिंह छोटू, रेखा चौबे, मालती देवी, प्रमुख हेमंत लकड़ा, मुखिया किरण देवी, बीस सूत्री अध्यक्ष अहमद अली अंसारी, कार्तिक पांडेय, जैनुल्लाह अंसारी, देवेन्द्र नाथ तिवारी, प्रखंड अध्यक्ष आशीष गुप्ता, दीपक सोनी, मुकेश तिवारी, अरविंद सोनी, पप्पू यादव, नंदलाल सिंह, नंदू सोनी, सुरेंद्र यादव, मुन्ना सिंह आदि मौजूद थे।

फेतल सिंह के वंशजों को मंत्री ने किया सम्मानित : मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने शनिवार को रंका प्रखंड के बाहाहारा पंचायत में जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान स्वतंत्रता सेनानी फेतल सिंह के वंशजां को शॉल ओढ़ाकर एवं माला पहनाकर सम्मानित किया। सम्मानित किये गये लोगों में बेलाश सिंह, राजकुमार सिंह, बालकेश्वर सिंह, बिरजु सिंह, रामचंद्र परहिया, राजनाथ सिंह, हरखुलास सिंह, विनोद प्रसाद गुप्ता, सत्यनारायण सिंह, सतराज सिंह, गुल्लू सिंह आदि का नाम शामिल है।

खबर छपते ही एकाएक चकाचक हो गई सड़क

सुदामा साह व उमाशंकर साह के भंडार से ओम प्रकाश के घर तक सड़क का निर्माण कार्य हुआ पूर्ण

नवीन मेल संवाददाता। डंडई

खबर छपते ही सुदामा साह व उमाशंकर साह के भंडार से ओम प्रकाश के घर तक पहले पार्ट की जर्जर सड़क शनिवार को एकाएक चकाचक हो गई। अभिकर्ता के द्वारा आनन-फानन में शनिवार की अहले सुबह दर्जनों ट्रैक्टर और जेसीबी के सहयोग से उक्त निर्माण कार्य को पूर्ण कराने का काम किया गया। वहीं सड़क पर भारी-भरकम संख्या में वाहनों को चलता देख पास पड़ोस के ग्रामीण व किसान भी सकते में आ गए। उनका कहना था कि कौन सी ऐसी नौबत आ गई कि आज अभिकर्ता को दर्जनों वाहन लगाकर बदहाल सड़क की मरम्मती करानी पड़ गई। जर्जर सड़क पर मिट्टी मुरम गिरते ही उसकी तस्वीर भी पूरी तरह बदल गई। वहीं जगह जगह पर बने गड्ढे पूरी तरह बराबर हो गए।

मामले पर किसानों ने भी हर्ष व्यक्त करना शुरू कर दिया। किसानों ने बताया कि राष्ट्रीय नवीन मेल द्वारा मामले को प्रमुखता से उठाया गया। इसके बाद सड़क को नया रूप में बदलने का अवसर प्राप्त हुआ। साथ ही कहा कि जर्जर

सड़क की मरम्मती हो जाने से अब हम लोगों को खेत खलिहान तक आने-जाने में काफी सहूलियत होगी। मालूम हो कि ग्राम पंचायत बैलाझाखरा गांव स्थित सुदामा साह व उमाशंकर साह के भंडार से ओम प्रकाश के घर तक पहले पार्ट की जर्जर सड़क में फर्जीवाड़ा से संबंधित खबर को राष्ट्रीय नवीन मेल ने प्रमुखता से उठाया था।

संक्षिप्त

प्रशंसकों ने मनाया एमएस धोनी का जन्मदिन

चिनिया। प्रखंड मुख्यालय क्षेत्र के रनपुरा गांव में शनिवार को भारतीय क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी का 42वा जन्मदिन बड़े ही धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ लोगों ने मनाया। सैकड़ों की संख्या में मौजूद युवकों ने सर्वप्रथम महेंद्र सिंह धोनी की तस्वीर की पूजा अर्चना कर केक काटा व एक दूसरों को केक खिलाई। तत्पश्चात गांव में जन्मदिन के अवसर पर चॉकलेट मिष्ठान का भी यूवको ने हर्षोल्लास के साथ वितरण किया। इस मौके पर राजेश शाह, राहुल सोनी, चंदन कुमार, शुभम साह, आशीष रजक, इम्तियाज अंसारी, रहमान अंसारी, कन्हाई परहीया आदि लोग मौजूद थे।

अभाविप के स्थापना दिवस को लेकर बैठक

गढ़वा। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद गढ़वा नगर इकाई की बैठक नगर परिषद गढ़वा स्थित सभागार में संपन्न हुई। बैठक में मुख्य रूप से अभाविप मध्य पूर्व क्षेत्र (बिहार-झारखंड) क्षेत्रीय संगठन मंत्री निखिल रंजन जी मौजूद रहे। बैठक में आगामी 9 जुलाई को अभाविप के 75 वें स्थापना दिवस एवं आगामी कार्यक्रमों को लेकर चर्चा हुई। बैठक में प्रदेश सहमंत्री निशांत चतुर्वेदी,विभाग संगठन मंत्री रत्नेश त्यागी, विश्वविद्यालय संयोजक मंजूल शुक्ला, जिला संयोजक विकास चंद्रवंशी, सह संयोजक शुभम तिवारी, हरिओम तिवारी, नगर मंत्री अखिल कुमार, पंकज चौबे, सुगंध बघेल, सौरभ भोलू, राहुल कुमार,स्नेहित केसरी,जूही कुमारी, प्राची कुमारी, कविता कुमारी सोनाली उपाध्याय अंतिमा कुमारी, सालवी कुमारी, विशाल गुप्ता, कुंदन गुप्ता, मनीष गुप्ता, प्रफुल्ल गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

मृतक की पत्नी को मिला दो लाख का चेक

भवनाथपुर। थाना क्षेत्र के कैलान पंचायत के मृतक शिवकुमार यादव के पत्नी को बीडीओ जयपाल महतो एवं शाखा प्रबंधक एम हसन ने प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत दो लाख के चेक दिया। जानकारी के मुताबिक बता दे कि भवनाथपुर थाना क्षेत्र के कैलान पंचायत के शिवकुमार यादव का मृत्यु खेत में पटवन करने के दौरान कुंआ में गिरने से 13 फरवरी 2023 को हो गया था। शिवकुमार यादव ने झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक के बुका शाखा में प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत बीमा करा रखा था।

100 दिव्यांगता प्रमाणपत्र निर्गत किए गए

मेराल। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में शनिवार को दिव्यांग प्रमाण पत्र बनाने को लेकर मेडिकल बोर्ड का आयोजन किया गया। इसमें एक सौ लोगों को दिव्यांगता संबंधी प्रमाण पत्र निर्गत किया गया। प्रमाण पत्र बनवाने के लिए कुल 136 आवेदन आए थे। मनोचिकित्सा से संबंधित 31, हड्डी रोग से संबंधित 60, मेडिसिन से संबंधित एक तथा 8 लोगों का नेत्र संबंधी प्रमाण पत्र बनाया गया। मेडिकल बोर्ड में मनोचिकित्सक सह जनरल फिजीशियन डॉ पीयूष कुमार प्रमोद, डॉ एसके रवि, हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ विजय कुमार, नेत्र रोग विशेषज्ञ के अलावा डॉ वीरेंद्र कुमार, बीपीएम चंचल कुमार, बीडीएम दिलीप कुमार, दीपेश तिवारी, प्रधान सहायक हुमायूं कबीर, सुशील कुमार इत्यादि उपस्थित थे।

पांच लोगों पर मारपीट की प्राथमिकी दर्ज

केतार। केतार थाना क्षेत्र के अंजनिया गांव निवासी महेंद्र यादव ने शनिवार को थाना प्रभारी संतोष कुमार को आवेदन देकर गांव के ही पांच लोगों पर प्राथमिकी दर्ज कराया है। आवेदन में उल्लेख किया है कि शुक्रवार की शाम अपने पत्नी से बात कर रहा था। इसी बीच शिव कुमार यादव, जीतन यादव, हितनारायण यादव, धनेश्वर यादव और ललू यादव एकमत होकर लाठी डंडे और टांगी से सुनील यादव और मनोज यादव को सर पर मार दिया, जिससे माथा में गंभीर चोट लगी है। दोनों घायलों को भवनाथपुर समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। उन्होंने उक्त लोगों पर प्राथमिकी दर्ज कर कानुनी कारवाई करने का आग्रह किया है।

जहरीले जीव के काटने से लड़की की मौत

केतार। केतार बाजार निवासी बिंदु राम की 18 वर्षीय पुत्री रेखा कुमारी की मृत्यु शुक्रवार की रात्रि में इलाज के दौरान गढ़वा अस्पताल में हो गयी। जानकारी देते हुए परिजनों ने बताया की शुक्रवार की दोपहर में मुंग फसल तोड़ने के दौरान जहरीले जीव ने काट लिया था। शाम में अचानक तबीयत बिगड़ने पर परिजनों ने सदर अस्पताल गढ़वा में भर्ती कराया था जहां डाक्टर ने मृत घोषित कर दिया। घटना से परिजन सदमे में हैं। रो-रो कर बुरा हाल है।

पदाधिकारी ने की वेंडर की दुकान की जांच

डंडई। डीआरडीए परियोजना पदाधिकारी दीपक कुमार ने शुक्रवार को वेंडर रामाशीष प्रसाद की दुकान की जांच की। उप विकास आयुक्त राजेश कुमार राय के निर्देश पर जांच करने पहुंचे दीपक ने पास पड़ोस के लोगों से संबंधित दुकान के बारे में पूछताछ भी की। दीपक ने बताया कि मामले की रिपोर्ट उप विकास आयुक्त को देने के बाद ही इस पर कुछ कहा जा सकता है। बताते चलें कि वेंडर रामाशीष प्रसाद का इससे पूर्व कहीं भी डंडई गांव में मनरेगा सामग्री आपूर्ति आधारित दुकान का अता पता नहीं था। जांच की जानकारी मिलते ही उनके द्वारा अपने घर के पीछे बनाए जा रहे घर में उपयोग के लिए लाए गए सीमेंट की बोरी को उनके द्वारा उक्त अधिकारी को दिखाने का काम किया गया।

सड़क निर्माण कार्य शुरू नहीं होने पर लोगों में रोष

नवीन मेल संवाददाता। केतार

केतार प्रखंड क्षेत्र के पाल नगर गांव में गत 20 फरवरी को पीडब्ल्यूडी सड़क से कोलझिकी पुल तक पीसीसी पथ निर्माण का शिलान्यास विधायक भानु प्रताप शाही के द्वारा किया गया था। उक्त सड़क का निर्माण विधायक मद से 10 लाख रुपए की लागत से होना था. परंतु शिलान्यास के 4 माह बाद भी उक्त सड़क में काम नहीं लगने के कारण स्थानीय ग्रामीणों में काफी आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीण प्रमोद पाल, रवि पाल, दिलीप पाल, आदित्य पाल, धनंजय पाल, चिंटू पाल, सुरेंद्र पाल, परीखा पाल, सुरेश्वर पाल, धीरज पाल, तेतरी देवी, चंद्रवती देवी, फुला कुंवर, पार्वती देवी ने बताया कि सड़क के शिलान्यास के 4 माह बीत गए यहां संवेदक के द्वारा सिर्फ दो ट्रैक्टर बालू गिरा कर छोड़ दिया गया है। निर्माण कार्य शुरू नहीं होने के कारण बरसात के

दिनों में इस सड़क से चलना मुश्किल हो गया है। गांव के बुजुर्गो ने बताया कि उबड़- खाबड़ रास्ते पर चलने में फिसल कर बार-बार गिर जाते हैं। वहीं पशु पालकों ने बताया कि इस रास्ते से मवेशियों को लाना, ले जाना भी दूर्लभ हो गया है। ग्रामीणों ने एक सप्ताह के भीतर उक्त सड़क के निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है। जिप सदस्य सह विधायक प्रतिनिधि ज्वाला प्रसाद ने कहा कि जल्द ही सड़क निर्माण कार्य शुरू कराया जायेगा।

लूटे गए ई-रिक्शा व बाइक के साथ तीन गिरफ्तार

आपराधिक घटनाओं के मद्देनजर एसपी ने किया था एसआईटी का गठन

नवीन मेल संवाददाता। गढ़वा

पुलिस ने लूट के ई-रिक्शा एवं मोटरसाइकिल सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार व्यक्तियों की पहचान पलामू जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र के बंदूआ धोबी मोहल्ला निवासी प्रमोद राम का पुत्र राजकुमार चंद्रवंशी, बंदूआ गांव निवासी विजय बैठा का पुत्र शंकर कुमार रजक एवं डंडई थाना क्षेत्र के जरही गांव निवासी विनोद राम का पुत्र सुभाष कुमार रवि के रूप में हुई है। इसकी जानकारी शनिवार को एसडीपीओ अवध कुमार यादव ने गढ़वा थाने में प्रेस वार्ता कर दी।

उन्होंने बताया कि हाल में कुछ दिनों से गढ़वा थाना अंतर्गत ई-रिक्शा लूट तथा डंडई थाना अंतर्गत मोटरसाइकिल चोरी की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए पुलिस अधीक्षक अंजनी कुमार झा के निर्देश पर उनके नेतृत्व में एसआईटी टीम का गठन किया गया था। उन्होंने

बताया कि घटित घटना की अपराध शैली से उन्हें जानकारी मिली कि कोई नया गिरोह द्वारा घटना को अंजाम दिया जा रहा है। इसके बाद पुलिस ने चैनपुर थाना क्षेत्र के बंदूआ गांव से राजकुमार चंद्रवंशी को गिरफ्तार किया। उससे पूछताछ करने पर उसके द्वारा घटना की सारी जानकारी प्राप्त हुई। एसडीपीओ ने बताया 1 मई को गढ़वा थाना क्षेत्र के मेढना गांव के पास अज्ञात अभियुक्तों के द्वारा चाकू के भय दिखाकर एवं मारपीट कर रिक्शा लूटा गया था। इसके बाद 10 मई को तिल्दाग के पास तीन अज्ञात अपराधी ई-रिक्शा के चालक को नाश्ता कराने के बहाने होटल में ले गया तथा अभियुक्त ई-रिक्शा को लेकर भाग गया।

उन्होंने बताया कि 25 जून को ई-रिक्शा बुक कर तिल दाग मोड़ के आगे खोनहार नाथ वाले रास्ते में ले गया जहां चालकों भय दिखाकर ई रिक्शा को लूट लिया। एसडीपीओ ने बताया कि घटना में लूटे गए दो ई रिक्शा तथा डंडई थाना से चोरी गई छह मोटरसाइकिलों को पुलिस ने बरामद कर लिया। उन्होंने बताया कि इससे पूर्व में रबदा में लावारिस हालत में पुलिस ने बरामद किया था। इस संबंध में गढ़वा थाने कांड संख्या 176. 194.288/23 के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। उन्होंने बताया कि इसके अलावा डंडई थाना में भी मोटरसाइकिल चोरी की प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। एसडीपीओ ने बताया कि सुभाष कुमार रवि का अपराधिक इतिहास रहा है। इसके विरुद्ध डंडई थाने में कांड संख्या 32/20 के तहत दुष्कर्म आदि के मामले दर्ज हैं। उन्होंने बताया कि राजकुमार चंद्रवंशी का भी अपराधिक इतिहास है। उसके विरुद्ध चैनपुर थाना कांड संख्या 104/ 20 आर्म्स एक्ट तथा मेराल थाना कांड संख्या 78/ 22 हत्या के मामले दर्ज हैं। एसडीपीओ ने बताया कि इस छापामारी दल में पुलिस निरीक्षक सह गढ़वा थाना प्रभारी केके साहू शहबाज अंसारी पुलिस अवर निरीक्षक प्रवीण कुमार सहायक अवर निरीक्षक एमन कांदुलना शामिल थे।

'डीप बोर-जलमीनार में अनियमितता'

ग्रामीणों ने प्राथमिकी दर्ज कराने की दी चेतावनी

नवीन मेल संवाददाता। केतार

केतार प्रखंड क्षेत्र के चांदडीह, बीजडीह एवं गम्हरिया गांव में संवेदक के द्वारा जल- नल योजना के तहत डीप बोर एवं जल मीनार लगाने में अनियमितता बरतने पर यहां के ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है।

ग्रामीण अरुण कुमार, दयानंद कुमार, लीलावती देवी, सुशीला देवी, बुधनी देवी, विमला देवी, पार्वती देवी, बसंती देवी, तारा देवी, राजपति देवी, बिफनी देवी ने बताया कि संवेदक के द्वारा उक्त तीनों गांव में 26 जगहों पर डीप बोर कर के जल मीनार लगाना है। एक डीप बोर और जलमीनार से 40 घरों को पानी का कनेक्शन देने की बात कहीं जाती है, परंतु संवेदक के द्वारा यहां मनमानी तरीके से कहीं 150 तो कहीं 160 फिट ट्रैक्टर से बोर करके जैसे-तैसे

जल मीनार लगाने का कार्य किया जा रहा है। साथ ही सड़क के किनारे- किनारे पाइप बिछाने के बजाय, पानी के कनेक्शन के मनमाने तरीके से बगैर जमीन मालिक से पूछे बीच खेत में गढ़ा की खुदाई की जा रही है। इससे खेती- बारी के समय में हम सभी किसानों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि संवेदक के द्वारा घटिया सामग्री का इस्तेमाल करके जल मीनार का निर्माण कराया जा रहा है। ऐसे में उक्त जल मीनार से लाभ मिलना असंभव है। वहीं उक्त कार्य बगैर कनीय अभियंता की उपस्थिति में हो रहा है। कार्य का देख-रेख कर रहे मुंशी अरुण सिंह ने बताया कि विजया कंस्ट्रक्शन के संवेदक अमित सिंह के द्वारा हमें जैसे कार्य करने के लिए बताया गया है, हम वैसा ही करा रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि यदि इस मामले में वरिय अधिकारीयों के द्वारा जांच कर संवेदक के विरुद्ध कार्रवाई नहीं की गई तो बाध्य होकर हम सब संवेदक पर फसल क्षति पहुंचाने एवं कार्य में अनियमितता बरतने को लेकर प्राथमिकी दर्ज कराएंगे।

नाबालिग लड़की से दुष्कर्म, आरोपी धरा

भवनाथपुर। थाना क्षेत्र के एक गांव में सुबह शौच करने गई एक नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म करने का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कराते हुए अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जबकि लड़की को मेडिकल के लिए गढ़वा भेजा गया। शिकायतकर्ता ने बताया कि शनिवार की सुबह मेरी बेटी शौच करने गई थी। आरोपी सोनू कुमार (22) पिता स्व. अरविंद राम भवनाथपुर बुका निवासी झाड़ी में छुपा हुआ था। उसने लड़की के साथ जबरन दुष्कर्म किया। लड़की द्वारा शोर मचाए जाने के पश्चात आरोपी फरार हो गया। लड़की ने घर जाकर अपने स्वजनों को इसकी जानकारी दी। थाना प्रभारी रामेश्वर उपाध्याय ने आरोपी सोनू कुमार को गिरफ्तार कर लिया।

ट्रक पलटा, चालक व उप चालक गंभीर, बचे लोग

नवीन मेल संवाददाता। चिनिया

चिनिया थाना के चिनिया-चपकली मोड़ के पास शनिवार को लगभग 3 बजे हुई ट्रक दुर्घटना में चालक व उप चालक गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि इस दुर्घटना स्थल के आसपास के लोग बाल-बाल बचे। जल नल का लोहह का पाइप ओवरलोड लेकर आ रहे 14 चक्का ट्रक बंगाल से चिनिया थाना क्षेत्र के मसरा गांव में जा रहा था। इसी बीच उक्त घटना चप्पकली मोड़ पर घटित हुई है। वहीं ग्रामीणों के सहयोग से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में ले जाया गया तथा उपचालक का इलाज निर्मला मेडिकल में किया जा रहा है। बताते चलें कि ट्रक बिजली के तार को तोड़ते हुए आगे चला गया। उसके बाद ट्रक आगे पुल पर खड़ा कर दिया

गया। वहीं पीछे से आ रहे 14 चक्का ट्रक जिसका चालक चतरा जिला का कयूम खान तथा खलासी डंडई थाना क्षेत्र के पोखरिया गांव निवासी नीरज कोरवा दोनों शराब के नशे में धुत थे। ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। गाड़ी मालिक संतोष सिंह चतरा जिले के सिमरिया का बताया जा रहा है। थाना प्रभारी राजबल्लभ कुमार मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी ली तथा घायल चालक-खलासी को देखने के लिए हॉस्पिटल पहुंचे।

'पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधे लगाना आवश्यक'

उपायुक्त ने की जिले के लोगों से अपील

नवीन मेल संवाददाता। गढ़वा

गढ़वा कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग की ओर से शहर के बंधन मैरिज हॉल में जिला स्तरीय खरीफ सह मिलेटस कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन डीसी शेखर जमुआर जिला परिषद अध्यक्ष शांति देवी जिला कृषि पदाधिकारी शिव शंकर प्रसाद ने संयुक्त रूप से दीप जलाकर किया।

मौके पर डीसी शेखर जमुआर ने कहा कि देश के विकास में किसानों की भूमिका अग्रणी है उन्होंने कहा कि भारत कृषि प्रधान देश है। गढ़वा जिले के 90 प्रतिशत खेती बारिश के पानी पर निर्भर है। उन्होंने कहा कि सरकार की सभी तरह की चल रही योजनाओं को पंचायत स्तर और बूथ स्तर पर उतारने का शत प्रतिशत प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज लगातार गढ़वा जिले में बारिश कम हो रही है। उसके कारण जिले में पानी के लिए हाहाकार मचा हुआ है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए पेड़ लगाना आवश्यक है। बिना पौधा लगाए हम पर्यावरण संरक्षण की कल्पना नहीं कर सकते हैं और इसी तरह से पानी के लिए आने वाली पीढ़ी परेशान रहेगी। उन्होंने कहा कि आज सभी पंचायत स्तर पर पौधारोपण का कार्य किया जा रहा है। मैं खुद गढ़वा जिले के तमाम लोगों से अपील करता हूं कि अधिक से अधिक संख्या में पौधा लगाएं और पर्यावरण संरक्षण में अपनी महती भूमिका निभाएं। जिला परिषद अध्यक्ष शांति देवी ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण में हम सब की जिम्मेदारी है।

कार्रवाई | बीडीओ ने की पीडीएस दुकान की जांच

सही पायी गयी ग्रामीणों की शिकायत

नवीन मेल संवाददाता। श्री बंशीधर नगर

प्रखंड के सिंहपुर ग्राम के डीलर कामेश्वर गुप्ता पर ग्रामीणों द्वारा राशन वितरण में अनियमितता की शिकायत पर प्रखंड विकास पदाधिकारी श्रवण राम ने शनिवार को जनवितरण प्रणाली की दुकान की जांच की। इस दौरान ग्रामीणों की शिकायतों को सत्य पाया गया। ग्रामीणों ने डीलर कामेश्वर गुप्ता पर अंगूठा लगाने के बाद भी राशन नहीं बांटने का आरोप लगाया था। ग्रामीणों का यह भी आरोप था कि राशन लेने जाने पर डीलर द्वारा मारपीट व केस करने की धमकी दी जाती है। ग्रामीणों की शिकायत के आलोक में शनिवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी श्रवण राम जनवितरण प्रणाली की दुकान पर पहुंचकर गोदाम की जांच की। गोदाम

में राशन उपलब्ध नहीं था। जुलाई माह का राशन गोदाम में रखा जा रहा था, जबकि बीडीओ द्वारा पूछताछ के दौरान डीलर कामेश्वर गुप्ता ने स्वीकार किया कि मई-जून माह का राशन कुछ ग्रामीणों को नहीं दिया गया है, जबकि दुकान में कोई भी राशन शेष नहीं था। बीडीओ ने डीलर कामेश्वर गुप्ता को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि सोमवार को सभी ग्रामीणों को राशन मिल जाना चाहिये। मौके पर उपस्थित ग्रामीण बार-बार डीलर को बदलने की मांग प्रखंड विकास पदाधिकारी से कर रहे थे। प्रखंड विकास पदाधिकारी ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि सोमवार को बकाया राशन बांटने के बाद डीलर पर सख्त कार्रवाई की जायेगी। इस संबंध में प्रखंड विकास पदाधिकारी श्रवण राम ने बताया कि ग्रामीणों की शिकायत सत्य पायी गयी है। जांच में उपस्थित दर्जनों ग्रामीणों ने बताया है कि मई- जून माह का अंगूठा लगवा कर भी डीलर के द्वारा राशन नहीं दिया गया। डीलर के अनुसार कुछ लोगों को राशन दिया गया है और कुछ लोगों का राशन बाकी है। उनका राशन भी गोदाम में नहीं मिला। डीलर को सोमवार को सभी ग्रामीणों का राशन मुखिया और पंचायत सेवक की उपस्थिति में बांटने का सख्त निर्देश दिया गया है। डीलर कामेश्वर गुप्ता पर पहले से भी शिकायत थी। कामेश्वर गुप्ता के ऊपर सख्त से सख्त कार्रवाई भी की जायेगी। मौके पर सत्यनारायण पांडेय, रविंद्र पांडेय, विकास पांडेय, योगेंद्र योगेंद्र पांडेय, अंजनी पांडेय आदि उपस्थित रहे।

गढ़वा स्टेशन के बाहर से ऑटो चालकों ने लड़कियों का बलपूर्वक किया था अपहरण

अपहरण कर दो नाबालिग लड़कियों से सामूहिक दुष्कर्म में चार गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता। बरवाडीह

जिले के पुलिस कप्तान अंजनी अंजन द्वारा गठित टीम द्वारा एसडीपीओ दिलु लोहरा के नेतृत्व में थाना प्रभारी श्रीनिवास कुमार सिंह द्वारा गढ़वा रेलवे स्टेशन से टेंपो चालकों द्वारा दो नाबालिग लड़कियों का जबरन अपहरण कर सामूहिक दुष्कर्म मामले में चार आरोपी को गिरफ्तार करने में कामयाबी मिली है।

इस संबंध में बरवाडी थाना परिसर में आयोजित प्रेस वार्ता में एसडीपीओ दीलू लोहरा ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि 21 जून को बरवाडीह थाना क्षेत्र की दो नाबालिग बच्ची काल्पनिक नाम प्रिया और आभा अपनी दोस्त के यहां कपड़ा पहुंचाने को लेकर गढ़वा गई हुई थी। इसी बीच उसकी दोस्त गढ़वा रेलवे स्टेशन में नहीं मिली तब दोनों बच्चियां स्टेशन के बाहर अपनी दोस्त का इंतजार करने लगी, जिसके बाद दोनों नाबालिग बच्चियों को अकेला देख गढ़वा रेलवे स्टेशन केऑटो चालकों ने दोनों नाबालिग लड़कियों को

जबरदस्ती अपने ऑटो में बैठाकर अज्ञात स्थान पर ले गए। इसके बाद दोनों नाबालिग लड़कियों के साथ कई लोगों द्वारा बारी-बारी कई दिनों तक सामूहिक दुष्कर्म किया। इसमें रितिक नवरंग (22) पिता संजय कुमार मेन रोड गढ़वा, अजय कुमार केसरी (55) पिता स्वर्गीय रामप्रवेश प्रसाद डफाली मोहल्ला गढ़वा, आशीष कुमार (23) पिता बनारसी प्रसाद पुरानी बाजार बाईपास रोड गढ़वा, कुणाल कुमार गुप्ता (30) पिता ओमप्रकाश गुप्ता टंडवा गढ़वा, समेत अन्य लोगों ने दुष्कर्म जैसे घटना को अंजाम दिया। इस बीच दोनों नाबालिग लड़कियों के घर नहीं पहुंचने पर परिजन सभी जगह खोजबीन कर परेशान होकर बरवाडीह थाने में 29 जून को लिखित आवेदन देकर अपहरण की आशंका व्यक्त की।

लिखित आवेदन मिलने का बाद कांड दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ किया गया। कांड की गंभीरता को देखते हुए लातेहार पुलिस अधीक्षक द्वारा एक विशेष टीम का गठन किया गया। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी दिलु लोहरा के नेतृत्व में सघन छापामारी अभियान चलाते हुए दोनों अपहृत नाबालिग लड़कियों को गढ़वा जिला से बरामद किया गया। वहीं पूछताछ के क्रम में बरामद किए दोनों नाबालिग लड़कियों ने घटना की जानकारी देते हुए अपने साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म का खुलासा किया। इसके आधार पर बरवाडीह थाना प्रभारी निवास सिंह व उसकी पुलिस टीम ने दोनों लड़कियों का बलपूर्वक अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म करने वाले चार लोगों को गिरफ्तार किया है, जबकि इस घटना में शामिल शेष अन्य लोगों की गिरफ्तारी के लिए छापामारी जारी है। छापेमारी दल में शामिल पुलिस पदाधिकारी श्रीनिवास कुमार सिंह थाना प्रभारी, सब इंस्पेक्टर राहुल मेहता, महिला पुलिस अवर निरीक्षक संध्या सिन्हा सेट 45 के जवान शामिल रहे। मामले में घटना में प्रयुक्त 4 एंड्राइड मोबाइल सेट एवं एक अपाचे मोटरसाइकिल भी बरामद किए गए। एसडीपीओ दिलु लोहरा के अनुसारदुष्कर्म मामले में गिरफ्तार रितिक नवरंग गढ़वा निवासी का आपराधिक इतिहास रहा है। वह जालंधर पंजाब में आर्म्स एक्ट के तहत मामले में जेल भी जा चुका है। वहीं अजय केसरी भू माफिया के साथ कई अवैध कारोबार में भी संलिप्त है।

धान का बीज अंकुरित नहीं होने से किसान परेशान, लगाई न्याय की गुहार

नवीन मेल संवाददाता। मयूरहंड(चतरा)

मयूरहंड थाना क्षेत्र के करमा पंचायत अंतर्गत ढोढी गांव का किसान इदरीश अंसारी एडवांटा कंपनी की धान बीज खरीद में ठगी का शिकार हो गया। पीड़ित किसान ने दुकान संचालक से शिकायत की तो कोई समाधान ना कर उल्टा किसान को फटकार लगाते हुए थाने व अन्य स्थानों पर शिकायत करने की बात कही। इसके बाद पीड़ित किसान ने कृषि विभाग के मयूरहंड एटीएम से आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है। आवेदन में बताया गया है कि करमा में संचालित कृष्णा बीज भंडार से एडवांटा कंपनी के एडीभी 801 प्लस धान बीज 265 रुपये दस किलो खरीद कर 1 जुलाई को बोया। धान बीज को चौबीस घंटे पानी में फुलाने के बाद खेत में बोया। परंतु मात्र दो प्रतिशत हीं अंकुर हो पाया, बाकी बीज खेत में यू हीं पडा हुआ है। बीटीएम राजेश कुमार ने पीड़ित किसान के शिकायत के बाद बीज भंडार पहुंच जांच पडताल की जहां दुकान निर्बंधित पाया, परंतु संचालक द्वारा किसानों को धान खरीद पर कैसमेमो नहीं दिए जाने पर कड़ी फटकार लगाते हुए किसानों को कैसमेमो देने का निर्देश दिया और कंपनी के क्षेत्रीय प्रबंधक को बुलावाया। इसके बाद कंपनी के क्षेत्रीय प्रबंधक व एटीएम पीड़ित किसान के खेत पहुंच जांच की। कंपनी के क्षेत्रीय प्रबंधक द्वारा चार दिन और इंतजार करने को कहा गया। मौके पर मुखिया रामनाथ यादव व दर्जनों किसान मौजूद थे।

संदिग्ध हालात में महिला का फंदे से लटका मिला शव

चतरा। पुलिस ने सदर थाना क्षेत्र के दिभा मुहल्ले से एक विवाहिता का शव संदिग्ध परिस्थिति में फंदे से लटका हुआ बरामद किया है। वहीं विवाहिता के परिजनों का अरोप है कि शादी के बाद बच्चा नहीं होने पर ससुराल वालों ने हत्या कर आत्महत्या साबित करने के उद्देश्य से फांसी के फंदे पर लटका दिया। घटना की जानकारी मिलते ही सदर थाना प्रभारी मनोहर करमाली और एसआई वीणा कुमारी मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। वहीं पुलिस ने मृतका के पति को गिरफ्तार कर लिया है। परिजनों के अनुसार मृतका प्रीति कुमारी पिता युगेश मिस्त्री (कोबना निवासी) की शादी हिंदू रीति रिवाज से 3 वर्ष पहले दीभा निवासी टुनटुन मिस्त्री से हुई थी, परंतु 3 वर्ष बीत जाने के बाद भी उसका कोई बच्चा नहीं हुआ। ऐसे में पति टूनटून और सास के द्वारा इसे लगातार प्रताड़ित किया जा रहा था और शुक्रवार की शाम में उसकी हत्या कर दी गई।

संक्षिप्त

वाहन की चपेट में आने से दो मवेशी की मौत

टंडवा(चतरा)। टंडवा थाना क्षेत्र अंतर्गत आम्रपाली कोल परियोजना से निकलने वाली कोल वाहनों का आंतक जारी हैं। थाना क्षेत्र के बिंगलात में कोल वाहन ने मवेशियों को अपने चपेट में ले लिया। जिसमें चेतलाल ठाकुर के दो मवेशी की मौत हो गई। घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने कोयला ट्रांस्पोर्टिंग ठप करा दिया। जिससे कि पांच घंटे तक कोल ट्रांस्पोर्टिंग बाधित रहा। बाद में स्थानीय पुलिस-प्रशासन के पहल पर वार्ता कर कोल ट्रांस्पोर्टिंग चालू करवाया गया। ट्रांसपोर्ट कंपनी के सहयोग से आश्रित किसान चेतलाल ठाकुर को पचास हजार रुपए का नगद सहयोग दिया गया।

अभियुक्त के घर की कुर्की जब्ती की कार्रवाई

मयूरहंड(चतरा)। मयूरहंड थाना क्षेत्र के धनगावां निवासी चंद्रशेखर सिंह के घर पुलिस ने शनिवार को कुर्की जब्ती की कार्रवाई की। अभियुक्त के खिलाफ गिरहीडी जिले में वर्ष 2007 में धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया था। तब से फरार चल रहा था। गिरहीड न्यायालय के आदेशानुसार वाईआर 2223/7 के आलोक में थाना प्रभारी राम वृक्ष राम के नेतृत्व में कार्रवाई की गई। सहायक अवर निरीक्षक शशि कांत ठाकुर व सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

मध्यस्थता अभियान को लेकर जागरूकता शिविर

सिमरिया (चतरा)। जिला विधिक सेवा प्राधिकार की सचिव प्रज्ञा बाजपेई के निर्देशानुसार सिमरिया प्रखंड के पगार गांव में मन का मिलन पखवाड़ा कार्यक्रम को लेकर शनिवार को विशेष मध्यस्थता जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान ग्रामीणों को 1 जुलाई से 30 सितंबर तक चलने वाले विशेष मध्यस्था अभियान कार्यक्रम के बारे में बताया गया। जागरूकता अभियान चला रहे सिमरिया प्रखंड कार्यालय के पीएलभी सुबोध कुमार शर्मा ने ग्रामीणों को अपने लंबित सुलहनिय मामलों का निपटारा कराने के लिए उत्प्रेरित करने के साथ जागरूक करने का काम किया। इसके अलावा कार्यक्रम के दौरान मिलने वाले कानूनी सहायता एवं सलाह के बारे में बताया गया।

भाजपा नेता ने जिला कोष में जमा करायी राशि

टंडवा(चतरा)। भाजपा प्रदेश नेतृत्व के निदेर्शानुसार चलाए जा रहे आजीवन सहयोग निधि अभियान से प्राप्त सहयोग राशि शनिवार को टंडवा प्रखंड के पार्टी मंडल अध्यक्ष गोविंद तिवारी द्वारा जिला कोष में जमा किया गया। मंडल अध्यक्ष श्री तिवारी ने बताया कि कुल मिलाकर 73 हजार रुपए उन्होंने समर्पित कार्यकताओं से संग्रहण कर जमा कराए हैं। मौके पर जिला महामंत्री मिथिलेश गुप्ता, अक्षयवट पांडेय, विजय चौबे, सुजीत जायसवाल समेत अन्य मौजूद थे।

युवक के साथ मारपीट, गंभीर रूप से घायल

लातेहार। सदर थाना क्षेत्र के पांडेपूरा पंचायत के स्थित मानिकपूरा निवासी रितेश यादव पिता विशंभर यादव (24) के साथ शुक्रवार को चंदनडी न्यूटन क्लासेस के पास पहले से घात लगा कर बैठे अभिषेक कुमार गुप्ता उर्फ नानू गुप्ता बानपुर, विशाल मेहरा चारमुहान ने मारपीट की। यहीं नहीं, धारदार हथियार से उसके सिर पर वार कर दिया, जिससे युवक के माथे पर चोट लगी है। युवक को घायल अवस्था में देख राहगीरों द्वारा किसी तरह छुड़ा कर इलाज के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया। वहीं पीड़ित ने सदर थाना में लिखित आवेदन दिया है। पीड़ित ने आरोपी की गिरफ्तारी की गुहार लगाई है।

क्लारेट पब्लिक स्कूल में कराटे का प्रशिक्षण

बरवाडीह। सोतोकान कराटे स्टाईल आफ क्लासिकल मार्शल आर्ट फैडरेशन इन्डिया के तत्वावधान में प्रखंड के संत क्लारेट पब्लिक स्कूल लेदगाई में आत्म रक्षा कराटे का प्रशिक्षण प्रारंभ किया गया। इसका उद्घाटन स्कूल के प्रधानाचार्य फादर जॉर्ज ने किया। उन्होंने कहा कि पढाई के साथ साथ खेल भी जरूरी है। खासकर कराटे हमारे स्कूल में आत्म रक्षा कराटे का भी सुविधा दी जा रही है जिसमें स्कूल के लड़के व लडकियोँ अपनी आत्म रक्षा कर सकें और इस खेल में आगे बढ़ते हुए राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय खेलों में अपना और अपने स्कूल, जिला व राज्य का नाम रौशन करें। वहीं कराटे प्रशिक्षण प्रशिक्षक सेंसेई मदन लाल द्वारा दिया जा रहा है। इसके अलावा कराटे प्रशिक्षक सेम्पाई जंग बहादुर सिंह, सेम्पाई संगीता टोपनो कराटे प्रशिक्षकों में शामिल है।

शिशु विद्या मंदिर में मेहंदी लगाओ प्रतियोगिता

बारियातु। प्रखंड मुख्यालय स्थित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर परिसर में शनिवार को कक्षा द्वितीय से अष्टम तक के बहनों के बीच मेहंदी लगाओ एवं संस्कृत प्रश्न मंच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रधानाचार्य जितेंद्र राम ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में आचार्या वीणा देवी, किरण देवी, खुशबू, मनीषा, विनीता, दीदी का योगदान रहा।

बारियातु प्रखंड में हाथियों का कहर जारी

नवीन मेल संवाददाता। बारियातु

प्रखंड अंतर्गत साल्वे पंचायत के गुरु साल्वे ग्राम के टोगरी टोला में जंगली हाथियों ने मजदूर किसान दुर्गा उरांव के घर में घुसकर घर में रखे दो बोरा चावल व दाल और आलू खाकर चट कर गए। घर में घुसकर हाथी ने दुर्गा उरांव को बाहर फेंक दिया, जिससे वह जान बचाकर भाग निकला। शोर मचाने पर ग्रामीण आये और भारी मशक्कत से जंगली हाथियों को भगाया। दुर्गा उरांव मजदूर किसान है। वे पत्नी एवं सात बच्चों के साथ रहते हैं। हाथियों द्वारा अनाज खा जाने से उन्हें परिवार के लिए खाने को लेकर चिंता है। इस क्षेत्र में सोलर लाइट भी नहीं है। ग्रामीणों ने वन विभाग से सोलर लाइट और टार्च की मांग की है। बारियातु प्रखंड क्षेत्र में जंगली हाथियों का आतंक लंबे समय से जारी है। ग्रामीणों के बार बार आवेदन व निवेदन के बावजूद वन विभाग ने कोई कार्रवाई नहीं की है। अभी तक प्रभावित क्षेत्रों में टार्च, सोलर लाइट एवं सुरक्षा का कोई इंतजाम नहीं किया जा सका है।

व्यवसायी पर हुए हमले की झामुमो नेता ने की निंदा

नवीन मेल संवाददाता। चंदवा

चंदवा के युवा कोयला व्यवसाई सह समाजसेवी रंजीत गुप्ता उर्फ छोटे पर रांची में हुए जानलेवा हमले की जेएमएम नेता दीपू कुमार सिन्हा ने तीव्र भर्त्सना करते हुए दुख बयक्त किया है और गुप्ता के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की है। सिन्हा ने अपने बयान में कहा है की रंजीत गुप्ता बचपन से ही मेहनती, साहसी एवं लोकप्रिय व्यक्ति रहे हैं। उन्होंने अपनी कड़ी लगन एवं मेहनत से वर्तमान मुकाम को बनाया एवं पाया है। अपराधियों के कायराना हमले के समय भी उनके साहस की मिसाल दिखी है जो अन्य लोगों तथा व्यवसायियों को भी संकट के समय बिना घबराए संघर्ष करने की प्रेरणा देगी। झारखंड सरकार हाल के दिनों में नक्सलियों, अपराधियों तथा गैंगस्टरों पर ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए उनके अंजाम तक पहुंचाने का काम कर रही है। इससे घबराए हुए नक्सली, अपराधी तथा गैंगस्टर अपने अस्तित्व की रक्षा की नाकाम कोशिश करते हुए ऐसी कायराना हरकतें, हमले कर रहे हैं।

बीस सूत्री सदस्यों ने किया आंगनबाड़ियों का निरीक्षण

नवीन मेल संवाददाता। गिद्धौर (चतरा)

गिद्धौर प्रखंड 20 सूत्री क्रियान्वयन समिति के सदस्यों ने शनिवार को क्षेत्र के आधा दर्जन आंगनबाड़ी केंद्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण का नेतृत्व प्रखंड अध्यक्ष विनोद कुमार पासवान कर रहे थे। आंगनबाड़ी केंद्र निरीक्षण में भारी अनियमितता उजागर हुई। सदस्यों द्वारा आंगनबाड़ी केंद्रों पांडेबागी भाग दो कोड 154 व सिमर टोला के निरीक्षण में उपस्थिति पंजी में बच्चो का नामांकन 30 था और सभी की उपस्थिति दर्ज थी। परंतु उपस्थित मात्र एक बच्चा था। हालंकि सेविका व सहायिका उपस्थित थे। आंगनबाड़ी केंद्र सलगा में एक भी बच्चे उपस्थित नहीं थे। पर सेविका व सहायिका उपस्थित थे। आंगनबाड़ी केंद्र कटघरा में 30 में छह बच्चे उपस्थित थे। सेविका रीता देवी सहायिका प्रतिमा कुमारी उपस्थित थी। यहां खाना में खिचड़ी दिया गया था। जो असंतोष जनक था। इसके साथ आंगनबाड़ी केंद्र डढुवा में 40 बच्चों में मात्र 8 बच्चे उपस्थित थे। यहां सेविका प्रभा कुमारी अनुपस्थिति थी। केंद्र में नामांकन व उपस्थिति पंजी नहीं पाया गया। खाना भी असंतोषजनक था। मॉडल आंगनबाड़ी केंद्र रुपीन में बच्चों का नामांकन 41 बताया गया, परंतु उपस्थित बच्चे की संख्या शून्य थी। सेविका माया यादव उपस्थिति पंजी घर से नहीं लेकर आई थी। इस क्रम में उत्क्रमित मध्य विद्यालय रूपीन की भी जांच की गई। निरीक्षण में 20 सूत्री उपाध्यक्ष रामदेव यादव, सदस्य सह कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष सह 20 महावीर दांगी, सदस्य मनोज कुमार वर्मा शामिल थे।

महिला ने दिया तीन शिशुओं को जन्म जच्चा-बच्चा स्वस्थ

चतरा/प्रतापपुर। जिले के प्रतापपुर प्रखंड क्षेत्र के मेराग गांव निवासी बिरजू यादव की पत्नी सरिता देवी ने प्रतापपुर स्वास्थ केंद्र में तीन स्वस्थ शिशुओं को जन्म दिया। जन्म लेने वाले शिशु में दो पुत्र तथा एक पुत्री है। हालांकि जन्म के बाद प्रसूता के साथ तीनों शिशु को बेहतर उपचार के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। तीनों शिशु को एसएनसीयू में रखा गया है। शिशु के स्वास्थ्य की निगरानी कर रहे चिकित्सक डॉ. पंकज एवं डॉ. उत्तम ने बताया कि दोनों पुत्र का वजन 1 किलोग्राम तथा बच्ची का वजन 800 ग्राम है व हालत स्थिर है, परंतु बच्ची का पल्स रेट लगातार उपर नीचे कर रहा है। फिलहाल तीनों शिशु सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि शिशु के देख-रेख के लिए एएनएम लाजवंती कुमारी और पुष्पा कुमारी को लगाया गया है। वहीं 3 जुड़वां शिशु को जन्म देने का मामला क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।

3 वर्ष से संचालित योजनाओं की समीक्षा

नवीन मेल संवाददाता। चतरा

परिसदन सभागार में सभापति झारखंड विधान सभा की प्राक्कलन समिति निरल पुरती, सदस्य राज सिन्हा एवं दशरथ गगरई की अध्यक्षता में जिला अंतर्गत विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों के साथ विगत 3 वर्षों से संचालित योजनाओं के प्राक्कलन एवं व्यय की समीक्षा के लिए बैठक की गई।

इससे पूर्व चतरा पहुंचने पर सभापति, अध्यक्ष व सदस्य का उपायुक्त अबु इमरान ने स्वागत किया। बैठक में सभापति के द्वारा ग्रामीण विकास विभाग, ग्रामीण कार्य विभाग, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, पथ निर्माण विभाग, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, भवन प्रमंडल, लघु सिंचाई, एनआरईपी, जिला परिषद, भूमि संरक्षण सहित अन्य सभी विभागों में संचालित योजनाओं से संबंधित प्राक्कलन एवं व्यय आदि गहन समीक्षा की गई एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। इसके अतिरिक्त सभापति ने सभी पदाधिकारियों को निर्देश दिये कि स्थानीय जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में योजनाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन करेंगे। सभापति ने चतरा जिले में क्रियान्वित योजनाओं का औचक निरीक्षण करेंगे। उन्होंने कहा कि प्राक्कलन में दिए गये दिशा निर्देश के अनुरूप कार्य की गुणवत्ता की जांच की जाएगी। श्रम नियोजन प्रशिक्षण एवं कौशल विकास मंत्री सत्यानंद भोक्ता के चतरा परिसदन आगमन पर उन्हें पौधा भेंट कर स्वागत किया। मौके पर उपायुक्त, उप विकास आयुक्त के अलावे डीएफओ उत्तरी राहुल मीना, अपर समाहर्ता पवन कुमार मंडल, एसडीओ मुमताज अंसारी, एसडीओ सिमरिया सुधीर कुमार दास, जिला परिवहन पदाधिकारी संतोष कुमार सिंह, नगर परिषद कार्यपालक अभियंता अभय कुमार झा, जिला शिक्षा पदाधिकारी दिनेश मिश्र, जिला शिक्षा अधीक्षक अभिषेक बड़ाइक आदि जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

आपबीती | बंधुआ मजदूर की तरह कराया काम, पैसे मांगने पर की गई पिटाई

बिहार से लौट महिला ने सुनायी पलायन की पीड़ा

नवीन मेल संवाददाता। चंदवा

गांव के लोग अक्सर सीधे साधे और कामकाजी स्वभाव के होते हैं। ये अच्छे तनख्वाह मिलने की चाह में कहीं भी कभी भी जाने को तैयार रहते हैं। लेकिन दूसरे राज्यों में उन्हें मेहनत मजदूरी के बदले शारीरिक व मानसिक रूप से प्रताड़ना ही हाथ लगती है। इसी तरह का एक मामला प्रकाश में आया है। प्रखंड क्षेत्र के हुटाप पंचायत के असनाही गांव की रहने वाली आदिवासी समुदाय की महिला कुंती देवी गांव में काम काज नहीं मिल पाने की स्थिति में चंदवा के एक होटल में दाई का काम करती थी। उसके काम को देखकर एक मानव तस्कर श्रीकांत की गिद्ध नजर उसपर जमीं हुई थी। एक दिन मौका पाकर श्रीकांत नें होटल मालिक से महिला को ले जाने की बात की और होटल मालिक से बात बनते ही महिला को महीना आठ हजार रुपये और खाना-पीना फ्री रहने की बात बोलकर उसे अपने साथ ले गया। मानव तस्कर श्रीकांत अपने साथ कुंती देवी को बिहार के गोला रोड की रहने वाली पुनम सिंह के हाथ बेचकर फरार हो गया।

प्रताड़ना से तंग आकर भाग निकली कुंती

कुंती वहां रहकर घर का सारा काम करती रही। समय गुजरता गया पर जब कुंती के द्वारा पैसे की मांग की जाने लगी तो उन लोगों के द्वारा मारपीट की जाने लगी। प्रताड़ना से तंग आकर 5 जुलाई को कुंती वहां से भाग निकली और आटो वाले की मदद से दीघा स्टेशन पहुंची। वहां से पटना जंक्शन फिर वहां से रांची। रांची से वह किसी तरह चंदवा पहुंच गई। वह कहती है कि इस दौरान उसके पास ना तो खाने के पैसे थे और न ही टिकट कटाने को। घर पहुंचने के बाद परिजनों के माध्यम से नवीन मेल संवाददाता के समक्ष अपनी बातों को रखते हुए बताया कि वहां दो और लड़कियां मुक्ति कुमारी मां किना देवी ग्राम बिजूपाड़ा चान्हो और किरन कुमारी जिसका गांव पता नहीं मालूम हैं। दोनों सालों से वहां कैद हैं। मुक्ति कुमारी द्वारा तनख्वाह मांगे जाने पर उसके साथ मारपीट कर हाथ तोड़ दिया गया था जिसका प्लास्टर दो माह में खोला गया। उपरोक्त मामले के बाबत श्रम अधीक्षक लातेहार लक्ष्मी कुमारी कहती हैं यह दूसरे राज्य की बात है। यह मेरे क्षेत्राधिकार से बाहर है लेकिन बंधुआ मजदूरी की बात है। महिला का आवेदन मिलने पर देखेंगे। उपरोक्त महिला की समस्या के बाबत पूछे जाने पर बीडीओ विजय कुमार कहते हैं कि मजदूरी से संबंधित कार्य श्रम विभाग का है।

वनाधिकार समिति से अनापत्ति प्रस्ताव लेने का 5वां प्रयास विफल

टंडवा (चतरा)। टंडवा थाना क्षेत्र अंतर्गत सीसीएल की आम्रपाली कोल परियोजना में प्रस्तावित रेलवे साइडिंग निर्माण को लेकर निर्माण से पूर्व वनाधिकार समिति से अनापत्ति प्रस्ताव लेने का प्रयास पांचवीं बार शनिवार को विफल हो गया। शनिवार को सेरनदाग में आयोजित बैठक का पूर्व की भांति ग्रामीणों ने एक स्वर में विरोध किया, जिससे बैठक अनिर्णायक खत्म हो गया।दोपहर तीन बजे से प्रतिनियुक्त अंचलकर्मी व सीसीएल के कुछ अधिकारी वनाधिकार समिति व ग्रामीणों की काफी देर तक उपस्थिति को लेकर बाट जोहते रहे लेकिन कोई भी नहीं पहुंचे। इसके पश्चात जीएम अमरेश सिंह आयोजित स्थल से कुछ दूरी पर बाजार टांड में जाकर परियोजना के हित में लोगों को समझाने-बुझाने का अथक प्रयास किया, लेकिन लोगों ने उनकी एक नहीं सुनी।

बाबा बफार्नी अमरनाथ सभी की मनोकामना को पूर्ण करें : जोधनरायन साहू

अमरनाथ यात्रा के लिए शिवभक्तों का जत्था सेन्हा व लोहरदगा से रवाना

नवीन मेल संवाददाता। सेन्हा

कश्मीर स्थित अमरनाथ यात्रा के लिये शिवभक्तों का जत्था सेन्हा व लोहरदगा से रवाना हुई। सेन्हा से सात सदस्यीय कांवरिया रवाना हुई जबकि लोहरदगा से आठ सदस्यीय टीम रवाना हुई। लोहरदगा से एक जत्था बाबा अमरनाथ जी के दर्शन के लिए रवाना हुई उसमे मुख्य रूप से कुणाल अभिषेक, अजय अग्रवाल, राजकुमार अग्रवाल, राजेश कुमार अग्रवाल, रमेश गुप्ता, मनीष कुमार, आशीष कुमार, डॉ अंबर अग्रवाल शामिल है। वही सेन्हा से अमरनाथ रवाना होने वाले में जयप्रकाश साहू, निर्मल खंडित,रमेश महतो,राजू साहू,रवि शुक्ला,किनेश साहू,जितेंद्र साहू शामिल हैं। मौके पर जयप्रकाश साहु और किनेश साहु ने कहा कि बाबा अमरनाथ बफार्नी का दर्शन करने से संकट दूर होता है और मनोकामनाएँ पूर्ण होती है। पवित्र माह सावन में श्रद्धालु भक्तों के द्वारा

भगवान महादेव शंकर को जल चढ़ाने के लिये प्रखंड से सात सदस्यीय कंवरिया दल अमरनाथ के लिये रवाना हो रहे हैं। सभी को व्यवसायी संघ अध्यक्ष जोधनरायन साहू के द्वारा दुर्गा मंदिर परिसर में शुभकामना देते हुए फूल का माला पहनाकर और लड्डू खिलाकर विदा किया गया। आपलोगों का यात्रा मंगलमय हो। बाबा बफार्नी सभी भक्तों का दुख को हरण करें और भगवान महादेव बफार्नी बाबा सभी का मनोकामना को पूर्ण करें। भक्तों ने कहा कि सभी का मनोकामना, खुशी, समृद्धि और क्षेत्र में अमन चैन के लिये बाबा बफार्नी से कामना करेंगे। मौकं पर अजय साहू, केदार साहू, कमेश महतो, अजय सोनी, संतोष महतो अवधेश साहू, विजय सोनी, उपेंद्र महतो सहित व्यवसायी संघ के सभी सदस्य मौजूद थे।

चंद्रशेखर आजाद चौक से आज निकलेगी पहाड़ी मंदिर तक विशाल कांवर यात्रा

लोहरदगा। जिले से प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी पहाड़ी मंदिर रांची 80 किमी तक जाने वाले पैदल कावर यात्रा को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई है। महाकाल क्लब के आजीवन संरक्षक सह पूर्व नप डिप्टी चेयरमैन बलराम साहू ने शिवभक्तों से भारी संख्या में इस यात्रा में शामिल होने की अपील करते हुए बताया कि यह आयोजन सावन के पहले सोमवारी को लेकर होता है। उन्होंने कहा कि सावन माह में बाबा पर जलाभिषेक करने से बाबा सबकी मनोकामना पूर्ण करते है। महाकाल क्लब के अध्यक्ष रितेश कुमार उर्फ कुणाल और सचिव निश्चय वर्मा ने शिवभक्तों से अपील की है कि भारी संख्या में शामिल होकर इस कांवर यात्रा को सफल बनाएं। उन्होंने जिले के तमाम सनातन धर्मावलंबियों के साथ विभिन्न हिंदू संगठनों को भी यात्रा में शामिल होकर जत्था का उत्साह बढ़ाने की अपील की है। बताया गया 9 जुलाई को सुबह 7 बजे से चंद्रशेखर आजाद चौक से जत्था पहाड़ी मंदिर के लिए रवाना होगी। कांवरियों को जिले के गणमान्य लोगों द्वारा रवाना किया जाएगा। जिसके बाद शंख नदी से जल उठाया जाएगा। जहां से पुरोहित द्वारा संकल्प कराने के बाद यात्रा आगे की ओर प्रस्थान करेगी। बताया गया कि यह यात्रा बीते कई वर्षों से निरंतर निकाली जा रही है। इस वर्ष यात्रा को और भी भव्य रूप से निकालने की तैयारी पूरी कर ली गई है। इससे पूर्व तक क्लब के पदाधिकारियों व सदस्यों द्वारा जनसंपर्क अभियान चलाकर लोगों को आमंत्रण पत्र देते हुए इस यात्रा में शामिल होकर यात्रा की शोभा बढ़ाने की अपील की गई।

30 किमी पैदल यात्रा कर घाघरा देवाकी बाबाधाम में करेंगे जलार्पण

भव्य भक्ति जागरण के साथ 24 को निकलेगी कांवर यात्रा

नवीन मेल संवाददाता। लोहरदगा

बाबा भोलेनाथ की आशीर्वाद से श्रावण मास के शुभ अवसर पर प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी कांवरिया संघ, बरवाटोली, लोहरदगा के द्वारा तीसरा सोमवारी को भव्य भक्ति जागरण के साथ देवाकी बाबा धाम मंदिर, घाघरा में जलार्पण के लिए विशाल कांवर यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। यात्रा में शामिल शिवभक्तों की टोली लोहरदगा से 30 किमी पैदल यात्रा कर घाघरा देवाकी बाबाधाम में स्थित भगवान शिव पर जलार्पण करेंगे। इस कांवर यात्रा में सभी लोहरदगा वासियो को सादर आमंत्रित किया गया हैं। इसके लिए निमंत्रण पत्र भी लोगो को भेजा जा रहा है। कांवर यात्रा मनोकामना सिद्धि दुर्गा मंदिर बरवाटोली से सोमवार 24 जुलाई 2023 को प्रातः 7.00 बजे से प्रारंभ होगी। इसका उद्घाटन उपायुक्त डा. बाघमारे प्रसाद कृष्ण, पुलिस अधीक्षक आर. रामकुमार, एस.डी.ओ. अरविंद कुमार लाल, एसडीपीओ वशिष्ठ

कांवरिया संघ बरवाटोली का गठन, अध्यक्ष बने गौरव अग्रवाल, सचिव आलोक

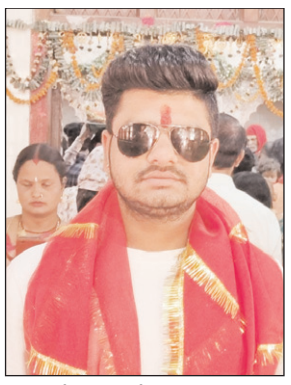

नारायण सिंह संयुक्त रूप से करेंगे, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में गौरव आर.पी. अग्रवाल होंगे जबकि विशिष्ट अतिथि अजातशत्रु, अमन सिंह, सन्नी सिंह, राजीव रंजन, विजय प्रजापति, सन्नी यादव, रोहित साहू, संतोष लकड़ा होंगे। यात्रा को सफल बनाने के लिए एक कमिटी बनाई गई है। इसमें अध्यक्ष गौरव अग्रवाल (लड्डू), कोषाध्यक्ष शुभम अग्रवाल, सचिव आलोक अग्रवाल (निखिल), उपाध्यक्ष विक्रम सिंह, मीडिया प्रभारी राहुल कौशल, प्रचार मंत्री पीयूष अग्रवाल, संभव तमेड़ा, दिव्यांशु तमेड़ा, कौशल मेहता, यात्रा प्रभारी राम सिंह, मनीष अग्रवाल, महेंद्र प्रताप देव, राहुल साहु, अमित यादव को जिम्मेदारी सौंपी गई है। वही मुख्य संरक्षक की भूमिका में डॉ. गणेश प्रसाद, रमेश साहु होंगे। वही संरक्षक में लखन प्रसाद साहु, सुधीर अग्रवाल, सन्तोष महतो, प्रत्युष साहु, शिबू साहु, धीरज अग्रवाल, सुमित रॉय, निखिल गर्ग, चंदन गोयल, नागेंद्र प्रजापति, दुर्गा प्रजापति, अनिल अग्रवाल, अनिश मित्तल, अजय सोनी रहेंगे। उक्त जानकारी कांवरिया संघ बरवाटोली के आजीवन संरक्षक समाजसेवी सुनील अग्रवाल ने दी। उन्होंने बताया कि कांवरियों के लिए सुल्तानगंज से गंगाजल की व्यवस्था मंदिर परिसर में ही किया गया है। इस दौरान श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की कोई परेशानी नहीं हो इसका ध्यान कमिटी रखेगी।

प्री-सुब्रतो कप फुटबॉल प्रतियोगिता 10 जुलाई से

लोहरदगा। प्रखंड स्तरीय, जिला स्तरीय एवं प्रमंडल स्तरीय प्री सुब्रतो कप फुटबॉल प्रतियोगिता, 2023 का आयोजन विभिन्न तिथियों में किया जाएगा। प्रखंड स्तरीय प्रतियोगिता 10-18 जुलाई 2023 तक सभी प्रखंडों में आयोजित की जाएगी। जिला स्तरीय पर प्रतियोगिता 20-25 जुलाई 2023 तक आयोजित की जाएगी। प्रमंडल स्तर पर यह प्रतियोगिता 1-5 अगस्त तक आयोजित की जाएगी। वहीं राज्य स्तर पर यह प्रतियोगिता 24-26 अगस्त तक आयोजित की जाएगी। बालक वर्ग में अंडर 14 एवं 17 में प्रतियोगिता खेली जाएगी। वहीं बालिका वर्ग में सिर्फ अंडर-17 वर्ग में प्रतियोगिता खेली जाएगी। 62वीं सुब्रतो कप इंटरनेशनल फुटबॉल टूनार्मेंट, 2023 (अंडर-17 बालक वर्ग एवं अंडर-17 बालिका वर्ग) 19 सितंबर से 23 अक्टूबर तक नई दिल्ली में एवं सब-जूनियर बालक वर्ग अंडर-14 वर्ग में प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 30 सितंबर से 10 अक्टूबर तक बंगलुरू में निर्धारित है।

दक्षता प्राप्त करने का मौका दे रहा है जिला प्रशासन

लोहरदगा। जिला प्रशासन लोहरदगा द्वारा इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, कैटरिंग टेक्नोलॉजी एंड अप्लाइड न्यूट्रीशन (होटल प्रबंधन खानपान तकनीक एवं पोषण आहार संस्थान) ब्राम्बे, राँची के साथ लोहरदगा जिले के ग्रामीण क्षेत्र के 10वीं/12वीं उत्तीर्ण छात्र/छात्राओं को होटल प्रबंधन के क्षेत्र में निःशुल्क आवासीय प्रशिक्षण प्रदान कर रोजगार के अवसर प्रदान करने हेतु एमओयू किया गया है। इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, ब्राम्बे, राँची में अगस्त, 2023 से प्रारंभ होने वाले निम्नाकित कोर्स हेतु लोहरदगा जिला के होटल प्रबंधन क्षेत्र में रोजगार के इच्छुक युवक/ युवती अपने प्रखण्ड मुख्यालय/ जिला योजना कार्यालय, लोहरदगा में 18 जुलाई तक निर्धारित प्रपत्र में आवेदन जमा कर सकते हैं। जानकारी के अनुसार डिप्लोमा इन फ्रंट ऑफिस कोर्स के लिए आवेदक का 10+2 की परीक्षा उत्तीर्ण होना आवश्यक है। कोर्स की अवधि 1 वर्ष 6 माह होगी।

संक्षिप्त

सन्द्भावना क्रिकेट मैच का किया गया आयोजन

कुडू। प्रखंड के ककरगढ़ पंचायत अंतर्गत ग्राम फूलसूरी पतराटोली में प्रखंड प्रशासन के द्वारा शनिवार 8 जुलाई को सद्भावना क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया। आगामी मुहर्रम पर्व को देखते हुवे खेले गए इस मैच में ककरगढ़ और फुलसुरी कि टीम के बीच हुए शानदार मुकाबले में फूलसूरी पतराटोली की टीम ने 2 विकेट से जीत हासिल की। मौके पर बीडीओ मनोरंजन कुमार, थाना प्रभारी विश्वजित कुमार सिंह, एसआई दिनेश कुमार मेहता, मुखिया चेमनी टोप्पो, युवा सद्भावना मंच सदस्य सलीम आमिर, इम्तियाज अंसारी, मोहम्मद जमीरउद्दीन, किशोर सिंह, कय्यूम अंसारी, गुड्डू खान, नईम अंसारी, मनाना खान एवं काफी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

इंटक के जिला अध्यक्ष अपने पद पर बने रहेंगे

सेन्हा। कांग्रेस इंटक प्रदेश के निर्देशानुसार पत्र जारी कर इंटक जिला अध्यक्ष को पद मुक्त कर दिया गया था। काँग्रेस इंटक के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप कुमार बलमुचू द्वारा पत्र जारी कर लोहरदगा जिला काँग्रेस इंटक जिला अध्यक्ष इमरान आजाद को पद मुक्त कर दिया गया था, जिससे कार्यकर्ताओं में रोष देखा जा रहा था। वही राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर दुबे ने प्रदेश अध्यक्ष का निर्णय को संशोधित करते हुए अगले आदेश तक लिये पुनः काँग्रेस इंटक जिला अध्यक्ष पद पर इमरान आजाद को मनोनीत किया गया है।

सेन्हा में बालू लोडेड एक ट्रैक्टर किया जब्त

सेन्हा। सेन्हा थाना क्षेत्र के भड़गांव बेड़ा टोली पथ से बालू लोडेड एक ट्रैक्टर को गुप्त सूचना के आधार पर परिचालन करते हुए जब्त करते हुए अंचलाधिकारी विजय कुमार को सूचनार्थ किया गया। थाना प्रभारी अभिनव कुमार ने कहा कि थाना क्षेत्र में अवैध बालू उठाव की गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी। वहीं अंचलाधिकारी विजय कुमार ने बताया कि जप्त ट्रैक्टर के विरुद्ध जांचोपरांत खनन अधिनियम के तहत कारवाई किया जाएगा। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार बता दें की बेड़ा टोली से बालू का उठाव कर सरकारी कार्य मे बालू गिराने जा रहा था। उसी दौरान पुलिस कारवाई कर ट्रैक्टर को जब्त किया गया।

युवा सद्भावना मंच अंतर्गत कार्यक्रम आयोजित

लोहरदगा। युवा सद्भावना मंच अंतर्गत प्रखंडों में शनिवार को कई कार्यक्रम आयोजित किये गए। कुडू प्रखंड के प्लस टू प्रोजेक्ट बालिका उच्च विद्यालय में बुक क्लब एक्टिविटी के तहत फलों का चौपाल कहानी पर नाट्य मंचन किया गया। प्रखंड के ककरगढ़ पंचायत में क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया। कैरो प्रखंड के चरिमा गांव में क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया। भंडरा प्रखंड के जमगाईं में फुटबॉल मैच का आयोजन किया गया। युवा सद्भावना मंच के तत्वावधान में सदर प्रखंड के बीएस कॉलेज में फुटबॉल मैच का आयोजन किया गया। सेन्हा में भी फुटबॉल मैच का आयोजन किया गया।

इंटक के गुमला जिला अध्यक्ष बने रहेंगे अमित

घाघरा। इंडियन नेशनल ट्रेड यूनियन कांग्रेस के गुमला जिला अध्यक्ष अमित कुमार साहू को कुछ दिन पूर्व पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप कुमार बालमूचू के द्वारा पद से हटा दिया गया था। जिससे जिला अध्यक्ष काफी आहत हुए थे उन्होंने अपनी बात से राष्ट्रीय नेतृत्व को अवगत कराया। शुक्रवार को धनबाद में राज्य स्तरीय इंटक की बैठक आयोजित की गई जिसमें संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ददई दुबे के द्वारा पुनः अमित कुमार साहू को इंटर का गुमला जिला अध्यक्ष मनोनीत किया गया। मौके पर कई अन्य जिलों के अध्यक्ष भी मनोनीत किए गए। वही अमित कुमार साहू ने कहा कि हाईकमान के द्वारा जो पुनः मुझपर भरोसा जताया गया है मैं उस पर शत-प्रतिशत खरा उतरने का प्रयास करूंगा।

सलाहकार समिति की बैठक 12 को होगी

कुडू। गारिमा केंद्र के स्थापना एवं संचालन हेतु प्रखंड स्तरीय सलाहकार समिति के गठन को लेकर 12 जुलाई को बैठक होगी। बीडीओ मनोरंजन कुमार ने बताया कि महिलाओं के साथ होने वाली हिंसा, समाजिक भेदभाव, डायन कुप्रथा जैसी कुरीतियों को रोकना एवं गरिमा केंद्र में पीड़ित महिलाओं को आपात स्थिति में अस्थायी आवासीय सुविधा प्रदान करने के साथ साथ गरिमा केंद्र के सुधार हेतु समय - समय पर जानकारी देना समिति का उद्देशय है।

खेल के साथ जीवन में शिक्षा का होना निहायत जरूरी : बीडीओ

नवीन मेल संवाददाता। सेन्हा

सेन्हा प्रखंड मुख्यालय के सेन्हा वन डिपू के समीप प्रखंड स्तर पर जिला प्रशासन के सौजन्य से फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्घाटन प्रखंड विकास पदाधिकारी अशोक कुमार चोपड़ा, थाना प्रभारी अभिनव कुमार ने संयुक्त रूप से युवा खिलाडियो से परिचय प्राप्त कर किया।

फुटबॉल टूनोमेंट का शुभारंभ वन डिपू मूहल्ला एवं अमन चौक सेन्हा के बीच खेला गया। दोनों टीम ने खेल का अच्छा प्रदर्शन करते हुए 1-0 से अमन चौक के टीम को पराजित कर खिताब पर कब्जा जमाया। खेल समापन के पश्चात युवा खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी अशोक कुमार चोपड़ा ने कहा खेल के साथ जीवन में शिक्षा का होना निहायत जरूरी है। बताते हुए उन्होंने कहा प्रखंड परिसर में शिक्षा को बढ़ावा देने हेतु पुस्तकालय खोला गया है जहां सभी तबके के बच्चे नामांकन करा कर पुस्तकालय का

लाभ उठाएं और अच्छी शिक्षा गहन कर समाज के लिए प्रेरणा दायक बने। वहीं थाना प्रभारी अभिनव कुमार ने युवाओं को समाज के प्रति सजग करते हुए कहा कि युवा सद्भावना मंच के तहत वैसे युवाओं को कार्ड निर्गत किया जा रहा है जो सभी समुदाय के पर्व में सहयोग के लिए हाथ बढ़ा रहें है। इसके अलावे उन्होंने कहा थाना क्षेत्र में शांति व्यवस्था कायम करने में युवाओं का अहम योगदान देखा गया है। आगे भी उन सभी युवाओं से अपेक्षा है कि सहयोग के भावना से कार्य करें।

इस मौके पर बीडीओ अशोक कुमार चोपड़ा, थाना प्रभारी अभिनव कुमार एस आई गणेश कुमार यादव के अलावे दोनों टीम के खिलाड़ी और अन्य लोग उपस्थित थे।

नियम 8 टन से अधिक लोड वाले वाहन के परिचालन पर रोक

सड़क की सुरक्षा के लिए सूचना पट्ट

नवीन मेल संवाददाता। किस्को

जिले के किस्को मुख्य चौक पर ग्रामीण विकास विभाग की ओर से 6 लाख 23 हजार रुपये की लागत से बनाई गई पीसीसी पथ पर आठ टन से अधिक लोड वाले भारी वाहन का परिचालन में रोक लगाये जाने को लेकर ग्रामीण विकास विभाग की ओर से सड़क के दोनों ओर सूचना बोर्ड लगाकर वाहन चालकों को सूचना देते हुए उक्त पथ पर परिचालन हेतु नियम का अनुपालन करने की हिदायत दी गई है।

यहां पर बता दें कि ग्रामीण विकास विभाग के द्वारा किस्को मुख्य चौक पर स्थित झारखंड ग्रामीण बैंक के समीप से होंदगा मोड़ तक 4 सौ मीटर पीसीसी पथ का निर्माण कार्य लगभग दो माह पूर्व पूर्ण कराया गया है जहां से प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में बाक्साइट लोडेड ट्रक पाखर से

अनलोडिंग हेतु लोहरदगा उक्त सड़क से ही किया करती है। साथ ही विभागीय सामग्रियों का प्रखंड मुख्यालय में अनलोडिंग हेतु आये दिन भारी वाहनों का परिचालन उक्त सड़क से ही होता है जिससे उक्त सड़क का अस्तित्व चंद दिनों में ही खतरे में आ पहुंचा है। इसे लेकर ग्रामीण विकास विभाग ने ड़क की सुरक्षा को देखते हुए सूचना बोर्ड लगाकर वाहन चालकों का ध्यानाकर्षित कराते हुए आठ टन से अधिक लोड वाले वाहनों के परिचालन पर रोक लगाते हुए आदेशों का अनुपालन करने की अपील की।

दहेज उत्पीड़न व मारपीट के आरोप में पति गिरफ्तार

सेन्हा। सेन्हा थाना क्षेत्र के चंदकोपा निवासी श्रवण साहू के पुत्र संटू साहू के विरुद्ध सेन्हा थाना में आवेदन देते हुए संटू साहू की पत्नी सूर्या कुमारी ने दहेज उत्पीड़न व मार पीट का आरोप लगाते हुए न्याय का गुहार लगाई थी। जिसके आलोक में पुलिस द्वारा आरोपी पति को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। थाना प्रभारी अभिनव कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि संटू साहु की पत्नी सूर्या कुमारी ने आवेदन के माध्यम से बताई कि मेरा विवाह चंदकोपा निवासी श्रवण साहु के 35 वर्षीय पुत्र संटू साहु के साथ सम्पन्न हुआ था। विवाह के समय मेरे पिताजी अपने सामर्थ्य अनुसार दहेज दिये थे। परंतु मेरे पति,ससुर श्रवण साहु और सास सीता देवी द्वारा दहेज में फ्रिज व 50 हजार रुपया का मांग कर बार बार मार पीट और प्रताड़ित किया जाता था। जिससे तंग आ कर अपने पति के विरुद्ध प्राथमिक दर्ज करने तथा न्याय का गुहार लगाई। बताते हुए थाना प्रभारी अभिनव कुमार ने कहा कि आवेदन के आलोक में सेन्हा थाना कांड संख्या 94/23 दर्ज कर धारा 323,341,498 ए,377 व 34 भादवि दहेज उत्पीड़न एक्ट 3/4 के तहत संटू साहु को घर से गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत लोहरदगा जेल भेजा गया।

फिडेलिटी मैनेजमेंट एंड रिसर्च कंपनी ने एफपीआई नियमों का किया उल्लंघन

सेबी ने लगाया एक करोड़ का जुर्माना

एजेंसी। नई दिल्ली

मार्केट रेगुलेटर सेबी ने एक आदेश में एफपीआई नियमों का उल्लंघन करने के लिए फिडेलिटी मैनेजमेंट एंड रिसर्च कंपनी (एफएमआरसी) पर 1 करोड़ रुपए का जुमार्ना लगाया है। एफएमआरसी को एक साल और छह महीने तक आवश्यक पंजीकरण के बिना एक विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक के रूप में काम करते पाया गया। एक अलग आदेश में, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने सेबी रेगुलेशन, 2019 के तहत धाराओं का उल्लंघन करते हुए जेपी मॉर्गन चेस बैंक पर 22.1 लाख रुपए का जुमार्ना भी लगाया है। सेबी के नियमों के अनुसार, केवल पंजीकृत फॉरेन पोर्टफोलियो निवेशकों को ही शेयर बाजार में भाग लेने की अनुमति है। इसके अलावा, नियम में यह भी कहा गया है कि अगर एफपीआई निवेशकों के ओनरशिप या कंट्रोल में किसी तरह का कोई भी बदलाव होता है, तो एफपीआई की योग्यता का एक बार फिर से मूल्यांकन किया जाएगा। अगस्त 2021 में, डेजिग्नेटेड डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट जेपीएमसी ने सेबी को फिडेलिटी इन्वेस्टमेंट्स मनी मैनेजमेंट की मटेरियल इन्फॉर्मेशन में बदलाव की सूचना में देरी के बारे में सूचित किया। एफआईएमएम को एक एफपीआई के रूप में पंजीकृत किया गया था और मटेरियल इन्फॉर्मेशन में इसकी सहयोगी फिडेलिटी मैनेजमेंट एंड रिसर्च कंपनी (एफएमआरसी) के साथ इसका मर्जर शामिल था। इसके बाद सेबी ने मटेरियल इन्फॉर्मेशन में बदलाव की सूचना में देरी को लेकर जांच शुरू की। सेबी को जांच से पता चला कि एफएमआरसी के साथ एफआईएमएम के मर्जर से एफआईएमएम बंद हो गया, जो कि एक यूनिट एफपीआई के रूप में पंजीकृत थी। हालांकि, विलय के बाद, सर्वाइविंग एंटिटी एफएमआरसी-जिसने एफपीआई रजिस्ट्रेशन प्राप्त नहीं किया था,एफआईएमएम के नाम, खातों और एफपीआई पंजीकरण के तहत सिक्योरिटी मार्केट में काम कर रही थी। सेबी द्वारा एफएमआरसी के खिलाफ न्यायिक कार्यवाही शुरू करने के बाद, एफएमआरसी को एक कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था, जिसमें एफएमआरसी से पूछा गया था कि उसके खिलाफ जांच क्यों नहीं की जानी चाहिए और उस पर जुर्माना क्यों नहीं लगाया जाना चाहिए। एफएमआरसी ने सेबी को बताया कि उसका मानना है कि विलय के परिणामस्वरूप केवल नाम परिवर्तन हुआ है, कोई मटेरियल परिवर्तन नहीं हुआ है।

अनंत माहेश्वरी ने छोड़ा माइक्रोसॉफ्ट का दामन

नई दिल्ली। माइक्रोसॉफ्ट इंडिया के अध्यक्ष अनंत माहेश्वरी ने कंपनी में लगभग सात वर्ष के कार्यकाल के बाद अपने पद से इस्तीफा दे दिया। बता दें कि कंपनी ने माहेश्वरी के इस्तीफे के बाद ईरीना घोष को टऊ के पद पर प्रमोट किया है। पिछले साल घोष को पदोन्नति देकर माइक्रोसॉफ्ट इंडिया का मुख्य परिचालक अधिकारी बनाया गया था। उन्होंने शशि श्रीधरन की जगह ली है, जिन्हें एशिया में क्षेत्रीय भूमिका का निर्वहन करने के लिए भेजा गया है। बता दें कि अनंत माहेश्वरी ने माइक्रोसॉफ्ट इंडिया में करीब सात साल तक अपनी सेवाएं दी हैं। माहेश्वरी 2016 में माइक्रोसॉफ्ट से जुड़े थे। इससे पहले वह हनीवेल इंडिया के अध्यक्ष और मैकिन्से एंड कंपनी में एंगेजमेंट मैनेजर थे। 1996 में बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से अर्थशास्त्र में मास्टर ऑफ साइंस करने वाले माहेश्वरी ने 1998 में क्क्ट अहमदाबाद से टइअ भी किया है।

ट्विटर की टक्कर में मेटा ने शुरू की 'थ्रेड्स' ऐप

कई केंद्रीय मंत्री और जानी-मानी हस्तियां शामिल

एजेंसी। नई दिल्ली

सोशल मीडिया मंच ट्विटर के प्रतिद्वंद्वी के तौर पर हाल में फेसबुक और इंस्टाग्राम की मालिक कंपनी ह्यमेटा' द्वारा शुरू ऐप ह्यथ्रेड्स' का इस्तेमाल करने वालों में विदेश मंत्री एस.जयशंकर, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, बॉलीवुड स्टार माधुरी दीक्षित, क्रिकेटर शिखर धवन और आध्यात्मिक गुरु सदगुरु सहित अन्य हस्तियां शामिल हैं। नए सोशल मीडिया मंच से महज दो दिन में ही करीब पांच करोड़ से अधिक लोग जुड़े है। केंद्रीय मंत्रियों में विदेश मंत्री एस.जयशंकर, वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी शामिल हैं, जो सोशल मीडिया मंच थ्रेड्स से जुड़े हैं। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक और सूचना प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर भी इस नए मंच से जुड़े हैं।

अन्य मंत्रियों में प्रह्लाद जोशी, गिरिराज सिंह और गजेंद्र शेखावत शामिल हैं। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाई एस जगन मोहन रेड्डी, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के साथ केरल के मुख्यमंत्री पिनरायी विजयन, असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा और गोवा के मुख्यमंत्री डॉ.प्रमोद सावंत भी इस नए मंच का इस्तेमाल कर रहे हैं। मेटा थ्रेड्स को एलन मस्क के स्वामित्व वाले माइक्रोब्लॉगिंग साइट ट्विटर का प्रत्यक्ष प्रतिद्वंद्वी माना जा रहा है और इसकी शुरूआत के महज 24 घंटे के भीतर करीब तीन करोड़ लोग इससे जुड़ गए। मेटा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मार्क जुकरबर्ग ने अपने आधिकारिक थ्रेड्स अकाउंट से इसकी घोषणा की थी। बॉलीवुड निर्देशक करण जौहर, क्रिकेटर शिखर धवन, ऋषभ पंत और सुरेश रैना के साथ-साथ अभिनेत्री काजोल, माधुरी दीक्षित, तापसी पन्नू, तमन्ना भाटिया,अभिनेता अभिषेक बच्चन, अल्लू अर्जुन, जूनियर एनटीआर, चिरंजीवी, महेश बाबू आदि भी इस मंच का इस्तेमाल कर रहे हैं।

मेटा थ्रेड्स को एलन मस्क के स्वामित्व वाले माइक्रोब्लॉगिंग साइट ट्विटर का प्रत्यक्ष प्रतिद्वंद्वी माना जा रहा है

विदेशी मुद्रा 1.85 बिलियन से बढ़कर 595 अरब डॉलर के हुआ पार

एजेंसी। मुंबई

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 30 जून को समाप्त सप्ताह में 1.85 अरब डॉलर बढ़कर 595.05 अरब डॉलर पहुंच गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इससे पिछले सप्ताह में देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 2.90 अरब डॉलर घटकर 593.19 अरब डॉलर रह गया था। देश का विदेशी मुद्रा भंडार अक्टूबर, 2021 में 645 अरब डॉलर के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया था लेकिन वैश्विक घटनाओं के कारण पैदा हुए दबावों के बीच रुपए को संभालने के लिए मुद्रा भंडार का उपयोग करने से इसमें गिरावट आई है। रिजर्व बैंक के साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार, 30 जून को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा

विदेशी मुद्रा आस्तियां 2.54 अरब डॉलर बढ़कर 527.98 अरब डॉलर हो गईं। डॉलर में अभिव्यक्त की जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पौंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं में आई घट-बढ़ के प्रभावों को भी शामिल किया जाता है। हालांकि रिजर्व बैंक ने कहा कि स्वर्ण भंडार का मूल्य 47.2 करोड़ डॉलर घटकर 43.83 अरब डॉलर रहा। आंकड़ों के अनुसार, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 9.5 करोड़ डॉलर घटकर 18.24 अरब डॉलर रह गया।

व्यापार सुविधा में भारत सबसे आगे

एजेंसी। नई दिल्ली

व्यापार सुविधा प्रदान करने के मामले में भारत दक्षिण एशियाई क्षेत्र में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाला देश है। डिजिटल और सतत व्यापार सुविधा पर वैश्विक सर्वेक्षण के अनुसार भारत ने 2021 की तुलना में काफी सुधार किया है। एशिया प्रशांत के लिए संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक आयोग (यूएनईएससीएपी) की रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। 2023 के सर्वे में 140 से अधिक अर्थव्यवस्थाओं को शामिल किया गया है। 60 व्यापार सुविधा उपायों के मूल्यांकन के बाद भारत को 93.55 प्रतिशत के प्रभावशाली स्कोर के साथ सबसे आगे रखा गया है। 2021 में भारत का स्कोर

90.32 प्रतिशत था। सर्वे में हासिल उल्लेखनीय स्कोर असल में व्यापार प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने, पारदर्शिता बढ़ाने और व्यापार की सुविधा के लिए भारत के अथक प्रयासों का प्रमाण हैं। इसमें सिंगल विंडो इंटरफेस (स्विफ्ट), प्री-अराइवल डेटा प्रोसेसिंग, ई-संचित, समन्वित सीमा प्रबंधन जैसी पहलों के माध्यम से हितधारकों के बीच सहयोग को बढ़ावा दिया गया है। भारत ने महिलाओं को कारोबार की सुविधा देने के क्षेत्र में भी पर्याप्त सुधार किया है। 2021 के 66.7 फीसदी के मुकाबले 2023 में भारत को इस श्रेणी में 77.8 फीसदी अंक प्राप्त हुए हैं। यह सरकार की लैंगिक समावेशिता और व्यापार क्षेत्र में महिलाओं के सशक्तीकरण के प्रति प्रतिबद्धता को दशार्ता है। वित्त मंत्रालय ने रिपोर्ट का हवाला देते हुए एक बयान में कहा, भारत का समग्र स्कोर कनाडा, फ्रांस, ब्रिटेन, जर्मनी आदि सहित कई विकसित देशों से अधिक रहा है। भारत के समग्र स्कोर में साल-दर-साल सुधार जारी रहा है, जो अगली पीढ़ी के व्यापार सुविधा उपायों को शुरू करके व्यापार करने में आसानी को और बढ़ाने के लिए मजबूत प्रतिबद्धता का संकेत देता है। मंत्रालय ने कहा, सह सर्वेक्षण भारत में व्यापार करने में आसानी को बढ़ाने और देश में व्यापार सुविधाजनक माहौल को बढ़ावा देने के लिए भारतीय सीमा शुल्क विभाग की ओर से उठाए गए फेसलेस कस्टम्स, ट्यूरेंट कस्टम्स जैसे व्यापार सुविधा उपायों के प्रभाव को दर्शाता है।

गर्मी पड़ने के बाद भी कोका कोला की बिक्र में आई कमी

एजेंसी। नई दिल्ली

देश में जैसे ही गर्मियों की दस्तक होती है, बेवरेज इंडस्ट्री तगड़ा बिजनेस करती है। कह सकते हैं कि उनका आधे से ज्यादा व्यापार इसी मौसम पर टिका रहता है। लेकिन कोका कोला कंपनी की कहानी कुछ अलग है। उसका कहना है कि इस बार गर्मियों में क्योंकि बारिश हुई है, इस वजह से इसका असर सेल पर भी पड़ गया है। इस बारे में कोका कोला इंडिया के वाइस प्रेसिडेंट सुदीप बजोरिया कहते हैं कि ये हमारे के लिए काफी चुनौतीपूर्ण गर्मी रही है। लेकिन इतना जरूर कहा जा सकता है कि जहां से शुरू किया था, उस लिहाज खत्म तो बेहतर स्थिति में कर रहे हैं। सुदीप ने इस बात पर भी जोर दिया कि कंपनियों को ही अब अपने

ग्राहकों को और बेहतर तरीके से समझना होगा। गर्मियों में बारिश होना पिछले कुछ सालों में आम बात हो गई है, ऐसे में बदलने का जिम्मा बेवरेज कंपनियों के ऊपर है। वैसे इस समय कोका कोला की जो डाइट कोक आती है, वो भी विवादों में चल रही है। कारण ये है कि एक रिपोर्ट में कहा गया है कि उस कोक में आर्टिफिशिय शुगर मिलाई जाती है। कोल ड्रिंग को मीठा किया जाता है। ये सवाल जब सुदीप से पूछा गया तो उन्होंने इस पर कोई भी जवाब देने से मना कर दिया।

विदेश

ईरान ने मस्जिद पर हमला करने वाले 2 आतंकियों को दी फांसी

एजेंसी। तेहरान

ईरान में शनिवार को पिछले साल अक्टूबर में शिया मस्जिद पर हमला करने वाले 2 आतंकियों को सार्वजनिक फांसी दी गई। स्टेट मीडिया आईआरएनए के मुताबिक, शिराज शहर में सुबह-सुबह फांसी दी गई। सुनवाई के दौरान आरोपियों ने कबूल किया था कि वो अफगानिस्तान में आतंकी संगठन आईएसआईएस के संपर्क में थे। उन्होंने शाह चेराग मस्जिद पर हमला करने में आतंकियों की मदद की थी। आईआरएनए ने बताया कि दोनों आरोपियों का नाम मोहम्मद रमेज रशीदी और नईम हशेम घोटाली है। दोनों को ईरान के सुप्रीम कोर्ट ने 16 मार्च को फांसी की सजा सुनाई थी। बता दें कि पिछले साल 26 अक्टूबर को शिया मस्जिद पर हुए हमले में 13 लोगों की मौत हुई थी, वहीं 30 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। इनमें कई महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे। आतंकी संगठन क्कक्र ने इस हमले की जिम्मेदारी ली थी। बता दें कि ईरान में साल 2023 में अभी तक 354 लोगों को फांसी दी जा चुकी है। पिछले साल की तुलना में इस साल फांसी की संख्या में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। ईरान ने साल 2022 में 582 लोगों को फांसी की सजा दी थी। वहीं तब शुरूआती 6 महीनों में सिर्फ 261 लोगों को ही सजा-ए-मौत दी गई थी। फांसी की सजा में आई तेजी को ध्यान में रखते हुए नॉर्वे स्थित ईरान ह्यूमन राइट्स ने एक चेतावनी भी जारी की ईरान में बढ़ती फांसी की सजाओं को महसा अमिनी की मौत से जोड़कर देखा जा रहा है। दरअसल, पिछले साल 16 सितंबर को 22 साल की महसा अमिनी की पुलिस कस्टडी में मौत हो गई थी। महसा को पुलिस ने हिजाब नहीं पहनने पर गिरफ्तार किया था।

श्रीलंकाई संसद अध्यक्ष ने भारत से कहा शुक्रिया

वित्तीय संकट से आपने हमें बचाया

एजेंसी। काठमांडू

श्रीलंका के संसद के अध्यक्ष महिंदा यापा अभयवर्धने ने कहा है नई दिल्ली ने कोलंबो को जिस तरह की मदद प्रदान की उस तरह की मदद किसी अन्य देश द्वारा नहीं की गई। ध्यक्ष महिंदा यापा अभयवर्धने ने पिछले साल अभूतपूर्व आर्थिक संकट के दौरान श्रीलंका को बचाने और खून-खराबा रोकने के लिए भरोसेमंद दोस्त भारत के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पिछले साल श्रीलंका को भीषण आर्थिक संकट दौरान भारत ने पड़ोसी प्रथम' की अपनी नीति के तहत विभिन्न माध्यमों से कोलंबो को लगभग चार अरब डॉलर की मदद प्रदान की थी। इंडियन ट्रैवल कांग्रेस के प्रतिनिधियों के लिए शुक्रवार को यहां आयोजित भव्य रात्रिभोज समारोह में अपने संबोधन में अभयवर्धने ने कहा कि भारत ने

वित्तीय संकट के दौरान हमें बचा लिया, अन्यथा हम सभी को एक और रक्तपात का सामना करना पड़ता। उन्होंने नकदी संकट का सामना कर रहे श्रीलंका को दी गई मदद के लिए भारत को धन्यवाद दिया और दोनों देशों तथा उनकी संस्कृतियों के बीच सभ्यतागत संबंधों तथा समानताओं को याद किया। अभयवर्धने ने कहा, श्रीलंका और भारत सांस्कृतिक, राष्ट्रीय और नीतिगत रूप से बहुत करीब से जुड़े हुए देश हैं तथा सबसे ऊपर, भारत श्रीलंका का एक बहुत करीबी सहयोगी और भरोसेमंद दोस्त रहा है। जब भी हम मुसीबत में पड़े भारत ने हमेशा मदद की। उन्होंने कहा, और, इस बार भी, आज, मैंने सुना है कि भारत हमारे ऋणों के पुनर्गठन को 12 वर्ष के लिए बढ़ाने को तैयार है। कभी ऐसी उम्मीद नहीं थी और न ही इतिहास में भी किसी देश ने इस तरह की सहायता दी है।

भारत श्रीलंका का एक बहुत करीबी सहयोगी और भरोसेमंद दोस्त रहा है। जब भी हम मुसीबत में पड़े भारत ने हमेशा मदद की

अभयवर्धने ने कहा, मैं बताना चाहता हूं कि पिछले साल हम पर जो मुसीबत आई थी, उसके दौरान आपने (भारत ने) हमें बचाया, भारत ने हमें बचाया, अन्यथा हम सभी के लिए एक और रक्तपात होता। तो, इस तरह भारत हमारी मदद के लिए आगे आया।" उन्होंने श्रीलंका में भारतीय उच्चायुक्त गोपाल बागले, श्रीलंका के पर्यटन और भूमि मंत्री हरिन फर्नांडो और श्रीलंका सरकार के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में यह टिप्पणी की।

भारतीय मिशन पर कोई भी प्रत्यक्ष हमला अस्वीकार्य

लंदन। सोशल मीडिया चैनलों पर खालिस्तानी चरमपंथियों द्वारा भारत विरोधी दुष्प्रचार के बीच ब्रिटिश सरकार का यह बयान सामने आया है। ब्रिटेन के विदेश मंत्री जेम्स क्लेवरली ने ट्विटर पर घोषणा की कि देश में भारत के राजनयिक मिशन के कर्मचारियों की सुरक्षा सर्वोपरि है। अमेरिका, आस्ट्रेलिया और कनाडा में भारतीय राजनयिक मिशन को निशाना बनाए जाने और ब्रिटेन में भारतीय उच्चायुक्त विक्रम दोरईस्वामी और बर्मिंघम में भारत के महावाणिज्यदूत डा शशांक विक्रम की तस्वीरों के साथ कुछ धमकी भरे पोस्टर आनलाइन सामने के बीच क्लेवरली ने कहा कि लंदन में भारतीय उच्चायोग पर कोई भी प्रत्यक्ष हमला पूरी तरह से अस्वीकार्य है। उन्होंने कहा कि हमने विक्रम दोरईस्वामी और भारत सरकार को स्पष्ट कर दिया है कि उच्चायोग में कर्मचारियों की सुरक्षा सर्वोपरि है। मार्च में खालिस्तानी चरमपंथियों द्वारा उच्चायोग की इमारत को निशाना बनाए जाने के बाद से मध्य लंदन में इंडिया हाउस में मेट्रोपालिटन पुलिस ने सुरक्षा को कड़ा कर दिया है। क्लेवरली ने कहा कि ब्रिटिश सरकार ह्यभारतीय उच्चायोग की सुरक्षा की समीक्षा करने के लिए पुलिस के साथ मिलकर काम करेगी, और इसके कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के वास्ते आवश्यक बदलाव करेगी।

डॉलर छोड़ भारतीय रुपए में व्यापार करेगा बांग्लादेश ईस्टर्न बैंक और सोनाली बैंक ने किया ऐलान

ढाका। बांग्लादेश के 2 बैंक अब भारत के साथ व्यापार भारतीय रुपए में ही करने की योजना बना रहे हैं। ईस्टर्न बैंक और सोनाली बैंक ने ऐसा करने का ऐलान किया है। ईस्टर्न बैंक इस संबंध में 11 जुलाई को घोषणा कर सकता है। यह कदम ऐसे मौके पर उठाया गया है जब बांग्लादेश के विदेशी मुद्रा भंडार में अप्रत्याशित गिरावट देखने को मिल रही है। ये बैंक डॉलर पर निर्भरता को कम करने के लिए भारतीय रुपए के इस्तेमाल की योजना बना रहे हैं। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार ईस्टर्न बैंक, 11 जुलाई को इसकी घोषणा कर देगा। यह बैंक रइकऔर क्छक्छकके साथ पहले ही रुपया खाता खोल चुका है। बांग्लादेश के सरकारी बैंक सोनाली बैंक ने भी इसी तरह का कदम उठाया है। गौरतलब है कि दुनियाभर में डॉलर की बजाय स्थानीय करेंसी को बढ़ावा दिया जा रहा है ताकि वित्तीय संकट के समय विदेशी मुद्रा भंडार बचान में मदद मिल सके। ईस्टर्न बैंक के एमडी ने रुपए में ट्रेड के फायदों के बारे में कुछ अन्य बातें भी कही हैं। ईस्टर्न बैंक के मैनेजिंग डायरेक्टर अली रजा इफ्तिखार ने गुरुवार को बताया कि दोनों देशों के बीच व्यापार के लिए भारतीय रुपए का इस्तेमाल सुविधाजनक और तुलनात्मक रूप से सस्ता लेनदेन मार्ग उपलब्ध कराता है। उन्होंने कहा कि इससे क्सचेंज कॉस्ट और व्यापार करने की लागत में गिरावट आएगी।

नेपाल की राजनीति में भारत का कोई दखल नही : ओली

काठमांडू। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री केपी ओली ने कहा कि प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड' की एक हालिया टिप्पणी को लेकर भारत को विवाद में नहीं घसीटा जाना चाहिए जिसमें प्रचंड ने कहा था कि नेपाल में भारतीय कारोबारी सरदार प्रीतम सिंह ने उन्हें प्रधानमंत्री बनाने के प्रयास किए थे। प्रंचड ने कहा था, उन्होंने (सिंह ने) एक बार मुझे प्रधानमंत्री बनाने का प्रयास किया था। प्रचंड ने एक किताब के विमोचन कार्यक्रम में कहा, उन्होंने मुझे प्रधानमंत्री बनाने के लिए कई बार दिल्ली की यात्रा की और काठमांडू में राजनीतिक नेताओं के साथ कई दौर की बातचीत की। उनकी टिप्पणी ने विवाद खड़ा कर दिया है और कई हलकों से इसकी आलोचना हुई है और संसद की कार्यवाही भी ठप्प कर दी गई है। प्रचंड की टिप्पणी पर ओली ने कहा, भारत अच्छी तरह से जानता है कि नेपाल में सरकार गठन में हस्तक्षेप करना नेपाल की संप्रभुता का उल्लंघन होगा और उसने ऐसा नहीं किया है और न ही करेगा।

कारोबार

तालिबान ने औरतों के ब्यूटी सैलून पर लगाई पाबंदी, कहा

इस्लाम इसकी इजाजत कभी नहीं देता

एजेंसी। काबुल

तालिबान ने कहा है कि अफगानिस्तान में महिलाओं के ब्यूटी सैलून पर पाबंदी लगाई गई है, क्योंकि ये ऐसी सेवाएं देते हैं जो इस्लाम में हराम हैं। पाबंदी की दूसरी वजह ये भी है कि विवाह के दौरान दूल्हे के परिवार के लिए यह आर्थिक परेशानी का कारण बनते हैं। तालिबान का यह बयान ऐसे वक्त आया है जब कुछ दिन पहले ही उसने देश के सभी सैलून को अपना करोबार समेटने और दुकान बंद करने के लिए एक महीने का वक्त दिया है। तालिबान के इस फरमान पर अंतरराष्ट्रीय अधिकारियों ने महिला उद्यमियों पर इसके प्रभाव को लेकर चिंता जताई है। अफगान महिलाओं व लड़कियों की आजादी और उनके अधिकारों पर पाबंदी लगाने वाला यह हालिया फैसला है। इससे पहले तालिबान महिलाओं व लड़कियों की शिक्षा, सार्वजनिक स्थान पर जाने और रोजगार के अधिकतर तरीकों पर पाबंदी लगा चुका है। बृहस्पतिवार को जारी एक वीडियो क्लिप में तालिबान शासित धार्मिक मामलों के वर्चु एंड वाइस मंत्रालय के प्रवक्ता सादिक अकिफ महजर ने ऐसे कई सैलूनों को सूचीबद्ध किया। उन्होंने कहा कि भवों को आकार देना, मेकअप का इस्तेमाल करना, किसी महिला के प्राकृतिक बालों को बढ़ाने के लिए दूसरों के बाल का इस्तेमाल करना आदि इस्लाम के खिलाफ है। महजर ने कहा कि ब्यूटी सैलून विवाह के दौरान दूल्हे के परिवार के लिए आर्थिक परेशानी का कारण बनते हैं क्योंकि यहां दुल्हन के मेकअप का खर्चा दूल्हे के परिवार को उठाना होता है। उनका कहना है कि ये बेवजह की कसरत होती है जिसकी वजह से पैसे की बबार्दी होती है और दूल्हे के परिवार को दुल्हन पक्ष की और भी महिलाओं के सैलून जाने का खर्च उठाना होता है। गौरतलब है कि अफगानिस्तान का नियंत्रण तालिबान के हाथ में जाने के बाद महिलाओं के खिलाफ कई सारे फैसले किए जा चुके हैं। तालिबान मानता है कि महिलाओं को आजादी देना इस्लाम के खिलाफ है। उसके इन कदमों की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खासी निंदा भी की जा चुकी है।

पाकिस्तान में चीन की बीआरआई परियोजना खटाई में

पीएम शहबाज ने प्रधानमंत्री मोदी को दे डाला न्योता

एजेंसी। इस्लामाबाद

पाकिस्तान में चीन की सबसे महत्वकांक्षी परियोजना बेल्ट एंड रोड (बीआरआई) पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। इस परियोजना के तहत ही शुरू किए गए चाइना-पाकिस्तान आर्थिक कॉरिडोर (सीपीईसी) प्रोजेक्ट के 10 साल पूरे हो गए हैं। बेशक पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस परियोजना की जमकर तारीफ की है लेकिन इसे पूरा करने से पहले ही चीन ने हाथ खड़े कर दिए हैं। इसके बावजूद पीएम शहबाज ने भारत को भी न्योता दे डाला है कि वह इसमें शामिल होकर लाभ उठाए। रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान जहां सीपीईसी परियोजना का जश्न मना रहा है, वहीं इस कंगाल देश में 25 अरब डॉलर तक उड़ा देने वाले चीन का दिवाला निकल गया है। एक तरफ कंगाल पाकिस्तान की सरकार सीपीईसी परियोजनाओं का पैसा नहीं दे पा रही है, वहीं बलूच विद्रोही चीनी नागरिकों पर खूनी हमले कर रहे हैं। वाइस ऑफ अमेरिका की रिपोर्ट के मुताबिक आतंकी हमलों और कर्ज के अदायगी पर चीन और पाकिस्तान में मतभेद बढ़ गया है और इस वजह से सीपीईसी परियोजना अधर में लटक गई है। रिपोर्ट में अधिकारियों और आलोचकों के हवाले से यह जानकारी दी गई है।

एक नजर इधर भी

विद्रोही नायिका शांता आप्टे

सिनेमा में स्त्री या नायिका को सम्मानजनक स्थिति दिलाने के लिए अस्सी के दशक में हमें स्मिता पाटिल और शबाना आजमी के चेहरे नजर आते हैं लेकिन इससे भी पहले चालीस के दशक में यह काम शांता आप्टे ने किया। हिंदी और मराठी सिनेमा में उन्होंने अपने समय में कई कीर्तिमान स्थापित किये। वह गाती तो अच्छा थीं ही बल्कि नृत्य में भी निपुण थीं। अपनी आंखों के सुंदर उपयोग से उन्होंने अपने नृत्य को इतना स्वाभाविक बना दिया था कि दर्शक उससे प्रभावित हुए बिना नहीं रह पाते थे। उनके गायन और अभिनय की तुलना कोलकाता की विख्यात बंगला कलाकार कानन देवी से की जाती थी। एक अच्छी गायिका के तौर पर ग्रामोफोन कंपनियों ने उनके स्वतंत्र रूप से रिकॉर्ड भी जारी किये। अपनी पहली ही फिल्म श्यामसुंदर से चर्चा में आईं शांता आप्टे की अन्य चर्चित फिल्में थीं- 'अमृत मंथन', 'अमर ज्योति', 'राजपूत रमानी', 'दुनिया न माने', 'कुंकू' आदि। बाद में उन्होंने तमिल फिल्म 'सावित्री' (1941) में भी काम किया। उनकी अंतिम फिल्मों में 'भाग्यरेखा', 'मैं अबला नहीं हूं', 'स्वयंसिद्ध' ,'चंडी पूजा' ,'राम भक्त विभीषण' (1958) का उल्लेख मिलता है। लेकिन उनकी सबसे ज्यादा चर्चा 1937 में आई फिल्म 'दुनिया न माने' से हुई जिसे प्रभात फिल्म कंपनी ने बनाया था । वी. शांताराम द्वारा निर्देशित यह फिल्म बेमेल विवाह की समस्या पर आधारित थी। इस फिल्म की सराहना विदेशों में भी हुई। यह फिल्म उस समय बनाई गई थी जब नारी स्वतंत्रता जैसा कोई शब्द समाज ने नहीं सुना था। शांता आप्टे ने नायिका नीरा की भूमिका में इतना विलक्षण अभिनय किया था कि समाज में उनकी विद्रोही महिला की छवि स्थापित हो गई थी। फिल्म में नायिका नीरा अपने सौतेले माता-पिता के द्वारा जबरदस्ती कर दिये गये विवाह को बहुत साहस के साथ अस्वीकार करती है। वह विवाह के बंधन में बंध जाने के बाद भी उस विवाह के बंधन को स्वीकार नहीं करती। शांताराम ने नायिका को ऐसा व्यक्तित्व प्रदान किया था कि वह कोरा आदर्शावाद बघारती स्त्री दिखाई न दे। वे उसे ऐसी आत्मसंयमी, विदुषी और विद्रोहिणी नारी बनाते हैं जो यथार्थ जीवन में भी लोगों को प्रेरणा दे सके। शांताराम ने इस बेमेल विवाह के अनमेल को तीव्र व्यंग्यात्मक रूप में दिखाने के लिए विभिन्न प्रकार की ध्वनियों का सहारा लिया था। नायिका और उसके बूढ़े पति की बहन के बीच की लड़ाई को नेपथ्य में बिल्लियों की लड़ने की आवाजों के द्वारा दर्शाया गया था। इसी तरह जब बूढ़ा पति अपनी मूंछों को रंग रहा होता है, तब नेपथ्य से बर्तन में कलई करने वाले की आवाज आती है-कलई करा लो। छाते के नीचे खड़े हुए राजकपूर और नर्गिस की प्रतीकात्मक छवि से पहले 'दुनिया न माने' में बूढ़ा पति अपनी लाचारी को छुपाने के लिए कई तरह से छाते का प्रयोग करता है। शांता आप्टे का जन्म 23 नवंबर, 1916 को महाराष्ट्र के एक ब्राह्मण परिवार में हुआ था। पिता स्टेशन मास्टर थे और घर में संगीत का माहौल था। उन्हें उनके पिता ने पंढरपुर के महाराज संकेत विद्यालय से प्रशिक्षण भी दिलवाया था। फिल्मकार भालजी पेंढारकर ने उन्हें फिल्मों में सर्वप्रथम प्रस्तुत किया फिल्म 'श्याम सुंदर' में। सरस्वती सिनेटोन की इस फिल्म में उन्होंने राधा का रोल किया था। हालांकि फिल्म हिंदी में ज्यादा नहीं चली लेकिन मराठी में इसने सिल्वर जुबली मनाई। शांता आप्टे की प्रतिभा का सही उपयोग प्रभात फिल्म कंपनी की फिल्मों में किया गया। वे केवल अपने चरित्र से ही नहीं बल्कि आम जीवन में भी बहुत दिलदार और बेधड़क थीं। उस जमाने में पत्रिका 'फिल्म इंडिया' के संपादक बाबूराव पटेल की तूती बोलती थी। एक बार उन्होंने उनके ऊपर कोई गॉसिप लिख दिया तो वह फिल्म इंडिया के ऑफिस में डंडा लेकर पहुंच गई थीं और बाकायदा उनकी टेबल पर जाकर उन्हें धमकाया कि अगर आगे ऐसा कुछ किया तो उनकी पिटाई होगी।

■ अजय कुमार शर्मा

अमृतकाल पर सजग संजय-दृष्टि

मोदी सरकार के 9 वर्षों का मूल्यांकन करती एक किताब

सक्रिय पत्रकारिता की लंबी पारी खेलने के बाद अब मीडिया-गुरु के रूप में सुपरिचित प्रो. संजय द्विवेदी समकालीन विषयों पर निरंतर लिखते रहे हैं। इनका राष्ट्रवादी टोन आकर्षित करता है। बिना किसी की परवाह किये संजय ऐसे विषय भी उठाते हैं, जिनको लेकर कुछ लोग उनकी आलोचना भी करते हैं, लेकिन ध्येयवादी इस लेखक-पत्रकार ने कभी ऐसे तत्वों की परवाह नहीं की और जो सच है और जो लिखा जाना चाहिए, उस पर बाकायदा कलम चलाई। अपनी प्रतिबद्ध वैचारिक लाइन पर चलते हुए पिछले कुछ वर्षों में राजनीतिक, सामाजिक और मीडिया संबंधी तीन हजार से भी अधिक लेख लिखने वाले संजय की नई पुस्तक भी कमाल की है। इस लेखक की पिछली पुस्तक 'भारतबोध का नया समय' भी काफी चर्चित रही और अब यह 'अमृतकाल में भारत'। इस पुस्तक में प्रो. संजय ने केंद्र सरकार के कुछ अभिनव कार्यों पर अपनी सकारात्मक दृष्टि डाली है। इसमें दो राय नहीं कि आजादी के अमृत महोत्सव को ध्यान में रखकर केंद्र सरकार ने जनहित में कुछ उत्कृष्ट कार्य किये। कुछ अभूतपूर्व निर्णय लिए, इन सबका सारगर्भित विश्लेषण समीक्ष्य पुस्तक में मिलता है। लेखक ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को नये भारत के शिल्पकार और राष्ट्रनायक के रूप में अपनी पुस्तक समर्पित की है। पिछले नौ वर्षों में प्रधानमंत्री द्वारा लिए गये निर्णयों ने देश को वैश्विक स्तर पर भी एक विशिष्ट पहचान दी। योग दिवस और मिलेट्स वर्ष आज पूरी दुनिया मना रही है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने बदलाव के नये आयाम गढ़े। स्वच्छ भारत से लेकर स्वस्थ भारत और बेटा-बेटी एक समान जैसे उदात्त-चिंतन ने बदलाव की बयार बहाई। खेलो इंडिया, हर-हर गंगे, नमामि गंगे के साथ ही डिजिटल क्रांति के रूप में भारत को जो नई पहचान मिली, उसका लोहा अब पूरी दुनिया मान रही है। इन सभी विषयों पर प्रो. संजय ने सन्तुलित कलम चलाई है। नये संसद भवन का निर्माण भारतीय अस्मिता की नवीन पहचान से कम नहीं। संजय द्विवेदी ने इस सत्य को स्थापित किया है कि मोदी की बातों में माटी की महक है। वे संवाद कला के महारथी हैं। जनसंचार माध्यमों का रचनात्मक इस्तेमाल कोई इनसे सीखे। 'मन की बात' के माध्यम से वे देश के करोड़ों लोगों तक पहुँचे। जिस आकाशवाणी को हमने हाशिये की चीज समझ लिया था, उसे प्रधानमंत्री ने मन की बात के माध्यम से कितना लोकप्रिय कर दिया, यह सबके सामने है। भारत की प्रगति और उस के श्रेष्ठ विकास कार्यों की गूँज विश्व स्तर पर हुई है इसलिए तो अमेरिका को भी कहना पड़ा कि 'दुनिया भारत का बौना होना गवारा नहीं कर सकती। आपको दिग्गज होना होगा और सही किस्म का दिग्गज होना होगा।' प्रधानमंत्री ने यह करके दिखा दिया। यह पुस्तक प्रधानमंत्री के तमाम सपनों और सरकार के उत्कृष्ट कार्यों का विहंगावलोकन है। समीक्ष्य पुस्तक में अनेक जगह आँकड़ों के माध्यम से भी देश के विकास को दर्शाया गया है। सबसे बड़ी बात यह है कि अमृतकाल में आने वाले पच्चीस सालों के विराट संकल्प भी हैं। कोई भी राष्ट्र क्यों वर्तमान में नहीं जीता। वह अपने भविष्य के एजेंडे भी तय करता है। मोदी सरकार ने आने वाले पच्चीस सालों की भी चिंता की है। उस समय देश आजादी की शताब्दी मनायेगा, तब का भारत कैसा होगा, इसकी चिंता अमृतकाल में करना और उसके अनुरूप कदम उठाना बड़ी बात है। 'राष्ट्र सर्वोपरि' और 'कर्मभोगी नहीं, कर्मयोगी बनें' नामक अध्याय में प्रो. द्विवेदी ने प्रधानमंत्री के कर्मठ जीवन के बारे में विस्तार से प्रकाश डाला है। सरकारी कर्मचारी अपनी सेवा को सिर्फ सरकारी न समझे, वरन देश की विकास यात्रा में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका समझकर कार्य करें। प्रधानमंत्री यही भाव जाग्रत करना चाहते हैं। उनके विचारों को अनेक उदाहरणों के साथ लेखक ने लिपिबद्ध किया है। लोकतंत्र एवं समाज, संवाद और संचार, विकास के आयाम, विज्ञान एवं तकनीक, कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा, भाषा नामक विभिन्न अध्यायों में लेखक ने प्रधानमंत्री के नवाचारों और संकल्पों को सारगर्भित ढंग से प्रस्तुत किया है। लेखक ने 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति : बदलाव की बुनियाद' में नई शिक्षा को लेकर प्रधानमंत्री ने जो कुछ सुधार किये, उसका विस्तृत विवरण दिया है। जैसे शिक्षा मंत्रालय ने 'दीक्षा' प्लेटफार्म शुरू किया। इसका 'स्वयं' नामक पोर्टल को तेईस करोड़ हिट्स मिले। इसी से समझा जा सकता है युवा पीढ़ी के लिए यह पोर्टल कितना उपयोगी रहा।'

अपनी प्रतिबद्ध वैचारिक लाइन पर चलते हुए पिछले कुछ वर्षों में राजनीतिक, सामाजिक और मीडिया संबंधी तीन हजार से भी अधिक लेख लिखने वाले संजय की नई पुस्तक भी कमाल की है। इस लेखक की पिछली पुस्तक 'भारतबोध का नया समय' भी काफी चर्चित रही और अब यह 'अमृतकाल में भारत'।

पुस्तक समीक्षा

संजय द्विवेदी

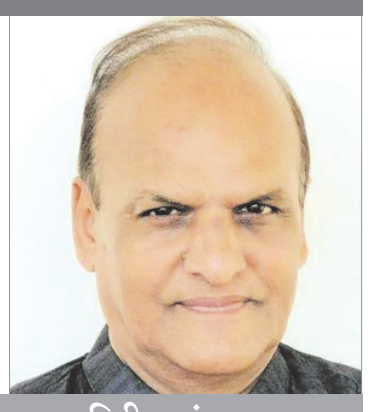

गिरीश पंकज

एनसीईआरटी की किताबों ने प्रसन्न कर दिया

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने पहली व दूसरी कक्षा की पुस्तकें जारी की हैं। ये राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसरण में तैयार की गई हैं। प्रसन्नता की बात है कि इनमें तैत्तरीय उपनिषद में वर्णित पंचकोष का उल्लेख किया गया है। तैत्तरीय उपनिषद में आनंद का समुचित विवेचन है। कहते हैं, 'चेतन से आकाश पैदा हुआ। आकाश से वायु वायु से अग्नि और अग्नि से जल का उद्भव हुआ। जल से पृथ्वी। पृथ्वी से औषधियां वनस्पतियां प्रकट हुईं। वनस्पतियों औषधियों से अन्न और अन्न से पुरुष पैदा हुआ। यह पुरुष अन्नमय है। (तैत्तिरीय उपनिषद 2.1) यहां सृष्टि के विकासवादी सिद्धांत के संकेत है। आगे कहते हैं,' अन्न से प्रजा उत्पन्न हुई। अन्न से जीवित रहती है और अन्न में लीन होती है। अन्न सभी प्राणियों का ज्येष्ठ है। अन्नमय शरीर के भीतर प्राणमय शरीर है।' प्राण के बारे में कहते हैं, 'प्राण ही आयु है - प्राणोहि भूतानां आयु। फिर प्राणमय शरीर के भीतर मनोमय कोष है।' मनोमय से यह प्राणमय शरीर पूर्ण है। वह प्राणमय शरीर में सर्वत्र व्याप्त है। इसके भीतर विज्ञानमय कोष है। फिर विज्ञान के गुण बताते हैं, 'विज्ञान कर्म क्षेत्र का विस्तारक है। सभी देवता ज्येष्ठ ब्रह्म की तरह विज्ञान की उपासना करते हैं। विज्ञान ब्रह्म है। विज्ञानमय कोष के भीतर आनंदमय कोष है। प्रिय उस आनंद का सिर है। मोद दक्षिण भाग है। प्रमोद उत्तर भाग है। आनंद आत्मा है। आनंदमय कोष सुन्दर उपलब्धि है। आनंद सृष्टि का मूल तत्व है। वह सृष्टि का नियंता है। शंकराचार्य ने तैत्तिरीय उपनिषद के भाष्य में लिखा है, 'आनंद विद्या और कर्म का फल है। विद्या और कर्म भी प्रिय और आनंद के लिए ही हैं। प्रिय पदार्थ की प्राप्ति से होने वाला आनंद मोद कहलाता है। वही हर्ष प्रकट करने पर प्रमोद कहा जाता है। फिर विज्ञानमय पुरुष का वर्णन है। यह मनोमय शरीर से भी सूक्ष्म है। विज्ञानमय जीवात्मा समस्त शरीर में व्याप्त है।' गीता (13.3.22) में कहते हैं कि, 'जीवात्मा रूप क्षेत्रज्ञ शरीर रुपी क्षेत्र में सर्वत्र व्याप्त है।' इसके बाद आनंदमय पुरुष का वर्णन है। यह विज्ञानमय जीवात्मा से भिन्न है। यह उसके भीतर रहता है। इसे आनंदमय कहा गया है। आनंदमय के पहले विज्ञानमय पुरुष व्याप्त है। वह इसमें भी परिपूर्ण है। आनंदमय की तुलना पक्षी रूप में की गई है। प्रिय भाव उस पक्षी का सिर है। समस्त प्राणी आनंद चाहते हैं। इस पक्षी का दाहिना पंख मोद है। दायां पंख प्रमोद है। आनंद ही परम सत्ता का मध्य अंग है। सम्पूर्ण आनंद सम्पूर्ण दिव्यता है। अनेक पदार्थ मधु, दूध और घी भी अपने स्वाद में आनंद देते हैं। वैदिक ऋषियों को आनंदित करने वाले सोम भी आनंददाता हैं। ऋग्वेद में एक पूरा मण्डल (9) सोम को समर्पित है। सोम आनंदवर्धक पेय हैं। आनंददाता हैं। आनंद का स्रोत हैं। (9.113.6) ऋषि स्तुति है, 'हे सोम आप वरुण व इन्द्र को आनंद देते हैं। आप विष्णु सहित सभी देवों को आनंदित करते हैं। देवता भी अमृतत्व पाने के लिए सोम पीते हैं। (9.106.8) वैदिक पूर्वजों के दूध प्रिय है। ऋषि सोम में गाय का दूध मिलाते हैं। (9.6.6) सोम और दूध का मिलन सभी रसों का दाता है।' ऋषि कहते हैं, 'जिस समय सोम को दूध के साथ मिलाते हैं उस समय सभी रस आकर्षित होते हैं।' मजेदार बात यहां यह है कि यहां आनंद के स्रोत आस्था विश्वास में नहीं भौतिक पदार्थों में हैं। ऋषि सोम में दूध मिलाने के बाद दही मिलाते हैं। पहले सोम में दूध और फिर दही फिर इससे मिलने वाला सभी रसों का आनंद। वे इस आनंद में नमस्कार का भाव भी मिलाते हैं। ऋषि कहते हैं, 'मधुर सोमरस में मधुर गोदूध मिलाओ फिर नमस्कार करो। फिर दही मिलाओ। नमस्कार सहित दूध के साथ सोमपान सभी रसों का आनंददाता है। नमस्कार का अपना रस है। यह नमस्कार आधुनिक पियक्कड़ों के 'चियर्स' जैसा है।' कहते हैं, 'सोम में जब दूध मिलाया जाता है तब सोमपान से सभी देवगण आनंदित होते हैं।' सोम देवता का उल्लेख ईरान के प्राचीन ग्रन्थ 'अवेस्ता' में भी हैं। ऋग्वेद के सोम 'अवेस्ता' में 'होम' हैं। ऋषियों के अनुसार सोम के दर्शन से सृजन कर्म विशिष्ट हो जाते हैं। काव्य उगते हैं। गीत प्रकट होते हैं। ऋग्वेद (9.50.1) में कहते हैं, 'हे सोम आपके उद्भव से हम याजक, ऋक, यजु और साम मन्त्रों का गान करते हैं।' मैकडनल जैसे कुछ विद्वान सोम को इंटोक्सिकेटिंग - नशीला पदार्थ बताते हैं। यह बात गलत है। सोम रचनाशीलता का आनंद है।' इसे पवित्र बताते हैं, 'पवित्र यह सोमरस सूर्य की तरह सभी लोकों में प्रकाशित होता है। (9.54.3) सोम ज्ञानदाता हैं।' एनसीईआरटी ने उचित ही तैत्तिरीय उपनिषद के पंचकोष का बच्चों के पाठ्यक्रम के लिए सदुपयोग किया है। यह एक अच्छी शुरूआत है। उपनिषद का ज्ञान निष्कलुष और आनंददाता है। हम सब आनंद अभीप्सु हैं। मनुष्य आनंद का भोक्ता है। लेकिन अभिलाषाएं अनंत हैं। सभी इच्छाएं पूरी नहीं होती। इससे तनाव बढ़ता है। वैदिक समाज आनंद मगन था। कामना अभिलाषाओं के तनाव नहीं थे। तैत्तिरीय उपनिषद के ऋषि ने आनंद का प्रेमपूर्ण विश्लेषण किया है। ऋषि प्रारम्भ में ही कहते हैं 'अब हम आनंद की मीमांसा करते हैं, - मनुष्य युवा हों। श्रेष्ठ आचरण से युक्त हों। अध्ययनशील हों, अंग स्वस्थ हों। धनवान हों। पृथ्वी पर अधिकार भी हों। तो यहां आनंद है।' यहां आनंद की सारी बातें भौतिक हैं। आगे कहते हैं कि, 'लेकिन इस तरह से सौ आनंदों से बड़ा मनुष्य गंधवार्णां आनंद है। गंधर्व आनंद कविता संगीत कला और संस्कृति से जुड़ा होता है। सांस्कृतिक मनुष्य साधारण मनुष्य की तुलना में सौ गुना आनंद पाते हैं। आगे 'मनुष्य गंधर्व आनंद' की तुलना में देव गंधर्व आनंद को सौ गुना बताते हैं।

■ हृदयनारायण दीक्षित

है न विचित्र बात !

भारतीयता को समर्पित छात्र आंदोलन का 75वां वर्ष

भारतीयता के उदात्त विचार को समर्पित अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) की ऐतिहासिक संगठनात्मक यात्रा 09 जुलाई को अपने 75वें वर्ष में प्रवेश कर रही है। यह यात्रा 1949 में देश की स्वतंत्रता के उपरांत राष्ट्र पुनर्निर्माण तथा समर्थ व सबल युवा पीढ़ी गढ़ने का श्रेष्ठ लक्ष्य लिए आरंभ हुई थी। किसी भी संगठन के लिए 75वें वर्ष तक पहुंचना गौरवशाली, महत्वपूर्ण तथा उत्सव का अवसर होता है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की संगठनात्मक यात्रा में यह अवसर ऐसे समय आया है जब देश की स्वतंत्रता का अमृतकाल चल रहा है। देश की विकास यात्रा के साथ अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की यात्रा राष्ट्र समर्पित सक्षम युवा पीढ़ी के निर्माण की रही है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का स्वरूप अपने 75वें वर्ष में विस्तृत तथा बहुआयामी हो गया है। पिछले सत्र में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की कुल सदस्यता 45 लाख से अधिक रही है तथा देशभर में 21 हजार से अधिक स्थानों पर अभाविप की इकाइयां व संपर्क स्थान हैं। यह केवल एक आंकड़ा मात्र नहीं है बल्कि यह विद्यार्थी परिषद के अखिल भारतीय स्वरूप को स्पष्टतया सामने लाने के साथ वैश्विक स्तर पर सबसे बड़े छात्र संगठन होने की बात को सिद्ध करता है। विगत 74 वर्षों से शिक्षा क्षेत्र के विविध विषयों पर कार्यरत अभाविप की सकारात्मक शक्ति ने भारतीय शैक्षणिक परिसरों से राजनीति, सिनेमा, मीडिया, व्यापार,शिक्षा, प्रशासन आदि क्षेत्रों को प्रभावशाली युवा नेतृत्व दिया है। इन विविध क्षेत्रों में आज कई ऐसी नामचीन हस्तियां हैं जो अपने विद्यार्थी जीवन में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से सक्रिय रूप से संबद्ध रही हैं। देश में आपातकाल जैसे बड़े संकट के विरुद्ध अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की महत्वपूर्ण भूमिका व योगदान के साथ-साथ लघु स्तर से लेकर वृहद स्तरीय ऐसे अनेक उदाहरण मिलते हैं, जब अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के नेतृत्व में देश के युवा वर्ग ने सकारात्मक परिवर्तन निमित्त महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अभाविप के राष्ट्रीय संगठन मंत्री रहे व वर्तमान में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आम्बेकर अभाविप के संकल्प निमित्त लिखते हैं- 'भारत हमारी मां है, हम पुत्र की भांति सभी देशवासियों की सेवा करेंगे, इस संकल्प के साथ विद्यार्थी परिषद की स्थापना हुई थी। ... विद्यार्थी परिषद का कार्यक्षेत्र भले ही शैक्षिक परिसर अर्थात कैंपस है, परंतु विचार का क्षेत्र शिक्षा से आगे बढ़कर देशहित के हर मुद्दे के साथ भी संबद्ध है।' अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की यात्रा भारतीय मूल्यों से अनुप्राणित राष्ट्रप्रेमी युवाओं की समर्थ पीढ़ी के निर्माण की यात्रा रही है। कोरोना महामारी के दौरान जब देश पर संकट था तब अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के नेतृत्व में अनेक युवाओं ने लोगों की पीड़ा को कम करने के लिए उल्लेखनीय कार्य किया। यह हाल का उदाहरण है। ऐसे कितने ही अवसर रहे हैं जब देश में अभाविप के नेतृत्व में युवाओं का समूह विभिन्न समस्याओं के समाधान के निमित्त सबसे पहले आगे आया। वर्तमान में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद शिक्षा क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण हितधारक के रूप में अपनी भूमिका निर्वहन कर रही है, जिससे देश के शिक्षा क्षेत्र में सकारात्मक परिवर्तन आ सके। आज अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की विभिन्न शाखाएं पर्यावरण, सेवा,खेल आदि क्षेत्रों में भी कार्यरत हैं तथा युवाओं को इन विषयों से संबद्ध कर समाज में सार्थक परिवर्तन लाने का कार्य कर रही हैं। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने सतत नवीन विषयों तथा क्षेत्रों से अपनी यात्रा को संबद्ध किया है। इस कारण 75वें वर्ष में पहुंची यह यात्रा कहीं भी बोझिल या रुकी होने के स्थान पर सतत गतिशील तथा नवीन क्षेत्रों में संलग्न दिखती है।

■ आशुतोष सिंह

तीरथ जब तक पर्यटन की संज्ञा में रहेंगे, गरिमा की चिंता बनी रहेगी!

'मंदिर में दर्शन करने आने वाले दर्शनार्थियों से अपील है कि वे शालीन परिधान पहनकर आएं...।' यह इबारत इन दिनों राजस्थान ही नहीं देश के कई मंदिरों में लिखी हुई दिखाई देने लगी है। मंदिरों से ज्यादा यह इबारत सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। और अब वही हो रहा है जो किसी भी विषय के सोशल मीडिया पर साया होने के बाद होता है, चर्चा-परिचर्चा। एक तरफ पक्ष आ खड़ा हुआ है तो एक तरफ विपक्ष। और कहने में कोई अतिशयोक्ति नहीं कि राजस्थान में यह विषय आगामी कुछ दिनों में चुनावी मुद्दा भी बन जाय। हाल ही, राजस्थान में उदयपुर के ऐतिहासिक जगदीश मंदिर ने इस इबारत के साथ वायरल की ऊंचाइयों को छुआ है। यह ऊंचाई तब और ऊंची हो गई जब राजस्थान का देवस्थान विभाग इसमें कूद पड़ा और इबारत को हटाने की कार्रवाई की। अब तक यह इबारत धर्म-समाज-श्रद्धालुओं तक सीमित थी, सरकारी विभाग के कूदते ही यह इबारत राजनीतिक गलियारों का हिस्सा बन गई। और चूंकि राजस्थान में कांग्रेस नीत गहलोत सरकार है, तब हिन्दूवादी संगठनों को सरकार पर सवाल उठाने का मौका मिल गया। हालांकि, आम आदमी देवस्थान विभाग पर बेसिक संजीदा सवाल उठा रहा है कि जब भगवान के भोग की व्यवस्था नहीं होती तब तो देवस्थान विभाग के कान में जूं नहीं रेंगती, इस इबारत पर अचानक कैसे स्फूर्ति आ गई। यह इबारत इस चुनावी साल में राजस्थान में क्या गुल खिलाती है, यह तो वक्त बतायेगा, लेकिन यक्ष प्रश्न यह है कि इस इबारत को मंदिरों में लिखने की आज जरूरत क्यों आन पड़ी है। इतने सालों में तो ऐसा कुछ नहीं नजर आता था, अब ऐसा क्या हो गया। कहीं न कहीं यह क्षरण होती सनातन संस्कृति की ओर संकेत है, शायद यही कारण है कि संस्कृति संरक्षण की पहल मंदिरों में इस इबारत से शुरू हुई है। शालीन परिधानों की बात ही करनी है तो शुरूआत घर से होनी चाहिए। हिन्दू समाज का कौन सा घर ऐसा होगा जिसमें पूजाघर न हो। बड़े-बुजुर्ग सुबह-शाम दीया तो करते ही हैं। पूजा अर्चना भी स्नान के बाद ही की जाती है। भले दो मिनट ही सही, सुबह उठकर ईश्वर स्मरण सभी करते हैं। सनातन संस्कृति में बडे-बुजुर्गों के समक्ष उपस्थित होते समय भी गरिमा का ख्याल रखा जाता है, यह गरिमा सिर्फ आचरण में ही नहीं, अपितु परिधानों में भी झलकती है। आज भी बुजुर्गों के सामने आंखों में नम्रता और यदि घर की बहुएं हों तो वे सिर पर पल्लू अवश्य रखती हैं। मंदिर में बिराजमान आराध्य की प्रतिमा भी कोई निर्जीव मूरत नहीं मानी जाती, उसमें प्राण प्रतिष्ठा होती है और उसकी नित्य सेवा का भाव उसकी सजीवता को प्रकट करता है। ऐसे में उनके समक्ष जाने में भी गरिमा के संस्कार हैं, हालांकि यह संस्कार पीढ़ी दर पीढ़ी स्वतः स्थानांतरित होते हैं, इन्हें किसी इबारत में बांधने की आवश्यकता आज तक नहीं पड़ी। अव्वल तो यह कि आज की पीढ़ी मंदिर में कदम साल में कितनी बार रखती है, और यदि शालीन परिधान नहीं हैं तो इसके मायने यह समझे जाएं कि क्या वे टाइम पास और मौज-शौक की दृष्टि से मंदिर आ रहे हैं। इसकी बानगी हाल ही केदारनाथ धाम में सामने आई और वहां के प्रबंधन को इस पर सख्त रुख अख्तियार करना पड़ा। कुछ समय पूर्व सम्मेदशिखरजी पर भी विवाद का मूल का कारण 'गरिमा' की पालना को लेकर ही रहा। सम्मेदशिखरजी के मामले में 'धार्मिक पर्यटन' शब्द को लेकर सवाल उठना शुरू हुआ जिस पर आज भी गंभीरता से विचार करना जरूरी है। पर्यटन एक वृहद शब्द है जिसमें देश से लेकर सात समंदर पार से आने वाले विदेशी की पसंद-नापसंद का ख्याल रखने और उससे कमाई करने का नजरिया शामिल है। यही कारण है जब धर्मस्थल के साथ धार्मिक पर्यटन का नजरिया शामिल हो जाता है तब उसके आसपास कुछ ऐसी गतिविधियां भी स्थापित होने लगती हैं जो उस धार्मिक स्थल की गरिमा के अनुरूप नहीं होतीं। जिम्मेदारों और सरकारों को यह समझने की अत्यंत आवश्यकता है कि तीरथ और पर्यटन शब्द में भावनाओं से लेकर नजरिये तक में जमीन-आसमान का फर्क है। पर्यटकों को तो हम जानते ही हैं, सिर्फ मंदिर ही नहीं, वे तो सार्वजनिक रूप से रेलवे, बस स्टैंड, एयरपोर्ट पर भी खुलेआम लिप किस कर लेते हैं। कुछ समय पहले यह मुद्दा भी उठा था कि सार्वजनिक स्थलों पर यह भी बोर्ड लगाए जाने चाहिए कि आप जिस देश में हैं वहां की संस्कृति के अनुरूप व्यवहार करें। लेकिन, हमारे बॉलीवुड की मेहरबानी है कि पर्दे पर खुलेआम जो दिखाया जाता है, उस पर्दे पर चेतावनी बोर्ड कौन लगाये। यह हास्यास्पद नहीं है कि सिगरेट और शराब पीते हुए दृश्य दिखाते हैं, और नीचे सिर्फ एक लाइन लगाकर इतिश्री कर ली जाती है - सिगरेट-शराब का सेवन स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। मेवाड़ की एक कहावत यहां उद्धृत करना उचित लगा रहा है, ग'खुद खावे काकड़ी, लोगां ने दे आकड़ी'। खैर, उदयपुर में भी जिस जगदीश मंदिर को लेकर विवाद खड़ा हुआ है, उसके मूल में तीरथ के बजाय पर्यटन है। वहां पर आसपास या शहर के लोगों के परिधानों से ज्यादा समस्या नहीं है, दरअसल वहां देसी-विदेशी पर्यटकों की रेलमपेल रहती है। ज्यादातर उन्हीं के परिधान मंदिरों की गरिमा के अनुरूप नहीं होते। सकारात्मक पहलू यह है कि मंदिर पुजारियों ने उन्हें रोकने के बजाय वहां पर भारतीय परिधान उपलब्ध कराने का निर्णय किया है और सुरक्षित चेंजिंग रूम की व्यवस्था की भी बात कही है, ताकि मंदिर में प्रवेश गरिमापूर्ण परिधान के साथ हो। देवस्थान विभाग द्वारा जगदीश मंदिर से इस तरह की अपील के पोस्टर फाड़ने के बाद सवाल यह भी उठा है कि यह कार्रवाई की ही क्यों गई, जबकि सरकारों की जिम्मेदारी तो किसी भी आस्था स्थल की पवित्रता, मर्यादा और गरिमा के संरक्षण की है। जिस तरह पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग ने ताजमहल में बोर्ड लगा रखा है कि वहां जूते-चप्पल पहनकर नहीं जाया जा सकता, उसी अनुरूप मंदिर में यदि कोई इस तरह का आग्रह करता है तो क्यों अनुचित है? सभी मत-पंथों की बात करें तो हर आस्था स्थल के अपने-अपने नियम हैं जिन्हें बताया भी जाता है और लोग पालन भी करते हैं, वह भी श्रद्धा से। गुरुद्वारे में बिना सिर ढंके कोई प्रवेश नहीं करता, भले ही वह पुरुष हो और भले ही वह अन्य मतावलम्बी ही क्यों न हो। यह बात कई मुस्लिम आस्था स्थलों पर भी लागू है और बिना किसी आपत्ति श्रद्धालु श्रद्धा से इसका पालन करते हैं।

■ कौशल मूंदड़ा

हिन्दू समाज का कौन सा घर ऐसा होगा जिसमें पूजाघर न हो। पूजा अर्चना भी स्नान के बाद ही की जाती है। भले दो मिनट ही सही, सुबह उठकर ईश्वर स्मरण सभी करते हैं। सनातन संस्कृति में बडे-बुजुर्गों के समक्ष उपस्थित होते समय भी गरिमा का ख्याल रखा जाता है, यह गरिमा सिर्फ आचरण में ही नहीं, अपितु परिधानों में भी झलकती है।

स्वामी, परिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा. लि. की ओर से इसके पब्लिकेशन डिवीजन, रेड़मा मेदिनीनगर (डालटनगंज), से हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा प्रकाशित एवं पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. C/O शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित. रजिस्ट्रेशन नं. RNI. 61316/94 पोस्टल रजिस्ट्रेशन नं.-13 । प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, स्थानीय संपादक : ओम प्रकाश अमरेन्द्र*, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर, (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नम्बर : 07759972937, 06562-240042/ 222539, फैक्स नम्बर : 06562-241176/231257, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची-83001, फोन नं.- 0651-2283384/ फैक्स : 0651-2283386, दिल्ली कार्यालय : 25-एलएफ, तानसेन मार्ग, नई दिल्ली-1, गढ़वा कार्यालय : मेन रोड, गढ़वा-822114, फोन : 9430164580, लातेहार कार्यालय : रमेश सेनेटरी, मेन रोड, लातेहार -829206, फोन : 9128656020, 7763034341, लोहरदगा कार्यालय : रिलायंस पेट्रोल पंप के बगल में, आशा कॉम्प्लेक्स लोहरदगा- फोन : 7903891779, 8271983099, ई-मेल : rnm_hb@yahoo.co.in, rnm.hvb@gmail.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

सावन में भगवान शिव पूजनीय

आषाढ़ की तपती- झुलसाती गरमी के बाद सावन की ठंडी फुहार तन व मन को प्रफुल्लता प्रदान करने के साथ वातावरण को भी सुरम्यता प्रदान करती हैं। मुरझाई, कुम्हलाई धरा सावन की ठंडी फुहारों में भीग हरियाणा की सुंदर चूनर ओढ़ स्वयं को बड़े मनमोहक अंदाज में सजा लेती है। सावन प्रकृति को तो सराबोर करता ही है, साथ ही मानव मन में भी उल्लास और उमंग भर देता है। प्रकृति खिलखिलाती है, तो मनमयूर झूम उठता है।

सावन मास का नाम आते ही मन में ढेर सारी उमंगें हिलोरें मारने लगती हैं। सावन के महीने का पलामूवासियों की संस्कृति में विशेष महत्त्व है। कजरारी काली घटाएं, उमड़ते-घुमड़ते, मदमाते बादल, रिमझिम फुहारें, भीना - भीना मौसम सावन शब्द अपने आप में मनभावन है। आषाढ़ की तपती- झुलसाती गरमी के बाद सावन की ठंडी फुहार तन व मन को प्रफुल्लता प्रदान करने के साथ वातावरण को भी सुरम्यता प्रदान करती हैं। मुरझाई, कुम्हलाई धरा सावन की ठंडी फुहारों में भीग हरियाणा की सुंदर चूनर ओढ़ स्वयं को बड़े मनमोहक अंदाज में सजा लेती है। सावन प्रकृति को तो सराबोर करता ही है, साथ ही मानव मन में भी उल्लास और उमंग भर देता है। प्रकृति खिलखिलाती है, तो मनमयूर झूम उठता है। हालांकि, धार्मिक कोण से यह वर्षा का समय है जब भगवान शिव अत्यधिक पूजनीय हैं। पूरी अवधि उसी को समर्पित है। कहा जाता है कि जब समुद्र मंथन किया गया था, तो उसमें से बहुत सी चीजें बाहर निकली थीं, जो देवता और असुर के बीच विभाजित थीं। हालांकि, जब जहर निकला, तो कोई भी इसे कब्जे में लेने के लिए तैयार नहीं था। तब यह था कि भगवान शिव, त्रिदेवों के देवता, जो पूरे मंथन से निकले थे, का जहर खा गए। रौद्र रूप धारी देवाधिदेव महादेव भस्माच्छादित देह वाले भूतभावन भगवान शिव जो तप-जप तथा पूजा आदि से प्रसन्न होकर भस्मासुर को ऐसा वरदान दे सकते हैं कि वह उन्हीं के लिए प्राणघातक बन गया, वह प्रसन्न होकर किसको क्या नहीं दे सकते हैं। हलाहल विष से संयुक्त साक्षात मृत्यु स्वरूप भगवान शिव यदि समस्त जगत को जीवन प्रदान कर सकते हैं। यहां तक कि अपने जीवन तक को दांव पर लगा सकते हैं तो उनके लिए और क्या अदेय ही रह जाता है। संसारिक प्राणियों को इस विष का जरा भी आतप न पहुंचे इसको ध्यान में रखते हुए वे स्वयं बर्फीली चोटियों पर निवास करते हैं। विष की उग्रता को कम करने के लिए साथ में अन्य उपकारार्थ अपने सिर पर शीतल अमृतमयी जल किन्तु उग्रधारा वाली नदी गंगा को धारण कर रखा है। वार प्रवृत्ति के अनुसार सोमवार भी हिमांषु अर्थात चन्द्रमा का ही दिन है। स्थूल रूप में अभिलक्षणा विधि से भी यदि देखा जाए तो चन्द्रमा की पूजा भी स्वयं भगवान शिव को स्वतः ही प्राप्त हो जाती है क्योंकि चन्द्रमा का निवास भी भुजंग भूषण भगवान शिव का सिर ही है। इसी तरह, भगवान शिव के सम्मान में सोमवार की पूजा की जाती है। श्रावण मास भगवान शिव को समर्पित है, और श्रवण सावन मास के दौरान श्रावण सोमवर या सावन सोमवर व्रत के दौरान सोमवार व्रत का पालन करने वाले भक्तों को कहा जाता है कि उनकी सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। कई भगवान शिव भक्त पवित्र सोलह सोमवार व्रत भी मनाते हैं या सावन महीने के पहले सोमवार से सोलह सोमवार को उपवास करते हैं। ऐसा कहा जाता है कि भगवान शिव आसानी से प्रसन्न हो जाते हैं। विशेष रूप से अविवाहित महिलाओं को उत्तम पति की लालसा रखने वाले भक्तों को भगवान शिव के व्रत का पालन करते हुए श्रावण सोमवार व्रत विधान का पालन करना चाहिए। हिंदू धर्म के प्रमुख देवताओं में से एक, उन्हें कई नामों और अवतारों से जाना जाता है। भक्त महादेव को आदियोगी शिव के रूप में भगवान शिव की पूजा करते हैं जो ब्रह्मा और विष्णु के साथ हिंदू त्रिमूर्ति के भीतर हैं। यह व्यापक रूप से माना जाता है कि अगर भगवान शिव भेदभाव नहीं करते हैं और जल्दी से किसी को भी शुद्ध मन से अपना आशीर्वाद मांगते हैं। एक तपस्वी जीवन का नेतृत्व करते हुए, शिव या महादेव भौतिकवाद से ऊपर हैं और आसानी से सरल प्रसाद और पूजा विधी से प्रसन्न हो जाते हैं। यहां सरल व्रत नियम या श्रावण सोमवार व्रत विधान हैं जो प्रत्येक भगवान शिव भक्त को पवित्र व्रत का पालन करते हुए करना चाहिए।

❖ कुमारी रिया

सावन के महीने में शिवलिंग पर जल चढ़ाने का महत्व

सावन को साल का सबसे पवित्र महीना माना जाता है। यह महीना पलामू वासियों के लिए यह मौसम वर्षा का महीना होता है और जुलाई से आगस्त तक चलता है। सावन महीना आमतौर पर हिन्दू धर्म में महत्वपूर्ण माना जाता है और इसे भगवान शिव के नाम से जोड़ा जाता है। सावन के महीने में बारिश की धाराएं गिरती हैं और पृथ्वी को धरती की ताजगी और हरियाली से नहाती हैं। यह मौसम रोमांचक, सुहावना और आनंददायक होता है। सावन के महीने में अपार सुंदरता के साथ वन्य जीवों की भरमार होती है और पर्यटन के लिए अच्छा समय होता है। यह महीना पानी की खेती के लिए भी महत्वपूर्ण होता है और किसानों के लिए अच्छी खुशहाली लाता है।इस महीने में भगवान शिव की पूजा की जाती है। भगवान शिव को सावन के महीने में शिवलिंग पर जल चढ़ाने का विशेष महत्व दिया जाता है। इस महीने में लोग शिवरात्रि का व्रत

रखते हैं और भोलेनाथ की पूजा करते हैं। यह महीना शिवभक्तों के लिए आदर्श होता है, जहां उन्हें भगवान शिव की कृपा प्राप्त होती है और वे अपनी अध्यात्मिक यात्रा पर जुट जाते हैं। विशेष तौर पर इस माह में भगवान शिव, माता पार्वती और श्रीकृष्ण की आराधना की जाती है।सावन महीने को देवों के देव महादेव भगवान शंकर का महीना माना जाता है। इस संबंध में पौराणिक कथा है कि जब सनत कुमारों ने महादेव से उन्हें सावन महीना प्रिय होने का कारण पूछा तो महादेव भगवान शिव ने बताया कि जब देवी सती ने अपने पिता दक्ष के घर में योगशक्ति से शरीर त्याग किया था, उससे पहले देवी सती ने महादेव को हर जन्म में पति के रूप में पाने का प्रण किया था।सावन के महीने में भगवान शंकर की विशेष रूप से पूजा की जाती है। इस दौरान पूजन की शुरूआत महादेव के अभिषेक के साथ की जाती है। अभिषेक में महादेव को जल, दूध, दही, घी, शक्कर, शहद, गंगाजल, गन्ना रस आदि से स्नान कराया जाता है। अभिषेक के बाद बेलपत्र, समीपत्र, दूब, कुशा, कमल, नीलकमल, ऑक मदार, जंवाफूल कनेर, राई फूल आदि से शिवजी को प्रसन्न किया जाता है। इसके साथ की भोग के रूप में धतूरा, भांग और श्रीफल महादेव को चढ़ाया जाता है।

❖ वरगीश नायडू

पहली सोमवारी कल, हर हर महादेव के जयकारा से गूंजेंगे शिवालय

शिवालय में कल से पहली सोमवार से शिवालय में श्रद्धालु सुबह से ही भोलेनाथ के पूजा करने मंदिर में पहुंचते मिलेंगे। सावन का पवित्र महीना प्रारंभ हो गया है। यह महीना हरियाली का भी महीना कहा जाता है। साथ ही भगवान भोलेनाथ की आराधना भी श्रद्धालु करते हैं। सावन महीना प्रारंभ होते हैं शहर में स्थित शिवालयों में हर हर महादेव की जयकारा गूंजने लगेंगी। शहर के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी भगवान भोलेनाथ की पूजा अर्चना को लेकर श्रद्धालु मंदिर पहुंचने लगे हैं। जहां भगवान भोलेनाथ की पूजा अर्चना कर अपने आराध्य देव से मांग रहे हैं। पलामू शहर में कई शिवालय में श्रद्धालुओं की भीड़

देखी जा सकती है। कल से पहले सोमवार से श्रद्धालु सुबह से ही भगवान भोलेनाथ के पूजा करने को लेकर मंदिर में पहुंचते मिलेंगे। पलामू में कोई शिव मन्दिर नहीं कि श्रद्धालुओं की भीड़-भाड़ नहीं देखने को मिलेगा। सुबह से जहां श्रद्धालु अपने साथ पूजन सामग्री बेलपत्र गंगाजल दूध फूल आदि सामग्री शिवलिंग का पूजा अर्चना एवं जलाभिषेक कर रहे होंगे। सावन महीने में बारिश की धाराओं के साथ हरियाली, फूल, और ताजगी का नजारा होता है। यह मौसम लोगों को ताजगी और खुशी का एहसास कराता है। इस महीने में लोग वर्षा की बूंदों में नहाकर मनोरंजन का आनंद लेते हैं और प्रकृति के साथ संवाद का आनंद उठाते हैं। सावन महीना एक मानसिकता और आत्मा की ताजगी का प्रतीक होता है। यह महीना सुंदरता और समृद्धि का संकेत होता है। इस महीने में लोग अपने परिवार और मित्रों के साथ समय बिताते हैं और आनंद के पलों का आनंद उठाते हैं। सावन महीना एक प्रकृति की अनुभूति और धार्मिकता का महीना है। यह एक मौसमिक बदलाव का समय है जब प्रकृति अपनी प्रतिष्ठा को बढ़ाती है और मनुष्यों को खुशी और सुख देती है। इस महीने में लोग धार्मिक और सामाजिक गतिविधियों में भाग लेते हैं और सुखी और समृद्ध जीवन की कामना करते हैं।

कई महत्वपूर्ण कारक हैं भगवान शिव का महीना

सावन माह पलामूवासियों का सबसे पवित्र महीना है। इस महीने के कई महत्वपूर्ण कारक हैं और इसे भगवान शिव का महीना माना जाता है। इस महीने में कई त्योहार और तरह-तरह की पूजा-अर्चना की जाती है। सावन माह के सोमवार को श्रावण मास सोमवार के रूप में मनाया जाता है। यह अच्छी मात्रा में वर्षा के साथ पलामू में मानसून के मौसम की शुरूआत का प्रतीक है। पूरे समय भगवान शिव की पूजा की जाती है और विभिन्न मंदिरों में शिव मंत्र का जाप किया जाता है। यह महीना कई धार्मिक गतिविधियों के संचालन के लिए सबसे अच्छा माना जाता है। साथ ही इस महीने में नई शुरूआत करना भी बहुत अच्छा माना

जाता है। भक्त हर सोमवार को शिव लिंग पर दूध और जल चढ़ाते हैं और बेलपत्र चढ़ाते हैं। शाम होने तक वे उपवास करते हैं। भगवान शिव ने समुद्र मंथन से उत्पन्न विष का पान किया था जिसका प्रभाव उनके माथे पर अर्धचंद्र पर पड़ा। प्रभाव को कम करने के लिए, देवताओं ने चंद्रमा पर पवित्र गंगा जल डालना शुरू कर दिया। बाद में भगवान शिव को गंगा जल चढ़ाना अच्छा माना गया। इस महीने में दूध चढ़ाना और रुद्राक्ष पहनना शुभ माना जाता है। लोग प्रत्येक सोमवार को व्रत रखते हैं क्योंकि सोमवार को भगवान शिव का दिन माना जाता है। इस महीने के सोमवार को सावन सोमवार के नाम से जाना जाता है। क्यों की यह व्रत करने वालों के लिए यह लाभकारी माना जाता है। शिवपुराण में श्रावण मास में उपवास का उल्लेख है। जो लोग उपवास करते हैं उन्हें भगवान शिव का आशीर्वाद मिलता है जिसके परिणामस्वरूप उनकी आवश्यकताएं और इच्छाएं पूरी होती हैं। इससे शारीरिक और मानसिक शक्ति में सुधार होता है। इच्छा शक्ति और याददाश्त को मजबूत करता है। सोमवार का व्रत करने वाली लड़कियों को उत्तम पति की प्राप्ति होती है। नकारात्मकता को दूर करता है। साथ ही सावन का महीना भी वैसा ही है। पूजा मूल रूप से कुछ मंत्रों और भजनों के स्पर्श के साथ की जाने वाली प्रार्थनाएं हैं। पूजा भगवान के पास जाने और उन्हें खुश करने के लिए की जाती है। पूरे पलामू शहर में कई भक्त विभिन्न प्रकार की पूजा करते हैं। भगवान शिव को पंचामृत, बेलपत्र और धतूरा चढ़ाकर रुद्र अभिषेक किया जाता है। यह शरीर को शुद्ध करता है, शांति प्रदान करता है और आपको इच्छाओं को प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

❖ वेद प्रकाश

संकलन : ओम प्रकाश प्रजापति

सावन माह में भगवान शिव के शुभ फल व आशीर्वाद

सावन महीना भगवान शिव को समर्पित है और इस महीने के दौरान उनकी पूजा करने से भगवान शिव के सबसे शुभ फल और आशीर्वाद प्राप्त होते हैं। कई लोग इस पूरे महीने उपवास रखते हैं और हर रोज भगवान शिव को प्रसाद चढ़ाते हैं। इस अवधि के दौरान भगवान शिव के लिए बड़ी संख्या में लोगों को विभिन्न पूजाएं मिलती हैं। सावन को साल का सबसे पवित्र महीना माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि इस माह का प्रत्येक दिन किसी भी देवी-देवता की आराधना करने के लिए सबसे उपयुक्त होता है, विशेष तौर पर इस माह में भगवान शिव, माता पार्वती और श्रीकृष्ण की आराधना की जाती है। हमारे हिन्दू धर्म के अनुयायी इस बात से अच्छी तरह वाकिफ रहते हैं कि हिन्दू जीवनशैली में क्या चीज अनिवार्य है और क्या पूरी तरह वर्जित। यही वजह है कि अधिकांश हिंदू परिवारों में नीति-नियमों का भरपूर पालन किया जाता है। हालांकि मॉर्डन होती जीवनशैली और बाहरी चकाचौंध के चक्कर में लोग अपने वास्तविक मूल्यों को दरकिनार कर चुके हैं। उदाहरण के लिए नवरात्रि को ही ले लीजिए, शायद ही कोई ऐसा घर हो जहां नवरात्रि के दिनों में मांस, मदिरा का सेवन नहीं किया जाता है। ऐसा ही कुछ सावन में भी देखा जाता है। इस लिए सावन को बेहद पवित्र और महत्वपूर्ण महीने के तौर पर देखा जाता है। इसकी महत्ता इसी बात से समझी जा सकती है कि सावन के माह में मांसाहार पूरी तरह त्याज्य होता है और शाकाहार को ही उपयुक्त माना गया है। इसके अलावा मदिरा पान भी निषेध माना गया है। लेकिन ऐसा क्या है जो सावन के माह को इतना विशिष्ट बनाता है।चैत्र के पांचवे महीने को सावन का महीना कहा जाता है। इस माह के सभी दिन धार्मिक दृष्टिकोण से बहुत महत्व रखते हैं। गहराई से समझा जाए तो इस माह का प्रत्येक दिन एक त्योहार की तरह मनाया जाता है। ऐसा कहा जाता है कि जिस तरह इस माह में कीट-पतंगे अपनी सक्रियता बढ़ा देते हैं। उसी तरह मनुष्य को भी पूजा-पाठ में अपनी सक्रियता को बढ़ा देनी चाहिए। यह महीना बारिशों का होता है, जिससे कि पानी का जल स्तर बढ़ जाता है। मूसलाधार बारिश नुकसान पहुंचा सकती है इसलिए शिव पर जल चढ़ाकर उन्हें शांत किया जा सकता है।

❖ गुड्डू कुमार

KASHYAP'S DENTAL CLINIC
Dr. Vaibhav Kashyap
Oral & Dental Surgeon, C.c. Endodontist &
Implantologist Certified Orthodontist, MIDA
" Smiles & More"
छात्र-छात्राओं के लिए
50% की छूट
Facilities
❖ आरसीटी
❖ पायरिया का ईलाज
❖ टेढ़े-मेढ़े दाँतों का ईलाज
❖ स्माईल डिजाइन
❖ इनविजिवल क्लिप
❖ दंत रोपण
❖ फिक्स दाँत लगाना
❖ अत्याधुनिक मशीन और तकनीक के द्वारा ईलाज

CHAMBER
SKYLINE - 4006, 4th Floor, Kadru, Opp. Dr. Lal's Hospital, Ranchi
Contact No. : 9199533383, 7903835453
Time : 9 am to 2 pm & 4 pm to 8 pm
Sunday : 9 am to 2 pm
E-mail : vaibhav.kashyap2011@gmail.com

प्रधानमंत्री मोदी ने बीकानेर से किया चुनावी शंखनाद, बोले-

कांग्रेस लूट की दुकान, झूठ का बाजार है

एजेंसी। बीकानेर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को बीकानेर के नौरंगदेसर से चुनावी शंखनाद का आगाज कर दिया। विशाल जनसभा को सम्बोधित करते हुए वे बोले कि कांग्रेस का एक ही मतलब है, लूट की दुकान और झूठ का बाजार। यहां आई भीड़ का उत्साह बताता है कि राजस्थान में मौसम का पारा नहीं जनता का पारा भी कांग्रेस के खिलाफ चढ़ चुका है। जब जनता का पारा चढ़ता है तो सत्ता बदलते वक्त नहीं लगता। विकास के मामले में पिछले चार वर्षों में हालात उलट है। उन्होंने आह्वान करते हुए कहा कि दूसरे की कमजोरियों पर नहीं अपने परिश्रम पर भरोसा रखना है। राजस्थान की कांग्रेस सरकार का जाना बहुत जल्द तय होगा। भाजपा की सरकार बनाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ेंगे, मुझे भरोसा है। मोदी ने कहा कि कांग्रेस की झूठ की राजनीति का शिकार सबसे ज्यादा राजस्थान का किसान हुआ है।

पिछले चुनावों में किसानों का कर्जा माफ करने का वादा किया था। कांग्रेस के नेताओं ने दस दिन में कर्जा माफ करने की कसम खाई थी। दस दिन, 10 महीने और आज 4 साल में भी कर्जा माफ हुआ क्या? यहां हर कोई एक-दूसरे की टांग खींच रहा है। अपने-अपने झूठ को मजबूत बनाने के लिए खुलेआम सौदेबाजी हो रही है। एक गुट के विधायकों को लूट की खुली छूट मिली हुई है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार की नूरा कुश्ती बहुत हुई अब लोकतंत्र के अखाड़े में जनता जनार्दन फैसला करेगी। अब राजस्थान को परिवाद नहीं विकासवाद चाहिए।

पीएम ने किया 24,300 करोड़ की परियोजनाओं कालोकार्पण-शिलान्यास

पीएम ने राजस्थान के बीकानेर में 24,300 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। प्रधानमंत्री ने अमृतसर-जामनगर आर्थिक गलियारे के छह लेन वाले ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे खंड का लोकार्पण किया। राजस्थान में इस गलियारे की लंबाई 500 किमी से अधिक है, जो हनुमानगढ़ जिले के जाखड़ावाली गांव से जालोर जिले के खेतलावास गांव तक फैली हुई है। इसे लगभग 11,125 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित किया गया है। इस एक्सप्रेसवे से यात्रा के समय में काफी कमी आएगी और प्रमुख शहरों एवं औद्योगिक गलियारों के बीच परिवहन सुविधा में सुधार होगा। एक्सप्रेसवे न केवल वस्तुओं के निर्बाध परिवहन की सुविधा प्रदान करेगा, बल्कि इससे पर्यटन और आर्थिक विकास को भी प्रोत्साहन मिलेगा। प्रधानमंत्री ने क्षेत्र में बिजली क्षेत्र को बढ़ावा देते हुए, लगभग 10,950 करोड़ रुपये की लागत से हरित ऊर्जा गलियारे के लिए निर्मित अंतर-राज्य ट्रांसमिशन लाइन के चरण-कका लोकार्पण किया। यह हरित ऊर्जा गलियारा लगभग 6 गीगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा को एकीकृत करेगा और पश्चिमी क्षेत्र में ताप विद्युत उत्पादन और उत्तरी क्षेत्र में जल विद्युत उत्पादन के साथ नवीकरणीय ऊर्जा के ग्रिड संतुलन में मदद करेगा, जिससे उत्तरी क्षेत्र और पश्चिमी क्षेत्र के बीच ट्रांसमिशन क्षमता मजबूत होगी। प्रधानमंत्री ने बीकानेर-भिवाड़ी ट्रांसमिशन लाइन का भी लोकार्पण किया। लगभग 1,340 करोड़ रुपये की लागत से पावर ग्रिड द्वारा विकसित की जाने वाली बीकानेर-भिवाड़ी ट्रांसमिशन लाइन राजस्थान में 8.1 गीगावॉट सौर ऊर्जा के उपयोग में मदद करेगी। प्रधानमंत्री ने बीकानेर में 30 बिस्तरों वाले नए कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) अस्पताल का लोकार्पण किया। इस अस्पताल में 100 बिस्तरों तक के विस्तार की क्षमता होगी। यह अस्पताल एक महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सुविधा केन्द्र के रूप में काम करेगा, स्थानीय समुदाय की चिकित्सा आवश्यकताओं को पूरा करेगा और सुलभ तथा गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करेगा।

भारत-मंगोलिया के बीच संसदीय सहयोग को मजबूत करने के लिए हुआ समझौता

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत और मंगोलिया की संसदों के बीच संसदीय सहयोग को मजबूत करने और इसका विस्तार करने के लिए महत्वपूर्ण समझौता किया गया है। मंगोलिया की यात्रा के दौरान लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला और मंगोलिया के स्टेट ग्रेट खुराल (मंगोलिया की संसद) के स्पीकर जी. जंडनशतर ने समझौते के इस ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये। इस मौके पर मंगोलिया की संसद के स्पीकर जी. जंडनशतर ने लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला को सम्मानस्वरूप एक घोड़ा उपहार के तौर पर दिया। बिरला ने इस उपहार के लिए धन्यवाद कहते हुए इस घोड़े का नाम 'विक्रान्त' रख दिया। मंगोलिया की तीन दिवसीय यात्रा पर गए भारतीय संसदीय शिष्टमंडल का नेतृत्व कर रहे बिरला आज गैंडनटेगचेनलिंग मठ गए जहां डा लामा और खंबा नोमुन खान ने उनका स्वागत किया। गैंडनटेगचेनलिंग मठ मंगोलिया में बौद्ध धर्म का मुख्य केंद्र है। इस मठ

में बौद्ध ज्ञान और कलात्मक वस्तुओं सहित अमूल्य बौद्ध विरासत का भंडार है। यह मठ अपने विभिन्न पारंपरिक कॉलेजों के माध्यम से भिक्षुओं के साथ ही आम छात्रों को भी धार्मिक और समकालीन शिक्षा प्रदान करता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी 2015 में इस मठ का दौरा किया था और प्रमुख एबॉट को एक बोधि वृक्ष का पौधा सौंपा था। इस अवसर पर बिरला ने कहा कि भगवान बुद्ध की 'कर्मभूमि' के रूप में भारत मंगोलिया में बौद्ध विरासत के संरक्षण के लिए पूर्ण रूप से सहयोग करने के लिए प्रतिबद्ध है। भारत और मंगोलिया के बीच बौद्ध धर्म और आध्यात्मिक संबंधों को बढ़ावा देने के लिए महामहिम खंबा नोमुन खान को वर्ष 2022 का आईसीसीआर बौद्ध पुरस्कार प्रदान करते हुए लोक सभा अध्यक्ष ने उन्हें बधाई दी और साथ ही यह आश्वासन भी दिया कि भारत मंगोलिया में बौद्ध धर्म को बढ़ावा देने के लिए मठ की विभिन्न पहलों का समर्थन करना जारी रखेगा। बाद में, बिरला ने पेथुब मठ का भी दौरा किया जहां ग्रैंड एबॉट ने उनका स्वागत किया। बिरला ने मठ में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। गांधी की यह प्रतिमा भारत-मंगोलिया के बीच सुदृढ़ सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संबंधों का प्रतीक है।

NEWS इन ब्रीफ

तेलंगाना में सड़क दुर्घटना में चार लोगों की मौत, पांच घायल

आदिलाबाद। तेलंगाना के आदिलाबाद जिले के गुड़ीहथनूर मंडल के मी कालागंडी गांव में शनिवार सुबह दो वाहन की टक्कर से चार लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि घटना आज सुबह उस वक्त हुई, जब ऑटोरिक्शा इचोदा से आदिलाबाद जा रहा था। इसमें 10 लोग सवार थे। उसी दौरान, ऑटो अन्य वाहन से टकरा गया। इस हादसे में चार लोगों की मौत हो गयी और पांच लोग घायल हो गए। घायलों को आदिलाबाद के रिम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस घटना से सम्बन्धित मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच शुरू कर दी गयी है।

बीएसएफ ने पाकिस्तानी ड्रोन किया बरामद

चंडीगढ़। पाकिस्तानी नशा तस्कर और घुसपैठिए लगातार ड्रोन के जरिए भारत में घुसपैठ की कोशिश कर रहे हैं लेकिन बीएसएफ जवान लगातार इन कोशिशों को नाकाम कर रहे हैं। ताजा मामले में बीएसएफ जवानों को तरनतारन जिले के राजोके गांव से एक पाकिस्तानी ड्रोन बरामद करने में सफलता मिली है। मिली जानकारी के मुताबिक यह पाकिस्तानी ड्रोन बीती रात करीब 9:05 बजे भारतीय सीमा में दाखिल हुआ।

पार्टी से जो चले गए उन्हें वापस नहीं बुलाएंगे : शरद पवार

एजेंसी। मुंबई

राकांपा के अध्यक्ष शरद पवार ने पार्टी में बगावत पर कहा कि जो लोग चले गए उन्हें नहीं बुलाएंगे, लेकिन वे नहीं चाहते पार्टी में टकराव और बढ़े। भतीजे अजीत पवार द्वारा उनकी उम्र के बारे में उठाए गए सवाल पर शरद पवार ने कहा कि न टायर हूं, न रिटायर हूं, मैं फायर हूं। शरद पवार ने नासिक में पत्रकारों से कहा कि उनकी उम्र को लेकर सवाल खड़ा किया गया। जबकि पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई 84 साल की उम्र में हमसे अधिक और चुस्ती से काम करते थे। जिन लोगों ने यह सवाल खड़ा किया है, उनके कैबिनेट में 78 साल से अधिक उम्र के भी हैं। वे किसी पर आरोप नहीं लगाना चाहते। शरद पवार ने कहा कि हमारी राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में 23 प्रदेश अध्यक्ष शामिल हुए, कार्यकारिणी के चार को छोड़कर सभी सदस्य उपस्थित थे, लेकिन पार्टी को अवैध बताने वाले सारे रिकॉर्ड रखने के लिए जिम्मेदार थे। अगर जिम्मेदार लोगों ने रिकार्ड ठीक से नहीं रखा होगा तो गाज उन पर गिरेगी।

बंगाल में बम कल्चर को बढ़ावा दे रहीं ममता : अनुराग ठाकुर

एजेंसी। नई दिल्ली

मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने पश्चिम बंगाल में जारी चुनावी हिंसा पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने आज यहां एक वक्तव्य में कहा कि ममता बनर्जी की ऐसी क्या मजबूरी है कि बंगाल में किसी भी चुनाव में हत्या, आगजनी, अराजकता के बिना उनका मन नहीं मानता। ममता दीदी के इशारे पर टीएमसी ने हत्या को ही सत्ता की गारंटी मान लिया है। ठाकुर ने कहा, दिल्ली में बारिश हो रही है पर बंगाल में बम वर्षा हो रही है। बंगाल का बम कल्चर आज पूरी दुनिया में भारत और लोकतंत्र को शर्मसार कर रहा है। बैलट बॉक्स के उपयोग पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए ठाकुर ने कहा, आखिर क्यों ये लोग ईवीएम से हटकर बैलट बॉक्स पर जाना चाहते हैं? आपने देखा होगा कि कैसे ये लोग बैलट बॉक्स लेकर भाग रहे हैं। बैलट बॉक्स में रिगिंग हो रही है और वर्चस्व कायम करने के लिए हत्याएं हो रही हैं। पंचायती राज में अपनी सरकार स्थापित करने के लिए आखिर ममता बनर्जी किस हद तक गिरेंगी। उन्होंने कहा, बंगाल में कानून व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा चुकी है। 12 से ज्यादा लोगों की हत्या हो चुकी हैं। कई लोग घायल हैं। आज पूरा देश और दुनिया ममता बनर्जी की सरकार पर सवाल उठा रहा है। आज देश कह रहा है कि ममता बनर्जी में अपने ही राज्य के लोगों के प्रति ममता नहीं है।

बिहार के महागठबंधन में बढ़ता तकरार

मंत्री और एमएलसी आमने-सामने

एजेंसी। पटना

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भले ही देश के स्तर पर विपक्षी दलों को एकजुट करने के प्रयास में जुटे हों, लेकिन हाल के दिनों में जिस तरह शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर और विभाग के आईएएस अधिकारी केके पाठक का विवाद पार्टी स्तर तक पहुंचा, उससे लग रहा है कि महागठबंधन में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। जिस तरह बिहार के मंत्री और जदयू के नेता अशोक चौधरी और राजद नेता और एमएलसी सुनील कुमार सिंह बयान दे रहे हैं, उससे साफ है कि राजद और जदयू के बीच खींची लकीर अब मोटी होती जा रही है। एमएलसी सुनील कुमार सिंह ने मंत्री अशोक चौधरी पर सीधा सियासी हमला बोलते हुए कहा कि वह हर रोज पार्टी बदलते हैं। सुनील कुमार सिंह ने उन पर व्यक्तिगत निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें जंगलराज याद आ रहा है, लेकिन उन्हें यह भी याद होना चाहिए कि अगर लालू प्रसाद नहीं होते तो वे जेल में होते। उन्होंने यहां तक कहा कि उनका नाम एक नेता की हत्या में आया था। सिंह ने चौधरी पर बराबर दल बदलने का आरोप लगाते हुए कहा कि वे कई घाट का पानी पी चुके हैं।

सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की बेंच करेगी 'सर्व सेवा संघ' मामले की सुनवाई

आरएनएम । नई दिल्ली

गांधीवादी मूल्यों के प्रचार में लगी वाराणसी के राजघाट की सोसायटी सर्व सेवा संघ की एक इमारत को गिराने के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट सुनवाई के लिए तैयार हो गया है। वाराणसी के जिलाधिकारी के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर सर्वोच्च न्यायालय 10 जुलाई को सुनवाई करेगा। भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस पीएस नरसिम्हा की बेंच ने शुक्रवार को वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण की दलीलों का संज्ञान लेकर कहा कि वह जिला मजिस्ट्रेट को सूचित कर सकते हैं कि हम सोमवार को याचिका पर सुनवाई करने के लिए सहमत है और इस बीच ढांचा ढहाया नहीं जाएगा। सर्व सेवा संघ से जुड़े सूत्रों का कहना है कि सत्ता से जुड़े कुछ संगठनों व उनके पदाधिकारी रहे जो अब केन्द्र के कुछ संगठन में पड़े पद पर हैं वे गांधी,विनोबा,जेपी के विचारों वाली इस पुरानी संस्था को हड़पना चाहते हैं। वे लोग सरकार व सरकारी तंत्र की मदद से यह एक सोची , समझी रणनीति के तहत कर रहे हैं। और ऐसा केवल वाराणसी में ही नहीं हो रहा है। देश के अन्य जगह भी जहां ऐसी संस्थाएं हैं ,उनमें से कई पर भी इन लोगों व उनकी संस्था द्वारा कब्जा करने का उपक्रम चल रहा है। सर्वोच्च न्यायालय के वरिष्ठ भूषण ने इस मामले की तत्काल सुनवाई और इमारत को गिराने के आदेश पर रोक लगाने का अनुरोध किया था। उनका कहना था कि महात्मा गांधी के विचारों और दर्शन का प्रचार करने के लिए आचार्य विनोबा भावे ने 1948 में सर्व सेवा संघ की स्थापना की थी। अब स्थानीय प्रशासन की तरफ से इमारत को ध्वस्त करने की कोशिश की जा रही है। सीजेआई ने कहा कि हम इसे सोमवार 10 जुलाई को सुनवाई के लिए लिस्ट करेंगे।सर्व सेवा संघ ने इससे पहले वाराणसी में 12.90 एकड़ भूखंड पर बने ढांचों को गिराने के लिए उत्तर रेलवे के नोटिस को चुनौती देते हुए इलाहाबाद हाईकोर्ट का रुख किया था। संगठन ने कहा कि वाराणसी के परगना देहात में उसके परिसर के लिए जमीन उसने केंद्र सरकार से 1960, 1961 और 1970 में तीन तीन रजिस्टर्ड सेल डीड के जरिये खरीदी थी।

पति की तलाश में फिर निकलीं राखी सावंत

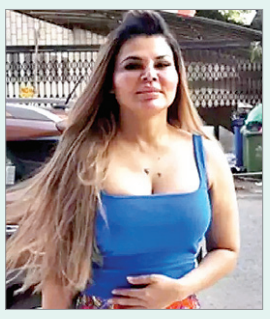

ड्रामा क्वीन के नाम से मशहूर एक्ट्रेस राखी सावंत अपने अनोखे अंदाज के लिए हमेशा चर्चा में रहती हैं। हाल ही में उन्होंने टमाटर के दाम बढ़ने पर नाराजगी जताई थी। अब यह बात सामने आई है कि राखी एक बार फिर से अपने लिए पति की तलाश कर रही हैं। रितेश और आदिल खान के बाद राखी ने तीसरी बार शादी करने की इच्छा जताई, जिसका वीडियो इस वक्त सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। राखी के इस वीडियो को देखने के बाद नेटिजन्स ने उनकी तुलना उर्फी जावेद से कर दी है। राखी सावंत का यह वीडियो सेलिब्रिटी फोटोग्राफर ने इंस्टाग्राम पेज पर शेयर किया गया है। इस वीडियो में राखी भरी बारिश में अपने ही सिर पर अंडे तोड़ती नजर आ रही हैं। साथ ही ऐसा करते हुए राखी कह रही हैं, ""मुझे एक अच्छा पति मिल जाए। वह पूछती नजर आ रही हैं कि बाबा, मैंने सारे अंडे तोड़ दिए, मेरे पति कहां हैं।

'आदिपुरुष' के लेखक मनोज मुंतशिर ने जनता से मांगी माफी

ओम राउत द्वारा निर्देशित 'आदिपुरुष' 16 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। फिल्म की रिलीज के बाद दर्शकों की ओर से लगातार विवादित डायलॉग्स को हटाने की मांग की जा रही थी। देशभर से भारी आलोचना के बाद संवाद लेखक मनोज मुंतशिर ने आश्वासन दिया कि फिल्म से नापसंद और विवादास्पद संवादों को जल्द ही हटा दिया जाएगा और दो दिन बाद 'आदिपुरुष' में कुछ संवादों को बदल दिया गया। मीडिया के सामने विवादित बयान देने के बाद फिल्म के डायरेक्टर के साथ-साथ मनोज मुंतशिर को भी सोशल मीडिया पर ट्रोल किया गया। इन तमाम विवादों के बाद आखिरकार 23 दिन बाद मनोज मुंतशिर ने सार्वजनिक तौर पर अपनी गलती मानी है और सोशल मीडिया पर माफी मांगी है।

शरमन जोशी ने थ्री इडियट्स सीक्वल पर दिया बड़ा अपडेट

कब आएगा "थ्री इडियट्स" का सीक्वल? इस बारे में एक्टर शरमन जोशी से लगातार सवाल पूछे जा रहे हैं। कुछ दिनों पहले फिल्म की स्टार कास्ट आमिर खान, आर माधवन और शरमन एक वीडियो में एक साथ नजर आए थे, जिसके बाद फिल्म के सीक्वल की चर्चा शुरू हो गई थी। फैंस इन तीनों को फिर से बड़े पर्दे पर देखना चाहते हैं। अब शरमन ने सीक्वल को लेकर पूछे गए सवालों का जवाब दिया है। मीडिया से बात करते हुए शरमन ने कहा, "हमने कई बार अपने विचार शेयर किए लेकिन उसके बाद चर्चा ज्यादा आगे नहीं बढ़ पाई। जैसा कि आप सभी जानते हैं कि राजकुमार हिरानी अच्छे सीक्वल बनाने की क्षमता रखते हैं लेकिन कहानी, गुणवत्ता और मानकों के मामले में वह किसी भी स्तर पर समझौता नहीं करते हैं। इसलिए हम सभी को उम्मीद है कि वे इस फिल्म का सीक्वल जरूर बनाएंगे।" आमिर, शरमन और आर माधवन का एक वीडियो सामने आया था, जिसके बारे में शरमन ने कहा, ऐसे कई प्रशंसक थे, जिन्होंने सोचा था कि हम तीनों सीक्वल के लिए एक साथ आए हैं। लेकिन जब उन्हें पता चला कि यह एक विज्ञापन है तो वे निराश हो गए। इतना ही नहीं फैंस से भी हमें ऐसे रिएक्शन मिले। लंबे समय के बाद एक साथ रहना वाकई रोमांचक था।"

आस्था पवित्र जलस्रोतों के जल से होगा अयोध्या में रामलला का जलाभिषेक

जोरशोर से हो रही प्राण प्रतिष्ठा की तैयारी

एजेंसी। लखनऊ

रामनगरी अयोध्या में राममंदिर का निर्माण काफी तेज गति से चल रहा है। मंदिर में-प्राण प्रतिष्ठा को भव्य बनाने की तैयारी भी जोरशोर से हो रही है। प्राण-प्रतिष्ठा के अवसर को इतिहास के पन्ने में दर्ज कराने के लिए प्रभु राम की मूर्ति का जलाभिषेक देश के प्रमुख व पवित्र जलस्रोतों से एकत्र जल से किया जाएगा। विश्व हिंदू परिषद की मानें तो रामलला की मूर्ति का शास्त्रीय विधान से जलाभिषेक करवाने की पूरी तैयारी है। विश्व हिंदू परिषद के अंतर राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष आलोक कुमार ने बताया कि कुएं, तलाब, झील, नदी और जितने भी पुण्य स्थल हैं, वहां का जल

एकत्रित किया जाएगा और उससे जलाभिषेक किया जाएगा। गंगा, यमुना, गोदावरी, सतलुज, राप्ती, नर्मदा, सोन समेत प्रमुख सभी नदियों का पवित्र जल होगा। इसके अलावा बद्रीधाम स्थित नारद कुंड, अमृतसर के स्वर्ण मंदिर के सरोवर से जल भी होगा। इसी तरह बिहार के गया स्थित पवित्र नदी फल्गु, हरिणाणा के कुरुक्षेत्र स्थित सूर्य सरोवर, राजस्थान के पुष्कर सरोवर तथा दिल्ली स्थित गुरुद्वारा सीसगंज साहिब स्थित कुआं, जिसमें गुरु तेगबहादुर ने स्नान किया था, वहां के जल को भी अयोध्या भेजा जाएगा। उन्होंने बताया, रायपुर में विहिप की केंद्रीय प्रबंध समिति की बैठक में तय हुआ कि देशभर के जलस्त्रोतों से इकट्ठा किए गए जल से प्रभु राम का जलाभिषेक किया जाए। इसकी शुरूआत मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा के 10 दिन पहले से चलेगी। औसतन 200-200 ग्राम जल तांबे के बर्तन में धार्मिक अनुष्ठान के बाद रखा जाएगा। फिर इसे कूरियर से अयोध्या भेजने की प्रक्रिया अपनाई जाएगी, जिसे अयोध्या में एक टैंक में इकट्ठा किया जाएगा। धर्म-कर्म के जानकार प्रसिद्ध शास्त्री सरोजकांत मिश्रा कहते हैं कि अभिषेक का मतलब होता है सिंचन करना। पुराने काल में जब किसी को राजा बनाया जाता था तो उसके सिर पर अभिमंत्रित जल की वर्षा की जाती थी। इसके लिए पवित्र नदियों के जल को एकत्रित किया जाता था। उसके बाद राजा को नहलाया जाता था। राम मंदिर में होने वाले प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर शासन-प्रशासन ने तैयारी शुरू कर दी है। मुख्य सचिव दुगार्शंकर मिश्रा ने अयोध्या में आने वाले लाखों श्रद्धालुओं के लिए पर्याप्त मात्रा में होटल, रेस्तरां, डॉरमेट्री और धर्मशाला खुलवाने के निर्देश दिए हैं।

रिनपास में रह रहे चार विदेशी सहित 120 को है घर लौटने का इंतजार

नवीन मेल संवाददाता। रांची

आप सभी तो यह जानते ही होंगे कि राजधानी रांची के काके स्थित रिनपास मानसिक रोगियों के लिए एक बेहतरीन अस्पताल है। राज्य ही नहीं राज्य के बाहर से भी मानसिक रोगियों को यहां ठीक करवाने के लिए भर्ती करवाया जाता है। लेकिन आपको यह जानकर हैरानी होगी रिनपास में एक बड़ी संख्या वैसे लोगों की भी है बिल्कुल ठीक हो चुके हैं, लेकिन उनके परिवार वाले उन्हें वापस नहीं ले जा रहे हैं। इसमें चार विदेशी नागरिक भी हैं। रिनपास में तीन बांग्लादेशी नागरिक, एक नेपाली नागरिक के अलावा कुल 116 ऐसे लोग हैं, जिन्हें उनके परिजनों ने रिनपास में वर्षों पहले भर्ती करवाया था, लेकिन अब उनके ठीक हो जाने के बावजूद वह उन्हें अपने घर नहीं ले जा रहे हैं। ऐसे में रिनपास प्रशासन ने रांची पुलिस सहित अन्य जिलों के पुलिस से मदद मांगी है ताकि ठीक हो चुके मरीजों को उनके घरों तक पहुंचाया जा सके। तीन बांग्लादेशी, एक नेपाली कर रहे अपनों का इंतजारः आलमगीर, जाहिद शरीफ और सिमोन तीनों ही बांग्लादेश के रहने वाले हैं। तीनों झारखंड के अलग-अलग शहरों में पुलिस को भटकते हुए मिले थे। खराब मानसिक स्थिति को देखते हुए तीनों को रांची स्थित रिनपास में भर्ती करवा दिया गया। ऐसा ही कुछ नेपाल के रहने वाले रूपम की भी कहानी है। वह भी पुलिस के द्वारा ही रिनपास में भर्ती करवाए गए थे।आलमगीर कोडरमा में भटकते हुए मिले थे। वहीं जाहिद दुमका में तो सिमोन रांची में मिले थे।

9 जुलाई से 19वीं झारखंड राज्य जूनियर वुशु प्रतियोगिता धनबाद में

रांची। 19वीं झारखंड राज्य जूनियर वुशु प्रतियोगिता का आयोजन धनबाद में 9 और 10 जुलाई को किया जा रहा है। जिसमें राज्य के विभिन्न जिलों के खिलाड़ी भाग लेंगे। यह प्रतियोगिता धनबाद जिला वुशु एसोसिएशन के तत्वावधान में टाटा कम्युनिटी सेंटर डिगवाडीह में आयोजित की जा रही है। प्रतियोगिता के लिए टाटा कम्युनिटी सेंटर में वाटरप्रूफ पंडाल लगाया गया है, ताकि बारिश के कारण खेल बाधित न हो। वहीं आम दर्शकों के लिए दर्शकदीर्घा भी बनाई गई है। जानकारी देते हुए एसोसिएशन के प्रेसिडेंट डॉ। प्रदीप वर्मा ने बताया कि इस प्रतियोगिता के आधार पर झारखंड जूनियर टीम का चयन किया जाएगा, जो आगामी जूनियर नेशनल में राज्य का प्रतिनिधित्व करेगी। इस प्रतियोगिता के लिए तकनीकी समिति का भी गठन किया गया है। इसके सानदा कमिटी के चेयरमैन अमरेंद्र दत्त द्विवेदी, जबकि ताऊलू के चेयरमैन दीपक गोप को बनाया गया है।

मेदांता ने किडनी डिजीज सर्वाइवर्स के लिए पेशेंट कनेक्ट कार्यक्रम का किया आयोजन

नवीन मेल संवाददाता। रांची

मेदांता रांची ने मेदान्ता कनेक्ट पहल में 75 से भी ज्यादा वैसे किडनी डिजीज सर्वाइवर्स और उनके परिजनों को आमंत्रित किया था, जिनका यहां इलाज हुआ था और वह अभी स्वस्थ जीवन व्यतीत कर रहे हैं। आयोजन में इन सर्वाइवर्स ने मेदान्ता रांची की तरफ से किये गए इलाज, उनके केयर और डॉक्टरों की दिल खोलकर प्रशंसा की। किडनी डिजीज इस तरह से होता है कि जब इसके बारे में पहली बार सुना जाता है तो सामने अंधेरा छा जाता है। लेकिन मेदान्ता रांची और यहां के डॉक्टरों का बहुत-बहुत शुक्रिया, जो उन्होंने हमें बेहतर ट्रीटमेंट के साथ अपने परिवार का सदस्य समझा। दरअसल, यह उद्गार वैसे किडनी डिजीज सर्वाइवर्स का था, जिन्हें मेदान्ता रांची ने विशेष तौर पर मेदान्ता कनेक्ट पहल के तहत शुक्रवार को आमंत्रित किया था। इनमें यहां इलाज करा चुके पेशेंट्स के साथ ही उनके परिजन भी थे। इन सभी ने इस आयोजन में शामिल होते हुए अपनी दिल की बात रखी और मेदान्ता रांची के इस पहल की सराहना की। आयोजन में सर्वाइवर्स और उनके परिजनों ने कुछ प्रश्न भी किये, जिसका जवाब मेदान्ता रांची की एक्सपर्ट टीम ने दिया। जिससे वह संतुष्ट दिखे। इस मौके पर मेदान्ता रांची के डॉ. अमित कुमार, डॉ. सिद्धार्थ मिश्रा, डॉ. नमअली, डॉ. अरविन्द प्रकाश आहार विषेषज्ञ कई और डॉक्टर, केयरटेकर टीम, प्रबंधन के अधिकारी व अन्य लोग भी उपस्थित थे। किडनी के क्रोनिक मरीजों जिन्हें डायलिसिस की जरूरत होती है उनका सबसे बेहतर इलाज समय रहते ट्रांसप्लांट है। ट्रांसप्लांट करवा लेने से उन्हें गुणवत्तापूर्ण जीवन मिलता है और डायलिसिस से छुटकारा मिलता है। मरीज की बीमारी के इलाज में अच्छे परिणाम मिलते हैं। ये बातें मेदांता अस्पताल रांची में आयोजित कार्यक्रम में अस्पताल के नेफ्रोलॉजिस्ट और रीनल ट्रांसप्लांट फिजिशियन डॉ. अमित कुमार ने कही। वे अस्पताल के नेफ्रोलॉजी विभाग की ओर से किडनी के मरीजों और उनके परिजनों के लिए आयोजित इस जागरूकता कार्यक्रम में बोल रहे थे। इसमें उन्होंने कहा कि किडनी के मरीज अगर बेहतर इलाज करवाएं, अपनी दवाएं लेते रहे और संतुलित जीवनशैली अपनाएं तो लंबे समय तक बीमारी को नियंत्रण में रख सकते हैं। अगर डायबिटीज और ब्लड प्रेशर की समस्या है तो इसे नियंत्रित रखें। सूजन की समस्या है तो अपने डॉक्टर से मिलकर जांच और इलाज करवाएं। नियमित रूप से डॉक्टर के संपर्क में रहें। डॉक्टर की दी हुई दवाएं लेते रहे। उन्होंने कहा कि किडनी के मरीज जो डायलिसिस पर है उन्हें और उनके परिजनों रहना जरूरी है।

रेलवे ट्रैक का नट-बोल्ट खोल ले गए चोर, 3 के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

रांची। हटिया-राउरकेला रेलखंड पर धुर्वा थाना क्षेत्र के स्वर्णरेखा रेलवे ब्रिज के तीन नट असामाजिक तत्वों ने खोल दिए थे। संयोग था कि समय रहते इसका पता चल गया और बड़ा रेल हादसा टल गया। अधिकारियों ने इसे तत्काल ठीक कराया। इस संबंध में डीआरएम प्रदीप गुप्ता के निर्देश पर रांची रेलमंडल के रेलवे ब्रिज के वरिष्ठ अनुभाग अभियंता कुनाराम मरांडी ने धुर्वा थाना में एफआईआर कराई है। इसमें आरोप लगाया गया है कि अज्ञात साजिशकताओं ने रेल दुर्घटना कराने की नीयत से यह हरकत की है। प्राथमिकी में कहा गया है कि रांची के जगन्नाथपुर और धुर्वा थाना की सीमा पर पीठिया टोली के समीप बने स्वर्णरेखा रेल पुल के पोल संख्या 428 के समीप पुल में लगे लोहे के पिलर के तीन नट असामाजिक तत्वों ने दिये थे। यदि यहां से कोई ट्रेन पार होती तो बड़ा हादसा हो सकता था।

रिम्स में गंदा पानी पीने को लोग हो रहे हैं विवश

बीमारी बढ़ने की ज्यादा आशंका

नवीन मेल संवाददाता। रांची

राज्य के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल रिम्स में लापरवाही का आलम ये है कि यहां पीने के लिए साफ पानी तक नहीं है। पिछले कई महीनों से मरीज पानी के लिए परेशान हो रहे हैं, लेकिन रिम्स प्रबंधन अभी तक पानी के इंतजाम को लेकर कोई ठोस कदम नहीं उठा पाया है। पानी के लिए मरीज के परिजनों को लगभग एक किलोमीटर दूर जाना पड़ता है। यहां भी उन्हें लाइन लगानी पड़ती है तब जाकर पानी नसीब होता है।आम तौर पर जब कोई बीमार होता है तो वह काफी परेशान हो जाता है। उसे अपना इलाज कराना होता है। ऐसे में वे उम्मीद लेकर रांची के रिम्स पहुंचते हैं। लेकिन यहां के जो हालात हैं वे मरीजों की परेशानी को कम करने की बजाय कई गुणा बढ़ा देते हैं। उन्हें ये भी डर लगता है कि इस अस्पताल में आने के बाद कहीं वे और ज्यादा बीमार ना हो जाएं। ऐसा हम इसलिए कह रहे हैं क्योंकि अस्पताल के वार्डों में पानी के लिए जो वाटर फिल्टर लगाए गए हैं, उससे निकलने वाले पानी का रंग पीला होता है, जाहिर है कि पानी बेहद गंदा होता है और पीने लायक नहीं होता। अगर गलती से भी इस पानी को कोई पी लेता है तो उसे खांसी होने लगती है, इसलिए डर से मरीज अपने परिजन को वार्ड का पानी नहीं पिलाते हैं। बता दें कि रिम्स में ज्यादातर वैसे मरीज आते हैं जो अत्यधिक गरीब होते हैं, ऐसे में उनके लिए बाहर के दुकानों से पानी खरीदकर पीना संभव नहीं हो पाता है। इसलिए मरीज के परिजन अपने मरीज को अकेले छोड़कर पानी भरने के लिए पहुंचते हैं। पानी लेने पहुंचे मरीज के परिजनों ने बताया कि वह अपने मरीज को अकेला छोड़कर पानी के लिए घंटों बाहर रहते हैं। यहां आने-जाने में करीब एक घंटे का वक्त लगता है, इसके अलावा पानी के लिए भी घंटों इंतजार करना पड़ता है। रिम्स अस्पताल में लोग इस उम्मीद के साथ आते हैं कि उन्हें बेहतर दवा और अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं मिलेंगी लेकिन विभाग के कुशासन से रिम्स में साफ पानी तक उपलब्ध नहीं हो पाता।ईटीवी भारत की टीम ने जब मरीजों की परेशानी को देखते हुए प्रबंधन से बात की तो प्रबंधन की तरफ से जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ राजीव रंजन ने इस बात को माना कि पानी गंदा आता है। उन्होंने बताया कि मरीजों की परेशानी को कम करने के लिए पीएचडी और नगर निगम से बात की गई है। जल्द ही रिम्स के विभिन्न हिस्सों में पानी के लिए बेहतर व्यवस्था का इंतजाम कराया जाएगा। जिससे रिम्स के मरीजों को पीने के लिए स्वच्छ एवं निर्मल जल मिल सके।

झारखंड के 15 जिलों में पहुंचा डेंगू, अब तक मिले 60 मरीज

नवीन मेल संवाददाता। रांची

बारिश शुरू होने के साथ ही गर्मी से तो राहत मिल गयी है, लेकिन मच्छरों का डंक खतरनाक होने लगा है। मच्छर जनित रोगों से बचाव के कार्य अभी पूरी तरह शुरू भी नहीं हुए हैं। लेकिन मच्छरों ने आतंक मचाना शुरू कर दिया है। इस वर्ष जनवरी से जून तक राज्य में डेंगू के 58 मरीज मिल चुके हैं, जबकि, विगत दिनों में जमशेदपुर में और मरीज मिले हैं। यानी राज्य में इस साल अब तक डेंगू के 60 मरीज मिल चुके हैं। जनवरी से जून तक मिले कुल 58 मरीज में सर्वाधिक 18 मरीज (जुलाई में 2 मरीज) पूर्वी सिंहभूम में ही मिले हैं, वहीं रांची में 13 मरीज मिल चुके हैं। डेंगू के प्रसार की गंभीरता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि बीते साल बारिश खत्म होने तक यानी जनवरी से अक्टूबर तक के 10 महीने में राज्य के 12 जिलों में महज 47 मरीज मिले थे। जबकि, इस साल बारिश अभी शुरू ही हुई है, लेकिन जनवरी से जून तक के महज छह माह में राज्य के 15 जिलों तक डेगू का प्रसार हो चुका है, कुल 58 मरीज मिल चुके हैं। डेंगू की गंभीरता को देखते हुए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अभियान निदेशक ने बीते मई माह में ही राज्य के सभी उपायुक्तों को पत्र भेजकर एहतियाती उपाय सुनिश्चित करने की हिदायत दी है। सभी उपायुक्तों को अपने स्तर से आवश्यक दिशा निर्देश निर्गत करते हुए जिले में हो रही निगरानी एवं पर्यवेक्षण कार्यों की निरंतर समीक्षा करने की हिदायत भी दी है।

छात्र जदयू के प्रदेश प्रभारी बने डॉ. विनय भरत

रांची। डॉ विनय भरत छात्र जदयू के प्रदेश प्रभारी बनाये गये हैं। जदयू के प्रदेश अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद खीरू महतो ने डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विवि के सहायक प्रोफेसर डॉ विनय भरत को छात्र जदयू का प्रदेश प्रभारी नियुक्त किया है। प्रदेश जदयू कार्यालय में डॉ भरत को मनोनयन पत्र प्रदान कर प्रदेश अध्यक्ष खीरू महतो ने उन्हें पार्टी के सिद्धांतों के अनुरूप छात्र संगठन के विस्तार करने का निर्देश दिया। मौके पर छात्र जदयू के प्रदेश प्रभारी बनाए जाने पर डॉ भरत ने कहा प्रदेश अध्यक्ष खीरू महतो के आशा के अनुरूप छात्र जदयू का शशक्त संगठन प्रदेश में बनेगा।

रिम्स लाया गया पुलिस मुठभेड़ में घायल बदमाश

रांची। गिरिडीह में पुलिस और नक्सलियों के बीच हुए मुठभेड़ में घायल अपराधी को शनिवार को अचेत अवस्था में रिम्स के ट्रामा सेंटर में भर्ती किया गया है। न्यूरो सर्जरी विभाग के चिकित्सक उसका इलाज कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार देर रात मुफस्सिल थाना क्षेत्र के कोलीमारण (महेशलुंडी) में हुई मुठभेड़ में दोनों ओर से गोलीबारी हुई थी, जिसमें एक अपराधी घायल हो गया था। डॉक्टरों के अनुसार, अत्यधिक रक्तस्राव के कारण वह अचेत अवस्था में है।

मारपीट करने के मामले में एफआईआर दर्ज

रांची। घर में घुसकर जान से मारने की धमकी देने और मारपीट कर जख्मी करने के मामले को लेकर सदर थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई है। इस संबंध में शांति नगर निवासी दिलीप सिंह ने राजू परवेज , सद्दाम,आफताब, चांद,राजू, सोनू सहित 14 अज्ञात लोगों पर मारपीट कर जख्मी करने का आरोप लगाया है। दर्ज एफआईआर में बताया गया है कि वह अपने दोस्त नीरल तिर्की के यहां खाना खा रहा था। इसी दौरान राजू परवेज सहित 14

बाबूलाल ने आदिवासी संगठनों के प्रदेश भाजपा कार्यालय घेराव को नौटंकी कहा

नवीन मेल संवाददाता। रांची

मध्यप्रदेश की जिस घटना को तूल देने की कोशिश की जा रही उसपर कठोर कानूनी कार्रवाई मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कर दी है

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने शनिवार को आदिवासी संगठनों के भाजपा प्रदेश कार्यालय घेराव कार्यक्रम को हेमंत सरकार की प्रायोजित राजनीतिक नौटंकी कहा है। मरांडी ने कहा कि भाजपा प्रदेश कार्यालय का घेराव करने वालों को सबसे पहले मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के आवास का घेराव करना चाहिए। क्योंकि, हेमंत सोरेन ने आदिवासी के नाम पर सबसे ज्यादा आदिवासी को ही प्रताड़ित किया है। हेमंत सरकार का स्वागत चाईबासा में आदिवासियों के नरसंहार से हुआ। होनहार आदिवासी दारोगा रूपा तिर्की की हत्या,पशु तस्करों के द्वारा दारोगा संध्या टोपनो की हत्या, सिदो कान्हो के वंशज रामेश्वर मुर्मू की हत्या हेमंत सरकार की देन है। उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन के पिछले साढ़े तीन वर्षों के शासन काल में 5500 से अधिक बहन-बेटियों के साथ दुष्कर्म की घटनाएं घटी हैं, जिसमें अधिकांश आदिवासी और दलित समाज की ही बेटियां हैं। उन्होंने कहा कि प्रीमिटिव ट्राइब्स की बेटी रुबिका पहाड़िया की नृशंस हत्या टुकड़ों-टुकड़ों में काटकर की गई। मांडर में आदिवासी छात्रा के साथ कार में सामूहिक दुष्कर्म की शर्मनाक घटना हुई। खूंटी में प्रशिक्षु महिलाओं के साथ दुष्कर्म हुए लेकिन मुख्यमंत्री ने पीड़ित परिजनों से मिलना भी उचित नहीं समझा। मरांडी ने कहा कि मध्यप्रदेश की जिस घटना को तूल देने की कोशिश की जा रही उसपर कठोर कानूनी कार्रवाई मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कर दिया है। मुख्यमंत्री ने पीड़ित व्यक्ति के पैर धोकर माफी मांगी है। उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन में हिम्मत है तो वे आदिवासी दलित विरोधी कृत्यों के लिए समाज से और पीड़ित परिवार से माफी मांगे।

राज्य के उत्तर-पूर्वी क्षेत्रों में 11-12 जुलाई को भारी बारिश की चेतावनी

नवीन मेल संवाददाता। रांची मानसून की सक्रियता तेज हो गई है। अब 11 और 12 जुलाई को राज्य के कई हिस्सों में भारी बारिश होगी। इसको लेकर भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने दो दिनों के लिए यलो अलर्ट जारी किया है। यह चेतावनी उत्तर-पूर्वी क्षेत्रों के लिए दी गई है। दो दिनों तक देवघर, धनबाद, दुमका, गिरीडीह, गोड्डा, जामताड़ा, पाकुड़, साहेबगंज इलाके भारी बारिश की चपेट में रहेंगे। पिछले 24 घंटों के अंतराल में भी राज्य के कई हिस्सों में मेघगर्जन के साथ हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश हुई। राज्य में मानसून की गतिविधियां सामान्य रहीं। सबसे अधिक वर्षा 49.2 मिलीमीटर पाकरटांड़, सिमडेगा में हुई। सबसे उच्चतम तापमान 35.4 डिग्री सेल्सियस डालटनगंज में दर्ज किया गया। वहीं, सबसे कम न्यूनतम तापमान 23.2 डिग्री सेल्सियस रांची में दर्ज हुआ। शनिवार को रांची में हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश हुई। रांची में 0.3 मिलीमीटर बारिश का आंकड़ा दर्ज किया गया।

पृष्ठ एक के शेष

प्रमंडल में फूलों की खेती को...

कर जीविकोपार्जन करते थे। किसानों की आमदनी बढ़ाने के उद्देष्य से उद्यान विभाग, गढ़वा द्वारा उद्यान विकास योजना एवं राज्य वागवानी मिशन योजना के तहत किसानों को गेंदा, गुलाब और ग्लैडियोलस के पौधे उपलब्ध कराये गये। साथ ही उन्हें जागरूक भी किया गया। अब यहां के किसान फूलों की खेती से अच्छी आमदनी कर रहे हैं और वे आर्थिक रूप से मजबूत होने लगे हैं। फूलों की खेती में किसानों को उनके परिवारजन भी सहयोग कर रहे हैं।

फूल की खेती को दिया जाएगा बढ़ावा : पलामू के उद्यान पदाधिकारी शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि पलामू के चैनपुर प्रखंड में 99 किसानों के बीच गेंदा, जरबेरा एवं ग्लैडियोलस के पौधे उपलब्ध कराये गये थे। इसका बेहतर रूझान देखने को मिला। फूलों की खेती को किसान आमदनी का उत्कृष्ट व्यवस्था मान रहे हैं। प्रारंभिक तौर पर चैनपुर में कलस्टर स्तर पर फूल की खेती कराने के उद्देश्य से किसानों को फूल के पौधे उपलब्ध कराये गये थे। फूल की खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है, ताकि किसान बेहतर आमदनी कर दूसरों के लिए प्रेरणास्त्रोत बन सकें। जिले में अन्य उद्यानिकी फसलों को भी बढ़ावा दिया जा रहा है, ताकि किसान आर्थिक रूप से सबल हो सकें। सबसे बड़ी बात है महिला किसानों ने फूल की खेती के लिए ज्यादा उत्सुक दिखें।

रांची को एक और वंदे भारत...

10:10 मिनट पर रांची पहुंचेगी। यह ट्रेन रांची से हावड़ा के बीच 6 घंटे 35 मिनट में सफर पूरा करेगी। वंदे भारत ट्रेन रांची से हावड़ा शताब्दी एक्सप्रेस के रूट पर चलेगी। यह रांची से बोकारो, धनबाद, आसनसोल होकर हावड़ा जाएगी। रांची सांसद संजय सेठ ने कहा है कि रांची-हावड़ा वंदे भारत ट्रेन दुर्गा पूजा से पहले शुरू हो जाएगी। रेल मंत्रालय जल्द ही तारीख की घोषणा करेगी। रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि वंदे भारत ट्रेन खासकर व्यापारियों के लिए लाभदायक होगी, जो कोलकाता व्यवसाय के लिए जाते हैं। एक साल से ज्यादा समय से हटिया से दुर्ग के लिए स्पेशल ट्रेन चलाया जा रहा था। इस ट्रेन का रिस्पांस अच्छा होने से रेलवे की टाइम टेबल कमेटी ने स्थाई रूप से चलाने का निर्णय लिया है। अभी स्पेशल ट्रेन के रूप में किराया सामान्य किराए से 30 प्रतिशत ज्यादा था, लेकिन स्थाई होने से इस ट्रेन का किराया 30 प्रतिशत कम हो जाएगा। यह साप्ताहिक ट्रेन है।

हेमंत सरकार छात्रों को उच्च शिक्षा के...

सीएम शिक्षा प्रोत्साहन योजना है। इस योजना के तहत दसवीं पास छात्रों को उच्च शिक्षा संस्थानों में तैयारी के लिए सरकार मदद करेगी। योजना के तहत विद्यार्थियों को कोचिंग की एक सत्र की फीस और रहने-खाने के लिए हर महीने 2500 रुपए दिए जाएंगे। योजना के पहले चरण में 8000 छात्रों को मदद मिलेगी। इंजीनियरिंग, मेडिकल, क्लैट और मास कम्युनिकेशन, सीए और आइसीडब्ल्यूए में प्रवेश की तैयारी करने वालों को मदद दी जाएगी। तीसरी योजना एकलव्य प्रशिक्षण योजना है। इसके जरिए यूपीएससी, जेपीएससी, एसएससी और रेलवे जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए विद्यार्थियों को निःशुल्क कोचिंग दी जाएगी। सरकार की ओर से तय कोचिंग संस्थान में यह व्यवस्था रहेगी। इसके अलावा एक साल तक छात्रों को रहने-खाने के लिए 2500 रुपए दिए जाएंगे।

उप्र व बिहार के गरीब पति अपनी...

के लिए सविता का दाखिला मंधना में बने रामा कॉलेज ऑफ नर्सिंग एंड पैरा मेडिकल साइंस में करा दिया। साथ ही, खुद मजदूरी कर पैसों को इकट्ठा करने लगा। पढ़ाई पूरी होने के बाद सबसे पहले उसे दिल्ली में नौकरी मिली। सविता की नौकरी चल ही रही थी कि अर्जुन को कुछ शक हुआ।इसके बाद अर्जुन ने सविता को वापस बुला लिया और फिर तमाम कोशिशों के बाद सविता को कानपुर देहात के रसूलाबाद के नारखुर्द में बने स्वास्थ्य केंद्र में लगवाया। यहां उसे अच्छी खासी पेमेंट मिलने लगी। अब सविता के तेवर और मिजाज बदलने लगे। अर्जुन ने आरोप लगाते हुए बताया कि सविता उससे दूरी बनाने लगी। वो कहने लगी तुम काले हो हमारा तुम्हारा स्टेट्स मेल नहीं करता है। इसके बाद विवाद शुरू हो गया। अर्जुन ने न्याय की गुहार लगाना शुरू किया, जिससे बिगड़े हालात सुधर सके। कर्ज में डूबे अर्जुन अभी भी पढ़ाई में के दौरान लिए गए कर्ज को भर रहा है और घर पर पैसा मांगने पहुंचते हैपीड़ित अर्जुन ने बताया क वह पत्नी को पढ़ाने की ललक में कर्ज में डूब गया और तकलीफ भरी जिंदगी गुजार रहा है। उन्होंने बताया जो मेरे साथ हुआ है, उसके बाद कोई भी व्यक्ति शादी के बाद अपनी पत्नी को नहीं पढ़ाएगा। महिला को सिर्फ घर की जिम्मेदारियों का बोझ उठाना पड़ेगा, जैसा पुराने समय मे होता रहा है। उत्तर प्रदेश के ज्योति मौर्या का केस यह है कि उसका पति आलोक मौर्या प्रयाग में तृतीय श्रेणी का कर्मचारी है। गाँव में रहने वाले आलोक व उसके पिता को लगा कि बहू ज्योति पढ़ने में तेज है और वह पढ़ना चाहती है , तो दोनों ने उसे पढ़ाया, खर्चा देकर कोचिंग कराया। ज्योति पहले स्कूल में अध्यापक पद पर नियुक्त हुई। उसके बाद सीपीएस की तैयारी करने को कही तो पति व ससुर ने कहा ठीक है , हम खर्च देंगे, तुम तैयारी करो। ज्योति पीसी हो गई। फि लहाल बरेली में तैनात है। उसके दो बच्चे भी हैं। लेकिन अब ज्योति का एक पुलिस अफसर के साथ चर्चा जो पकड़ ली है। उसके पति ने इसके बारे में कुछ काल डिटेल व कहीं रूकने का विवरण दिया है। पत्नी ज्योति का अपना अलग तर्क है। लेकिन, इसका असर उ.प्र. व बिहार में दिखने लगा है। पटना के मशहूर कोचिंग शिक्षक खान सर के एक वायरल वीडियो में उन्हें यह कहते हुए लोग सुन रहे हैं कि बीपीएससी बैच के 93 लोगों ने अपनी पत्नी को कोचिंग से हटा लिया। खान सर के इस वीडियो की पुष्टि यह अखबार नहीं करता है, लेकिन यह तेजी से वायरल हुआ है। ज्योति मौर्या केस का जमीन पर प्रभाव बिहार के बक्सर में सामने दिखा था, जहां इसी हफ्ते एक महिला की पढ़ाई पति ने छुड़वा दी। वायरल वीडियो में खान सर ने अपने अंदाज में जो बातें कहीं, वह हिंदी में इस तरह है- हमारे यहां से बीपीएससी बैच में 93 के आसपास लोग आकर अपनी पत्नी को लेकर चले गए। उस... (बोले गए शब्द को सुधारा) भौजी ने ऐसा काम किया कि पूरे इंडिया को तबाह कर दिया। वह बेचारा पढ़ाया-लिखाया। लोन लेकर एसडीएम बनाया और छोड़कर चली गई। उसको ऐसा नहीं करना चाहिए था।जो लोग पत्नी को ले जाने आए, हमने उन्हें समझा कि यह गलत बात है। ऐसा नहीं होना चाहिए। किसी की गलती की सजा किसी और को कैसे दी जा सकती है? हमलोग कितना समझाएंगे! जितना को समझा सकते थे, समझाया। लेकिन, 93 तो एडमिशन कटवाकर चले गए। किसी के पारिवारिक मामलों में हमलोग कितना पड़ सकते हैं?

दहशत — फायरिंग मामले में जांच जारी, पुलिस को अब तक नहीं मिले सुराग

अमन के गुर्गे ने दी चेतावनी, कहा-जुबान पर लगायें लगाम

नवीन मेल संवाददाता। रांची

रांची के अरगोड़ा थाना क्षेत्र में कोयला कारोबारी रंजीत कुमार गुप्ता उर्फ छोटू गुप्ता पर हुई फायरिंग मामले में अब तक पुलिस के हाथ कोई ठोस सुराग नहीं लगा है। इस वजह से किसी की भी गिरफ्तारी नहीं हुई है। हालांकि, पुलिस मामले के खुलासे के लिए ताबड़तोड़ छापेमारी कर रही है। रंजीत की पत्नी अंजु गुप्ता के बयान पर एफआईआर दर्ज किया गया है। घायल कारोबारी रंजीत कुमार गुप्ता मुरी के हिंडाल्को जाने वाले थे और वहां दोपहर को मीटिंग थी। इसी बीच घात लगाए अपराधियों ने उन्हें को गोली मार दी। मामले में बाइक सवार दो अज्ञात अपराधियों को आरोपित बनाया गया है। सिटी एसपी शुभांशु जैन ने बताया कि मामले की जांच जारी है लेकिन अब तक पुलिस को कोई ठोस सुराग हाथ नहीं लगा है। फिलहाल किसी की भी गिरफ्तारी नहीं हुई है। पुलिस यह कोशिश कर रही है कि मामले का खुलासा जल्द से जल्द हो। इसके लिए छापेमारी की जा रही है। उधर, अमन साहू गिरोह के मयंक सिंह ने सोशल मीडिया फेसबुक पर पोस्ट किया है कि रंजीत गुप्ता उर्फ छोटे गुप्ता को ईश्वर ने बचा लिया। हमने उसे मार दिया था। अब नयी जिंदगी मिली है तो उसे चेतावनी है कि जुबान पर लगाम रखे और बॉस या मेरे बारे में अनर्गल बयानबाजी नहीं करे वरना रांची नहीं लंदन में भी रहेगा तो ठोक देंगे। साथ ही लिखा है कि उन्हें भी चेतावनी है जो बॉडीगार्ड लेने के लिए और अपना स्टेटस सिम्बल मेंटेन रखने के लिए बॉस के नाम पर और मेरे नाम पर फर्जी केस करते हैं। मयंक सिंह ने लिखा है कि मैंने पहले भी कहा था और अभी भी कह रहा हूं, जहां तक मेरा कॉल जाता है, वहां तक मेरी गोली भी जाती है, चाहे वो कितना भी पावरफुल हो। हर उस आदमी को बता देना चाहता हूं कि जिन्हें मेरा कॉल गया है, उन्हें देर सबेर मेरी गोली मिलेगी। मयंक सिंह ने पोस्ट में आगे लिखा है कि झूठा हवा बनाते हैं कि फलाना सांसद का आदमी हूं। फलाना मंत्री तक मेरी पहुंच है। फलाना अधिकारी से मेरा उठना बैठना है। ऐसे लोग अब अपनी गाड़ी में बॉडीगार्ड के साथ एक-एक ऑक्सीजन सिलेंडर और हो सके तो डॉक्टर भी लेकर चलें। ऐसे लोग जिन्होंने बॉस और मेरा इगो हर्ट किया है, ईमानदारी के साथ मीडिया में माफी मांगें। ईमानदारी से झारखंड पुलिस को बॉडीगार्ड वापस करें और चैन से अपना कारोबार करें। मुझसे जितनी मेहनत करायेंगे आपको उतनी तकलीफ होगी।

कनाडा ओपन : सिंधु-सेन सेमीफाइनल में पहुंचे

एजेंसी। कैलगरी (कनाडा)
भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु और लक्ष्य सेन यहां अपने-अपने महिला और पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में विपरीत अंदाज में जीत दर्ज कर कनाडा ओपन 2023 बीडब्ल्यूएफ सुपर 500 इवेंट के सेमीफाइनल में पहुंच गए। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता और पूर्व विश्व चैंपियन सिंधु ने शुक्रवार रात क्वार्टर फाइनल में चीन की विश्व नंबर 45 गाओ फांग जी को 21-13, 21-7 से हराया और साल के अपने तीसरे सेमीफाइनल में प्रवेश किया। शीर्ष भारतीय शटलर ने अप्रैल में स्पेन मास्टर्स बीडब्ल्यूएफ सुपर 500 टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई थी, लेकिन इस साल अभी तक कोई खिताब नहीं जीत सकी हैं। सेमीफाइनल में सिंधु का मुकाबला

अपनी पुरानी प्रतिद्वंद्वी और मौजूदा विश्व चैंपियन जापान की अकाने यामागुची से होगा। विश्व नंबर 15 सिंधु विश्व नंबर 1 यामागुची से आमने-सामने मुकाबलों में 14-10 से आगे हैं, लेकिन पिछले महीने सिंगापुर ओपन के पहले दौर में जापानी शटलर से हार गईं थीं। दूसरी ओर, दुनिया के 19वें नंबर के खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने बेल्जियम के दुनिया के 62वें नंबर के जूलियन कैरागी पर 21-8, 17-21, 21-10 से जीत दर्ज कर 2023 के अपने दूसरे सेमीफाइनल में जगह बनाई। राष्ट्रमंडल खेलों के मौजूदा पुरुष एकल चैंपियन सेन फाइनल में जगह बनाने के लिए दुनिया के 11वें नंबर के खिलाड़ी जापान के केंटा निशिमोतो से भिड़ेंगे। लक्ष्य और केंटा दो बार एक-दूसरे से भिड़ चुके हैं और एक-एक मैच जीत चुके हैं। 21 वर्षीय सेन ने इस साल 12 टूर्नामेंट खेले हैं लेकिन अभी तक फाइनल में नहीं खेले हैं।

विश्व कप शॉटगन में भारतीय स्कीट निशानेबाज सबसे पहले निशाना साधेंगे

एजेंसी। नई दिल्ली
साल का छठा आईएसएसएफ विश्व कप शॉटगन चरण इटली के लोनाटो में शुरू हो गया है, जिसमें सोमवार को मुकाबले शुरू होने से पहले रविवार को स्कीट निशानेबाजों के लिए प्री-इवेंट प्रशिक्षण निर्धारित है। भारत की छह सदस्यीय स्कीट शूटिंग टीम में पुरुषों की स्कीट में सीनियर प्रो और ओलंपियन मैराज अहमद खान, अनंतजीत सिंह नरूका और गुरजोत खंगुरा शामिल हैं, जबकि महिला स्कीट प्रतियोगिता में गनेमत सेखों, दर्शना राठौड़ और महेश्वरी चौहान शामिल हैं। अनंतजीत, गुरजोत, गनेमत और दर्शना जैसे खिलाड़ियों के लिए, अगस्त में बाकू, अजरबैजान में होने वाली महत्वपूर्ण विश्व चैंपियनशिप से पहले यह महत्वपूर्ण अभ्यास होगा, जहां प्रत्येक

स्पर्धा में चार पेरिस 2024 ओलंपिक कोटा स्थान उपलब्ध होंगे। उल्लिखित चारों भी खुद को सितंबर में होने वाले हांगझाऊ एशियाई खेलों की टीम में पाते हैं। स्कीट स्पर्धाओं के समापन के बाद अगले शनिवार से शुरू होने वाली ट्रैप स्पर्धाओं में छह और सदस्य भी भाग लेंगे। जबकि ट्रैप ने पिछले साल विश्व चैंपियनशिप में भवनीश मेंदीरत्ता के चौथे स्थान पर रहने के बाद अपना पेरिस कोटा खाता खोला है, भारतीय स्कीट निशानेबाजों ने अभी तक कोटा स्थान नहीं जीता है और वे लोनाटो विश्व कप का इंतजार कर रहे हैं, ताकि किसी भी कमी को दूर किया जा सके और खुद का आकलन किया जा सके। स्कीट टीम पहले ही लोनाटो पहुंच चुकी है और विश्व कप चरण के आयोजन स्थल ट्रैप कॉनकेवर्डे शूटिंग रेंज में अनौपचारिक प्रशिक्षण शुरू कर चुकी है।

NEWS इन ब्रीफ

अर्जुन अटवाल जॉन डीरे क्लासिक में कट से चूके

सिल्विस। भारतीय गोल्फर अर्जुन अटवाल अंतिम नौ होल में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए और यहां दूसरे दौर में छह ओवर 77 का निराशाजनक कार्ड खेलकर पीजीए टूर की प्रतियोगिता जॉन डीरे क्लासिक में कट से चूक गए। पीजीए टूर और पीजीए टूर चैंपियंस (वरिष्ठ खिलाड़ियों के लिए) दोनों में भाग ले रहे अटवाल ने पहले दौर में इवन पार 71 का स्कोर बनाया था लेकिन दूसरे दौर में अंतिम नौ होल में उन्होंने दो डबल बोगी और दो बोगी की जिससे उनका कट में जगह बनाना मुश्किल हो गया था। अटवाल का कुल स्कोर छह ओवर रहा जबकि कट चार अंडर पर गया। कैमरन यंग ने शुक्रवार को दूसरे दौर में सात अंडर 64 का कार्ड खेला और उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वियों पर दो शॉट की बढ़त बना रखी है। उनका कुल स्कोर 13 अंडर 129 है।

एशिया ओलंपिक परिषद के अध्यक्ष बने शेख तलाल

बैंकाक। शेख तलाल फहद अल सबाह एशियाई ओलंपिक परिषद (ओसीए) के अध्यक्ष के रूप में अपने निलंबित भाई की जगह लेंगे। शेख तलाल ने शनिवार को चार वोट से ओसीए अध्यक्ष पद का चुनाव जीत लिया। उनके पिता शेख फहद अल अहमद अल जबर अल सबाह 1980 के दशक की शुरूआत में संगठन के पहले अध्यक्ष थे। उनके भाई शेख अहमद अल फहद अल सबाह ने 1991 से 2021 तक 45 देशों के ओसीए के अध्यक्ष रहे थे। लेकिन जिनीवा में जालसाजी के लिए दोषी ठहराए जाने के बाद उन्हें ओसीए से निलंबित कर दिया गया था। उन्होंने हालांकि आरोपों से इनकार किया और वह इसके खिलाफ अपील कर चुके हैं।

स्टोक्स ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे टेस्ट में इंग्लैंड को जिंदा रखा

एजेंसी। लीड्स
कप्तान बेन स्टोक्स ने हेडिंग्ले में एक और शानदार प्रदर्शन किया और गेंदबाजों ने अंतिम क्षणों में महत्वपूर्ण विकेट लिए, जिससे इंग्लैंड ने शुक्रवार को यहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे टेस्ट के दूसरे रोमांचक दिन पर एशेज 2023 की अपनी उम्मीदों को जिंदा रखा। दूसरे दिन स्टंप्स से पहले चार विकेट खोने के बावजूद, ऑस्ट्रेलिया तीसरे एशेज टेस्ट में अपनी स्थिति मजबूत करने में सफल रहा और उसकी बढ़त 142 तक पहुंच गई। पैट कमिंस की अगुवाई में मजबूत गेंदबाजी प्रदर्शन के बाद दूसरे दिन इंग्लैंड 237 रन पर सिमट गया, जिससे ऑस्ट्रेलिया को मात्र 26 रनों की बढ़त मिली। इंग्लैंड एक बार फिर डेविड वार्नर को एकल अंक में आउट करने में सफल रहा क्योंकि उनके तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड ने टेस्ट क्रिकेट में 17वीं बार ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज को आउट किया। उस्मान ख्वाजा और मार्नस लाबुशेन चाय से पहले बचे हुए

ओवरों में टिके रहे और 55 की बढ़त के साथ अपनी टीम को 29/1 पर ले गए। ख्वाजा और लाबुशेन ऑस्ट्रेलिया के लिए एक महत्वपूर्ण साझेदारी बनाने के लिए आगे बढ़े। उनकी साझेदारी 57 रनों की थी जब लाबुशेन ने मोईन अली की गेंद पर डीप मिडविकेट पर हैरी ब्रूक को कैच थमा दिया। लाबुशेन 77 गेंदों में 33 रन बनाकर पवेलियन लौट गए।
अपने अगले ओवर में, मोईन ने फिर से प्रहार किया, टेस्ट क्रिकेट में अपना 200वां विकेट लिया और यह स्टीव स्मिथ का बेशकीमती विकेट था, जिन्होंने गेंद को सीधे मिड-विकेट क्षेत्ररक्षक बेन डकेट के हाथों में मार दिया।
ऑस्ट्रेलिया को एक और झटका तब लगा जब सेट बल्लेबाज ख्वाजा, जो धैर्यपूर्वक अपने अर्धशतक की ओर बढ़ रहे थे, 43 रन पर आउट हो गए।
ट्रैविस हेड और मिशेल मार्श ने सुनिश्चित किया कि दूसरे दिन स्टंप्स से पहले ऑस्ट्रेलिया को कोई और झटका न लगे। इस जोड़ी ने नाबाद 26 रनों की साझेदारी की, जिससे मेहमान टीम का स्कोर 116/4 हो गया।
इससे पहले, इंग्लैंड ने हेडिंग्ले में तेज धूप वाली परिस्थितियों में दूसरे दिन की शुरूआत 68/3 के साथ की और वह ऑस्ट्रेलिया से 195 रनों से पीछे है। मेहमान टीम ने शुरूआत में ही जोरदार प्रहार किया, कप्तान पैट कमिंस ने दिन की दूसरी गेंद पर जो रूट का बड़ा विकेट लिया।
रूट को दूसरी स्लिप में डेविड वार्नर ने कैच किया, जो अपने पिछले दिन के स्कोर में एक भी रन जोड़े बिना 19 रन बनाकर आउट हो गए। इंग्लैंड ने एक के बाद दूसरा विकेट भी गंवाया, मिशेल स्टार्क ने जॉनी बेयरस्टो को घेरा, जहां स्टीव स्मिथ ने सिर की ऊंचाई पर कैच लपक लिया।
अगले बल्लेबाज मोईन अली थे, जिन्होंने बेन स्टोक्स के साथ मिलकर इंग्लैंड के लिए पारी के पुनर्निर्माण की प्रक्रिया शुरू की। मैदानी अंपायर कुमार धर्मसेना द्वारा नॉट आउट दिए जाने के बाद मेजबान टीम के कप्तान एलबीडब्ल्यू के फैसले से बच गए और समीक्षा में इसका असर अंपायर की कॉल के रूप में देखा गया।

रोहन बोपन्ना-मैथ्यू एबडेन दूसरे दौर में पहुंचे

लंदन। भारत के रोहन बोपन्ना और उनके ऑस्ट्रेलियाई जोड़ीदार मैथ्यू एबडेन यहां अर्जेंटीना के गुइलेर्मो दुरान और टॉमस एचेवेरी की जोड़ी को हराकर विंबलडन के पुरुष युगल के दूसरे दौर में पहुंच गए। ग्रास कोर्ट ग्रैंड स्लैम में छठी वरीयता प्राप्त इंडो-ऑस्ट्रेलियाई टेनिस जोड़ी ने शुक्रवार रात दो घंटे 12 मिनट तक चले शुरूआती दौर के मैच में गैरवरीय अर्जेंटीना जोड़ी को 6-2,6-7, 7-6 से हराया। 43 वर्षीय बोपन्ना और एबडेन, जिन्होंने इस साल की शुरूआत में एटीपी टूर पर दो युगल खिताब जीते थे, रविवार को दूसरे दौर में जैकब फर्नले और जोहानस की गैरवरीय ब्रिटिश जोड़ी से भिड़ेंगे। उल्लेखनीय है कि बोपन्ना-एबडेन ने फरवरी में कतर ओपन और मार्च में एटीपी मास्टर्स 1000 इंडियन वेल्स खिताब जीता था। पुरुष युगल के अलावा, बोपन्ना विंबलडन में मिश्रित युगल में भी हिस्सा ले रहे हैं और वह शनिवार को कनाडा की गैब्रिएला डाब्रोवस्की के साथ प्रतिस्पर्धा करेंगे।

भारत के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए वेस्टइंडीज की टीम घोषित

एजेंसी। सेंट जॉन्स
वेस्टइंडीज ने भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज के पहले मैच के लिए टीम की घोषणा कर दी है। टीम सेलेक्शन पैनल ने 12 से 16 जुलाई तक डोमिनिका के विंडसर पार्क में खेले जाने वाले मैच के लिए 13 सदस्यों और दो ट्रैवलिंग रिजर्व खिलाड़ियों के नामों की घोषणा की है। बाएं हाथ के बल्लेबाज किर्क मैकेंजी को पहली बार टीम में शामिल किया गया है, जबकि बाएं हाथ के ही एलिक अथानाज टीम में दूसरे अनकैप्ड खिलाड़ी हैं। नवंबर 2021 में अपना आखिरी टेस्ट खेलने वाले ऑलराउंडर रहकीम कॉर्नवाल और बाएं हाथ के स्पिनर जोमेल वारिकन को वापस बुलाया गया है। बाएं हाथ के स्पिनर गुडाकेश मोती चयन के लिए उपलब्ध नहीं थे। प्रमुख चयनकर्ता डॉ डेसमंड हेन्स ने कहा, बांग्लादेश के हालिया 'ए' टीम दौरे पर हम मैकेंजी और अथानाज की बल्लेबाजी से बहुत प्रभावित हुए। ये दो युवा खिलाड़ी हैं जिन्होंने अच्छे स्कोर हासिल किए और बड़ी परिपक्वता के साथ खेले, और हमारा मानना है कि वे एक अवसर के हकदार हैं। ह्लश्रृंखला को देखते हुए हम जानते हैं कि यह चुनौतीपूर्ण होगी। हम आईसीसी टेस्ट मैच चैंपियनशिप का नया चक्र शुरू कर रहे हैं। वेस्टइंडीज की टीम एंटिगा के कूलिज क्रिकेट ग्राउंड में चल रहे प्री-सीरीज कैंप के बाद रविवार को डोमिनिका की यात्रा करेगी। मैच की तैयारी के लिए सोमवार दोपहर और मंगलवार सुबह उनका प्रशिक्षण सत्र होगा। टेस्ट श्रृंखला नई 2023-2025 आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में वेस्टइंडीज और भारत दोनों के लिए पहला मैच होगा। पहला मैच बुधवार को सुबह 10 बजे शुरू होगा।जुलाई को त्रिनिदाद के क्वींस पार्क ओवल में दूसरा टेस्ट होगा - जो वेस्टइंडीज और भारत के बीच 100वां टेस्ट मैच होगा।

उम्र से परे हुनर की नई इबारत है ऋषिका केवल 10 वर्ष की उम्र में जीते 19 पदक

एजेंसी। नई दिल्ली
प्रतिभाएं उम्र की मोहताज नहीं होती.. खासकर खेल के मामले में तो यह पंक्ति अक्सर सही साबित होती है। भारत युवाओं का देश है और यहां यूथ टैलेंट की कोई कमी नहीं है। जरूरत है तो बस उसे सही दिशा देने की। उम्र से परे हुनर के उत्कृष्ट प्रदर्शन का एक उदाहरण उत्तर प्रदेश के वाराणसी शहर में भी प्रत्यक्ष उदीयमान है। हम यहां बात कर रहे हैं ऋषिका रयान कीङ्ख जिसके पास दस साल की छोटी उम्र में ही कराटे के खेल में प्रदेश स्तर से लेकर राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय स्तर तक के कुल 19 पदक हैं। तीन वर्ष की उम्र से कराटे के खेल में खुद को पारंगत करने की जिजीविषा के साथ मानसिक और शारीरिक तौर पर खुद को तैयार करने वाली ऋषिका का कहना है कि वैश्विक मंच पर भारत का

प्रतिनिधित्व करना उनके लिए लिए एक जबरदस्त सम्मान है। ऋषिका ने कहा, "कुमिते और काता दोनों में स्वर्ण पदक जीतना एक सपने के सच होने जैसा है, और मैं इस उपलब्धि का श्रेय अपनी मां अलका के. और पिता डॉ अभिषेक के. के अटूट समर्थन, मेरे कोच अरविंद यादव के मार्गदर्शन और अपने साथी देशवासियों को देती हूं। यह जीत भारत के भीतर मौजूद प्रतिभा और क्षमता का प्रमाण है।" ऋषिका ने आगे कहा, "मैं माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की भी आभारी हूं कि उन्होंने वाराणसी को एक जीवंत और सुरक्षित शहर में बदलने के प्रयासों के बीच प्रदेश की बेटियों के सशक्तिकरण और सुरक्षा को बढ़ावा दिया है।" ऋषिका की असाधारण उपलब्धि, उनकी जीत न केवल उनकी व्यक्तिगत सफलता का प्रतीक है, बल्कि पूरे देश में महत्वाकांक्षी एथलीटों के लिए प्रेरणा की किरण के रूप में भी कार्य करती है। उनका असाधारण प्रदर्शन प्रतिभा को बढ़ावा देने और वैश्विक मंच पर कराटे के क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। 2023 कराटे चैम्पियनशिप में ऋषिका की ऐतिहासिक जीत ने खेल इतिहास के इतिहास में अपना नाम दर्ज करा दिया है।

मेजर लीग क्रिकेट से हटे पूर्व भारतीय बल्लेबाज अंबाती रायुडू

नई दिल्ली। एमएलसी के उद्घाटन सत्र से पहले, टेक्सास सुपर किंग्स ने पुष्टि की है कि पूर्व भारतीय बल्लेबाज अंबाती रायुडू इस साल लीग में हिस्सा नहीं लेंगे। रायुडू, जिन्होंने हाल ही में क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने की घोषणा की थी, ने व्यक्तिगत कारणों से फ्रेंचाइजी-आधारित लीग से नाम वापस ले लिया है। रायुडू चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम का हिस्सा थे जिसने इस साल मई में अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में गुजरात टाइटंस (जीटी) को हराकर अपना पांचवां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) खिताब जीता था। आईपीएल 2023 फाइनल से पहले उनकी सेवानिवृत्ति की घोषणा ने उन्हें विदेशी लीग में भाग लेने के लिए पात्र बना दिया था। इसके तुरंत बाद, उन्हें सीएसके की सहयोगी फ्रेंचाइजी टेक्सास सुपर किंग्स में नामित किया गया, जो एमएलसी में भाग लेगी।

हमारे युग में, हॉकी टूर्नामेंट के लिए चेन्नई वही था जो आज ओडिशा है : तुषार खांडकर

एजेंसी। नई दिल्ली
चेन्नई में 16 वर्षों के बाद अंतरराष्ट्रीय हॉकी की वापसी से प्रशंसकों में भारी उत्साह है। चेन्नई के मेयर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम में 3 अगस्त से हीरो एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2023 शुरू होने वाली है। इस टूर्नामेंट को देखते हुए हॉकी इंडिया ने चेन्नई क्रॉनिकल्स सीरीज शुरू की है, जिसमें शहर के कुछ प्रतिष्ठित रोमांचक मैचों पर बात की जाएगी। चेन्नई क्रॉनिकल्स सीरीज के दूसरे एपिसोड में, भारत के पूर्व कप्तान तुषार खांडकर ने इस शहर से जुड़ी कुछ पुरानी यादों को साझा किया। तुषार को हाल ही में भारतीय जूनियर महिला टीम का कोच नियुक्त किया गया है। 2007 में एशिया कप के दौरान चेन्नई में भारतीय टीम के प्रदर्शन और वार्षिक ऑल इंडिया एमसीसी मुरुगप्पा गोल्ड कप में

उनकी नियमित उपस्थिति को लेकर तुषार ने कहा, "हमारे युग में, चेन्नई हॉकी के लिए वही हुआ करता था जो आज ओडिशा है। हमारे पास वहां बहुत सारे टूर्नामेंट होते थे और चेन्नई के हॉकी प्रेमी न केवल अंतरराष्ट्रीय मैच देखने आते थे, बल्कि वे बड़ी संख्या में घरेलू मैच भी देखने आते थे। मेरा अंतरराष्ट्रीय करियर समाप्त होने के बाद भी, मैं एमसीसी मुरुगप्पा गोल्ड कप खेलने के लिए अक्सर चेन्नई जाता था। यह एक प्रतिष्ठित टूर्नामेंट था, सीजन की शुरूआत की तरह, और हम सभी ने वहां के माहौल का पूरा आनंद लिया।" उन्होंने कहा, "ओडिशा के हॉकी प्रशंसकों की तरह, चेन्नई के दर्शक भी खेल के प्रति बहुत जागरूक हैं, वे अतीत और वर्तमान हॉकी सितारों से परिचित हैं और वे वास्तव में खेल से प्यार करते हैं। भीड़ का समर्थन एक कारण था कि भारतीय टीम के खिलाड़ी भी चेन्नई में अधिक मैच खेलना चाहते थे, यही वजह है कि हममें से कई लोगों ने एमसीसी मुरुगप्पा गोल्ड कप खेलने का विकल्प चुना।" तुषार 2007 पुरुष एशिया कप जीतने वाली भारतीय टीम का भी हिस्सा थे। इस टूर्नामेंट में दिलीप टिर्की की अगुवाई वाली टीम ने दक्षिण कोरिया को 7-2 से हराया। तुषार का मानना है कि घरेलू दर्शकों के सामने खेलते हुए इस जीत ने अंतरराष्ट्रीय हॉकी में टीम के पुनरुत्थान को प्रेरित किया।

विश्व कप 2023 | **पाक प्रधानमंत्री ने विश्वकप को लेकर गठित की समिति**

पाकिस्तानी टीम भारत आएगी या नहीं?

एजेंसी। कराची
पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने इस साल के आखिर में भारत में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप में राष्ट्रीय टीम की भागीदारी पर फैसला करने के लिए विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समिति गठित की है। समिति शरीफ को अपनी सिफारिशें सौंपने से पहले भारत और पाकिस्तान के रिश्तों के सभी पहलुओं, खेल और राजनीति को अलग रखने की सरकार की नीति तथा खिलाड़ियों, अधिकारियों, प्रशंसकों और मीडिया के लिए भारत में स्थिति पर चर्चा करेगी।
प्रधानमंत्री पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के संरक्षक भी हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) और भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) पहले ही विश्व कप का कार्यक्रम घोषित कर चुके हैं तथा उन्हें उम्मीद है कि पाकिस्तान पांच अक्टूबर से शुरू होने वाली प्रतियोगिता के लिए भारत

का दौरा करेगा। पीसीबी ने हालांकि उन्हें बताया है कि दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण संबंध होने के कारण इस प्रमुख प्रतियोगिता में उनकी राष्ट्रीय टीम की भागीदारी सरकार की मंजूरी पर निर्भर करेगी। समिति के अन्य सदस्यों में खेल मंत्री अहसान मजारी, मरियम औरंगजेब, असद महमूद, अमीन उल हक, कमर जमान कैरा और पूर्व राजनयिक तारिक फातमी शामिल हैं। संबंधित मंत्रियों ने पीसीबी को पहले ही संकेत दे दिए हैं कि एक उच्च स्तरीय सुरक्षा प्रतिनिधिमंडल भारत भेजा जाएगा जो उन मैच स्थलों का निरीक्षण करेगा जहां पाकिस्तान को मैच खेलने हैं। क्रिकेट बोर्ड के कार्यवाहक अध्यक्ष जका अशरफ और मुख्य संचालन अधिकारी सलमान तासीर आईसीसी की बैठक में भाग लेने के लिए डरबन जाएंगे। इन बैठकों में अशरफ भारत के सुरक्षा कारणों का हवाला देकर बार-बार अपनी टीम को पाकिस्तान भेजने से इनकार करने का मुद्दा उठा सकते हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच विश्व कप का बहुप्रतीक्षित मैच 15 अक्टूबर को अहमदाबाद में विश्व के सबसे बड़े स्टेडियम में खेला जाएगा। पाकिस्तान अपने दोनों अभ्यास में हैदराबाद में खेलेगा और उसके बाद इसी मैच स्थल पर नीदरलैंड और श्रीलंका के खिलाफ विश्व कप के मैच खेलेगा। उसकी टीम को चेन्नई, बेंगलुरु और कोलकाता में भी अपने मैच खेलने हैं। भारत और पाकिस्तान एशिया कप और आईसीसी प्रतियोगिताओं में ही एक दूसरे के खिलाफ मैच खेलते हैं।